शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नम्मा मेट्रो की बेंगलूरु ब्लू लाइन दिसंबर 2027 तक होगी पूरी . @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 10 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-249

देश के विकास कार्यों को लेकर सुनियोजित भ्रम फैला रहीं सोनिया गांधी

डीप स्टेट की साजिशों का अगला निशाना ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट

सोनिया गांधी और राहुल गांधी उसी अमेरिकी षडयंत्रकारी डीप स्टेट की लाइन को आगे लेकर चल रहे हैं जो भारत के विकास कार्यों में बाधा डाले और देश में अराजकता का सृजन करे। प्रत्येक विकास को आपदा बताना और हर बड़े प्रोजेक्ट को संविधान के खिलाफ दिखाना, सोनिया-राहुल और कांग्रेस पार्टी की स्टाइल बन चुकी है।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को 72,000 करोड़ की बेकार योजना करार दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट निकोबारी और शोम्पेन आदिवासियों के लिए खतरा है और पर्यावरण को

शुभ-लाभ चिंता

तबाह करेगा। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने द हिंदू अखबार में लिखे अपने लेख - द मेकिंग ऑफ एन इकोलॉजिकल डिजास्टर इन द निकोबार- में ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को पूरी तरह बेकार और 72,000 करोड़ की खर्चीली योजना बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट जनजातीय समुदायों के लिए अस्तित्व का खतरा है और दुनिया की अनोखी वनस्पति और जीव-जंतुओं की विविधता को तबाह कर देगा। सोनिया ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह आदिवासियों के अधिकारों को कुचल रही है और कानूनी प्रक्रिया की धज्जियां उड़ा रही है। सोनिया गांधी का लेख

Editorial

The making of an ecological disaster in the Nicobar

Sonia Gandhi

एकतरफा, डराने वाला और ओछी राजनीति से भरा हुआ लेख है।

अपने लेख में सोनिया गांधी कहती हैं कि यह प्रोजेक्ट निकोबारी और शोम्पेन आदिवासियों को उनकी जमीन से पूरी तरह हटा देगा। जबकि प्रोजेक्ट के लिए चुने गए इलाकों को बहुत सोच-समझकर तय किया गया है, ताकि आदिवासी बस्तियों को कम से कम नुकसान हो। गौर करने वाली बात ये है कि 2004 की सुनामी में निकोबारी लोगों के पुराने गांव तबाह हुए थे। उस वक्त कांग्रेस की सरकार थी, लेकिन उसने गांवों को दोबारा बसाने या

सोनिया का लेख छाप कर भ्रम का वाहक बना अंग्रेजी अखबार

आदिवासियों को आधुनिक सुविधाएं देने के लिए कुछ खास नहीं किया। अब जब सरकार सड़क, बिजली और कनेक्टिविटी की बात करती है, तो कांग्रेस इसे बड़ा खतरा बताती है।

लेख के जरिए सोनिया गांधी देश को गलत जानकारियां देकर भ्रांति फैलाने की कोशिश कर रही हैं। सोनिया कहती हैं कि सरकार ने कानूनी प्रक्रिया और नियमों को नजरअंदाज किया और सामाजिक प्रभाव की जांच में खामियां हैं। लेकिन वे यह नहीं बतातीं कि इस प्रोजेक्ट को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल, पर्यावरण मंत्रालय की हाई पावर्ड कमेटी और नेशनल सेंटर फॉर सस्टेनेबल ▶10पर

देश के उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान सम्पन्न

सीपी राधाकृष्णन नए उपराष्ट्रपति चुने गए

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा नीत एनडीए के उम्मीदवार और महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को भारत का नया उपराष्ट्रपति चुन लिया गया। उपराष्ट्रपति के चुनाव में कुल 788 लोगों को वोट देने का अधिकार था। जिनमें से 781 लोगों ने हिस्सा लिया। मतदान का प्रतिशत 98 फीसदी रहा। आज हुए मतदान में एनडीए प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन को कुल 452 वोट मिले। वहीं विपक्षी इंडी गठबंधन के उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले। राधाकृष्णन ने 152 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की।

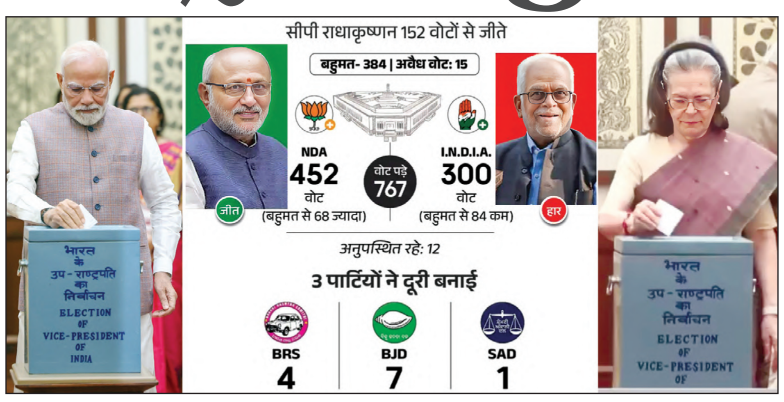

शाम पांच बजे मतदान समाप्त होने के एक घंटे बाद छह बजे मतगणना प्रारंभ हुई। मतगणना समाप्त होने के बाद आज देर शाम नतीजे घोषित किए गए। जिसमें एनडीए उम्मीदवार को कुल 452 वोट मिले। जबकि विपक्ष के उम्मीदवार को 300 वोट मिले। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल 767 वोट डाले गए। जिनमें से 752 वैध और 15 अवैध थे। कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार के पक्ष में 315 सांसदों के मतदान का दावा किया था। वहीं बीआरएस और बीजेडी ने चुनाव में भाग नहीं लिया, जबकि राज्यसभा में बीआरएस के चार और बीजेडी के सात सांसद हैं। वहीं अकाली दल के सांसद ने बाढ़ के चलते मतदान में हिस्सा लेने से मना कर दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। मोदी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू, अर्जुन राम मेघवाल, जितेंद्र सिंह और एल. मुरुगन के साथ संसद भवन के कमरा संख्या 101 वसुधा में स्थापित मतदान केंद्र में अपना वोट डाला। शुरुआत में मतदान करने वालों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा, समाजवादी पार्टी के नेता राम गोपाल यादव, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और सैयद नासिर हुसैन शामिल थे। 92 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे हाथों में हाथ डाले मतदान केंद्र तक जाते देखे गए। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, ▶10पर

नेपाल में बगावत और उपद्रव खतरनाक मोड़ पर

पूर्व पीएम खनाल की पत्नी को जिंदा फूंक डाला

काठमांडू, 09 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में जारी हिंसक प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नेपाल में बगावत और उपद्रव खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। उपद्रवियों ने पूर्व प्रधानमंत्री झलनाथ खनाल की पत्नी राज्यलक्ष्मी चित्रकार को जिंदा जला दिया। हिंसक भीड़ ने उनका घर भी फूंक डाला। प्रदर्शनकारियों ने कांतिपुर टीवी मुख्यालय को भी आग के हवाले कर दिया। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा पर भी भीड़ ने हमला कर दिया। जख्मी हालत में पूर्व पीएम देउबा को सेना ने बचा कर निकाला।

नेपाल में उपद्रवियों के आगे पूरी शासन व्यवस्था ठप्प हो चुकी है। सोशल मीडिया मचों के जरिए पूरे नेपाल में फैलाई जा रही अफवाहों और अराजकता के कारण इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने से पूरे नेपाल में हिंसा की आग भड़क गई थी। बांग्लादेश की तरह

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने दिया इस्तीफा

नेपाल में भी इसकी पहले से तैयारी थी। बांग्लादेश की तरह ही नेपाल में भी सरकार विरोधी आंदोलन और हिंसा को युवाओं से जोड़ दिया गया और देखते देखते यह राजधानी काठमांडू से लेकर पूरे देश में फैल गया। स्थिति यह हो गई कि पहले गृह मंत्री और फिर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ गया। अफवाह है कि केपी शर्मा ओली नेपाल छोड़ कर कीहीं चले गए हैं, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उपद्रव और अराजकता के आगे सरकार के घुटने टेक देने की घटना के साथ ही भारत के उन पड़ोसी देशों में नेपाल भी शामिल हो गया, जहां उपद्रव के बूते सत्ता परिवर्तन कराया जाता हो।

नेपाल में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के फैसले के खिलाफ आंदोलन तो एक बहाना है। इसकी तैयारी बहुत दिनों से चल रही थी। नेपाल के युवकों की आड़ में सारे अराजक तत्व सड़कों पर उतर आए। उन्होंने संसद के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया और संसद के अंदर तक घुस गए। ठीक उसी तरह जैसा बांग्लादेश में हुआ। नेपाल में भी प्रदर्शनकारियों ने आंदोलन को भ्रष्टाचार के खिलाफ बताया, जैसा बांग्लादेश में बताया था। हिंसक प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। इसका असर यह हुआ कि सेना की गोलीबारी और सख्त कदमों के ▶10पर

सियाचिन बेस कैंप पर भीषण हिमस्खलन

तीन फौजी शहीद, शवों की तलाश जारी

लद्दाख, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

लद्दाख के सियाचिन ग्लेशियर स्थित बेस कैंप पर मंगलवार को एक भीषण हिमस्खलन की चपेट में आने से सेना के तीन जवान शहीद हो गए। बर्फ में दबे शहीद जवानों के शव तलाशे जा रहे हैं। सेना ने अन्य जवानों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया है। फिलहाल इलाके में भारी बर्फबारी के चलते हिमस्खलन का खतरा और बढ़ गया है।

सियाचिन ग्लेशियर पूरी दुनिया का सबसे ऊंचा युद्ध क्षेत्र है। जहां पर तापमान शून्य से 60 डिग्री सेल्सियस नीचे चला जाता है। जिसकी वजह से वहां रहने वाले सैनिकों को फ्रॉस्टबाइट यानी की ज्यादा ठंड की वजह से शरीर के सुन्न हो जाने की परेशानी हो जाती है। माइनस शून्य से भी कम तापमान में तैनात सैनिकों को कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सांस में तकलीफ के साथ ही दिमागी सूनापन की भी दिक्कतें आती हैं। कोल्ड इंज्युरी तो सामान्य है। सियाचिन ग्लेशियर भारत-पाक नियंत्रण रेखा के पास लगभग 78 किमी में फैला है। इसके एक तरफ पाकिस्तान तो दूसरी तरफ चीन की सीमा अक्साई चीन है। ▶10पर

पीएम मोदी ने हिमाचल में बाढ़ की स्थिति देखी

1500 करोड़ रुपए की सहायता देने का ऐलान

शिमला, 09 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1500 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की घोषणा की है। पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने की भी घोषणा की। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर संवेदना प्रकट की और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल के साथ प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। पीएम मोदी ने बाढ़ की स्थिति का आकलन करने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ कर्मियों के साथ भी बातचीत की। हिमाचल

मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख, घायलों को मिलेंगे 50-50 हजार

प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रधानमंत्री मोदी के हिमाचल दौरे और राहत सहायता की घोषणा पर आभार जताया और कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रधानमंत्री ने हिमाचल को बहुत बड़ी मदद दी है, वे पीड़ितों से भी मिले हैं और हिमाचल के लिए 1500 करोड़ के राहत पैकेज की घोषणा की है, इससे हिमाचल को बहुत मदद मिलेगी।

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने प्रधानमंत्री मोदी के हिमाचल दौरे पर कहा कि प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश की बाढ़ की विषम स्थिति का अवलोकन किया और 1500 करोड़ की सहायता की घोषणा की, यह उनकी संवेदनशीलता और सदाशयता का उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कर दिया कि आपदा की इस घड़ी में राज्य सरकार और भारत सरकार एक हैं और वह हिमाचल के साथ खड़े हैं। लोगों से बात करते समय उनकी आंखों में आंसू थे। उन्होंने एक विशेष पैकेज की भी बात की। हम प्रधानमंत्री के बहुत आभारी हैं। ▶10पर

मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए देश तैयार : इसरो प्रमुख

2035 तक भारत का होगा अपना स्पेस स्टेशन

Bgamo Ho$ Xmo mZd¶w"$ { eZm|
H$s { b MwH$s §Oyar

नई दिल्ली, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

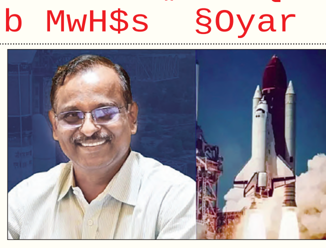

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी. नारायणन ने कहा है कि भारत 2027 तक अपनी पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि गगनयान परियोजना के तहत 7,700 ग्राउंड टेस्ट पूरे हो चुके हैं और 2,300 और परीक्षण किए जाने बाकी हैं। इसके बाद ही अंतरिक्ष में मानव मिशन को अंजाम दिया जाएगा। नारायणन ने बताया कि गगनयान परियोजना के तहत तीन बिना चालक दल वाले मिशन होंगे। इनमें से पहला मिशन इसी साल दिसंबर में प्रस्तावित है। इसके बाद दो और मानव रहित मिशन पूरे किए जाएंगे। यह सभी उड़ानें भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन को सफल बनाने के लिए अहम कदम साबित होंगी। इसरो को गगनयान परियोजना के तहत दो मानवयुक्त मिशनों की मंजूरी मिल चुकी है। इसका मतलब है कि भारत अब उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने जा रहा है, जिन्होंने अपने नागरिकों को अंतरिक्ष में भेजा है। इसरो प्रमुख ने कहा कि इन मिशनों ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

भारत में गलत सूचनाएं फैलाने में मुब्तिला है विकिपीडिया

'द बंगाल फाइल्स' से विकिपीडिया को क्यों लगी हैं मिर्ची?

ऑनलाइन सूचनाएं देने वाला विकिपीडिया भारत में गलत सूचनाएं फैलाने की आपराधिक गतिविधियों में मुब्तिला है। विकिपीडिया की लगातार ऐसी कई हरकतें पकड़ में आ चुकी हैं, लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। अभी विकिपीडिया बंगाल के ऐतिहासिक हिंदू विरोधी दंगे को लेकर बनी फिल्म द बंगाल फाइल्स को लेकर गलतबयानियां कर रहा है और फिल्म के खिलाफ आग उगल रहा है। आम लोगों को यह समझ नहीं आ रहा है कि द बंगाल फाइल्स को लेकर विकिपीडिया को मिर्ची क्यों लगी हुई है?

करोड़ों लोग आज भी यह गलतफहमी पालते हैं कि विकिपीडिया भरोसेमंद सूचना का स्रोत है। लेकिन विकिपीडिया की असलियत कुछ और ही है। फिलहाल, द बंगाल फाइल्स को

शुभ-लाभ सरोकार

लेकर विकिपीडिया जो आग उगल रहा है, उसे लेकर हम बात करते हैं। आप सब जानते हैं कि 1946 के डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखाली दंगों में हिंदुओं के खिलाफ हुए नरसंहार की भयावहता को सामने लाने वाली फिल्म द बंगाल फाइल्स पूरे देश में चर्चा में है। लेकिन फिल्म की प्रशंसा से बौखलाया विकिपीडिया अपने मंच से अनापशनाप बातें प्रसारित कर रहा है। फिल्म के रिलीज के सिर्फ तीन दिन के भीतर ही विकिपीडिया ने इस फिल्म को राजनीतिक प्रोपेगेंडा बता दिया।

विकिपीडिया के शुरुआती पैराग्राफ (आर्काइव) में दावा किया गया है कि द बंगाल फाइल्स एक प्रोपेगेंडा फिल्म है और यह गलत तरीके से कहती है कि डायरेक्ट एक्शन डे और नोआखाली दंगों से जुड़े इतिहास के अध्यायों ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,12,740/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,27,410/- (प्रति किलोग्राम)

क्षमा से बड़ा कोई व्रत नहीं और क्रोध से बड़ा कोई शत्रु नहीं: त्रिशला कोठारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री मातृछाया जैन महिला संगठन द्वारा वीवी पुरम स्थित अरिहंत कॉलेज के सभागार में क्षमापना एवं तप अनुमोदना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार महामंत्र से हुआ। दीप प्रज्वलन प्रेमा गांधी, ललिता नागोरी, रेशमा बड़ोला, निर्मला दांतेवाड़िया, पुष्पा सोनी-गरा, पिंकी दांतेवाड़िया, कांता समदड़िया, त्रिशला कोठारी एवं रतनीबाई मेहता द्वारा किया गया। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने कहा कि क्षमापना केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मा की निर्मलता का उत्सव है। क्षमा माँगना और क्षमा देना दोनों ही आत्मा को शांति और सच्चे सुख की ओर अग्रसर करते हैं। पूर्व अध्यक्ष निर्मला दांतेवाडिया ने कहा कि तपस्या आत्मशुद्धि का महामार्ग है। तप से आत्मबल बढ़ता है और आत्मा शुद्धि की ओर अग्रसर होती है। कार्यक्रम में मिच्छामि दुक्कडम विषय पर भावनात्मक नाटिका प्रस्तुत की गई। जिसमें क्षमा ही आत्मिक सुख प्रदान करती है दर्शाया गया।

इस अवसर पर मासखमण के 22 तपस्वियों, चतारि अट्ठ दस दोय तप के 9 तपस्वियों तथा निगोद निवारण तप के 5 तपस्वियों का पाद प्रक्षालन कर तिलक, शॉल, माला एवं श्रीफल द्वारा अभिनंदन किया गया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि क्षमापना आत्मा का शृंगार है। क्षमा से बड़ा कोई व्रत नहीं और क्रोध से बड़ा कोई शत्रु नहीं। जो क्षमा करता है, वह स्वयं भी मुक्त होता है और दूसरों को भी मुक्ति का मार्ग दिखाता है। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने कहा कि जब हम 'मिच्छामि दुक्कडम' कहते हैं, तब हम अहंकार को त्यागकर आत्मा को हल्का करते हैं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए नीलम ललवानी ने कहा कि तपस्या आत्मा की ऊर्जा को जागृत करने का माध्यम है। तप से आत्मा की जड़ता दूर होती है और आत्मिक प्रकाश की अनुभूति होती है। सचिव रेशमा बड़ोला ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर त्रिशला दांतेवाडिया, मीना सोनीगरा, पुष्पा नागोरी, रतनीबाई मेहता, पुष्पा सोनीगरा, हेमा बंदा, मनीषा जैन, मीना सोलंकी, शोभा भंडारी, कंचन भंसाली, लीला भंसाली, ऊषा, ईशा, रीठा, पिंकी बंदा, मधु तातेड़, कांता मैया, सारिका लुंकड़, विजया भंसाली, गीता, सुनिता, काजल जैन, मोनिका, कंचन आर, पवन मुथा, पवन राठौड और राधा बोहरा आदि उपस्थित थे।

प्रथम एटीडीसी बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नवगठित टीम की प्रथम बैठक की शुरुआत एटीडीसी प्रागण में नमस्कार महामंत्र से हुई। अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया।

एटीडीसी के प्रभारी शांतिनाथ गांधी ने अपने विचार रखे। सह प्रभारी गौतम खाब्या ने वर्तमान में चल रही गतिविधियों से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में एटीडीसी में रक्त, ईसीजी व आधुनिक एक्सरे मशीन परीक्षण उपलब्ध है। अतिरिक्त प्रभारी राजीव हीरावत ने कहा कि एटीडीसी को नई ऊंचाई तक कैसे ले जाने हेतु टीम को 5 खंडों में विभाजित कर अपने क्षेत्र के विशेष कार्यो पर केंद्रित होकर काम करना होगा। जिससे मानव सेवा के अतर्गत तेयुप संचालित इस स्थाई आयाम एटीडीसी का लक्ष्य पूर्ण हो सकता है। पूरी टीम ने खुले मंच पर अपने विचार रखे और जल्द ही अमल हो ऐसी आशा व्यक्त की। इस अवसर पर उपाध्यक्ष प्रथम महावीर कटारिया, मंत्री देवेन्द्र आंचलिया, सह मंत्री प्रथम गौतम चावत, सह मंत्री द्वितीय रक्षित लोढ़ा, कोषाध्यक्ष विजय कटारिया, सलाहकार महावीर बोल्या, पवन बोथरा, धर्मेश कोठारी, महावीर चावत, कार्यसमिति सदस्य अंकुश बैद, रोहित देरासरिया, संदीप चौधरी, नवरत्न बोल्या, सज्जन कटारिया, प्रमोद श्रीश्रीमाल, तेजमल गन्ना, आशीष धारीवाल की उपस्थिति रही। सफल संचालन एडीटीसी सह संयोजक राहुल मेहता ने किया।

उत्तर प्रदेश सेवा मंडल ने गांधी वृद्धाश्रम में किया अन्नदान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उत्तर प्रदेश सेवा मण्डल की ओर से पितृपक्ष प्रारंभ होने के उपलक्ष्य में रविवार को मागड़ी रोड स्थित गांधी वृद्धाश्रम (ओल्ड एज होम) में अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंडल के अध्यक्ष कृष्णकान्त दूबे ने बताया कि सेवा मंडल के सदस्यों ने दिन भर वृद्धाश्रम वासियों के साथ समय बिताया और उनकी सेवा-सुश्रुषा की। इस दौरान मंडल के उपाध्यक्ष एवं भजन गायक प्रवीण मिश्रा ने एक से बढ़कर सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों का मनोरंजन भी किया। उन्होंने अपने भजनों और फिल्मी तरानों से ऐसा समां बांधा कि आश्रम में रहने वाले बुर्जुग भावविभोर हो झूमने लगे। उत्तर प्रदेश सेवा मंडल की ओर से गांधी वृद्धाश्रम को इक्कीस हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। गांधी वृद्धाश्रम की ओर से संचालक उग्रय्या द्वारा सेवा मंडल के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मंडल के पूर्व अध्यक्ष नरेन्द्र गर्ग, एन.के. गुप्ता, राकेश गोयल, सूरज गोयल, प्रमोद कुमार गुप्ता, जीतेन्द्र गुप्ता, अशोक शर्मा, व्यवस्थापक छोटेलाल चौरसिया सहित अन्य पदाधिकारी, सदस्यगण एवं महिलाएं भी उप-स्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा ने किया तथा अंत में सचिव वी.के. पटेल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पैसा और प्रेम इन दोनों में से यदि एक को छोड़ना पड़े तो पैसा छोड़ना: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने धर्मात्मा जीव का महत्व समझाते हुए कहा कि धर्मात्मा जीव तीन प्रकार के होते हैं। पर्वत जैसे जो न हिलते हैं, न हटते हैं।

वृक्ष जैसे जो हिल जाते हैं, पर हटते नहीं और तिनके जैसे जो हिल भी जाते हैं और हट भी जाते हैं। हमारा क्रम यदि पहले में आए तो उत्तम है।

लेकिन तिसरे में तो आना ही नहीं चाहिए। धर्मकार्य में चैतन्यशील (सक्रिय) बनो, सुस्त मत बनो। यदि कोई अजैन मित्र विवाह आदि अवसर पर जैन फूड का काउंटर रखे तो जैनों को वहीं भोजन करना चाहिए। आजकल जैन यात्रियों को अपनी टुर, होटल, एयरलाइंस में आकर्षित करने के लिए भी जैन फूड की व्यवस्था की जाती है। आज भी अति श्रीमंत उद्योगपति और ज्वेलर्स वाले जैन उपवास आयंबिल एकासणा में निरंतर आगे बढ़ते रहते हैं। तप दो प्रकार के होते हैं नैमित्तिक तप, जैसे किसी पर्व पर किया गया विशेष तप मासक्षमण, सिद्धितप, अट्ठाई आदि और और नित्य तप जैसे प्रातः नवकारशी का पच्चखान और रात्रिभोजन का त्याग, नैमित्तिक तप की अपेक्षा नित्य तप का महत्व अधिक है। संसार के सुखों में तीन कलंक हैं वे स्वाधीन नहीं, पराधीन है। वे शाश्वत नहीं नश्वर है। दुःख मिश्रित है। गाड़ी, बंगला, फार्महाउस, गहने, संपत्ति आदि सब अस्थायी है। स्थायी नहीं है। वस्तु रहेगी तो व्यक्ति चला जाएगा और व्यक्ति रहेगा तो वस्तु चली जाएगी। इस धरती पर हम निवासी नहीं, केवल प्रवासी है। 80-90 साल की जीवनयात्रा के बाद सत्ता, संपत्ति, स्वजन और शरीर सबको छोड़कर महायात्रा पर जाना ही है। साध्वी शीतल गुणा ने कहा कि पैसा और प्रेम इन दोनों में से यदि एक को छोड़ना पड़े तो पैसा छोड़ना, प्रेम नहीं, पैसा परलोक में नहीं आएगा, लेकिन प्रेम परलोक तक भी साथ आता है। अंबालाल शाह ने बताया कि साध्वीवृंद मंगलवार को सुबह बाम्बे स्टेशनरी, मनुबाई मोहनलाल सोलंकी, मोहिनीबाई खंगारमल जैन, भावेश सुरेश कुमार संघवी के यहा पगलिया करने पधारेंगे।

धर्म ध्यान ही कलयुग में कल्याण का माध्यम: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि महा-पुरुषों की कथा सुनने और कीर्तन करने से इस युग में मनुष्य का कल्याण संभव है। महापुरुषों के जीवन चरित्र को सुनने से जीवन अच्छे मार्ग पर पहुंच जाता है। कथा और कीर्तन सुनने से भी मानव भव का कल्याण संभव है। साधु संत महापुरुषों की वाणी को मानव तक पहुंचाने का काम करते है। उसको सुनने के लिए जरूर समय निकलना चाहिए। धर्म ध्यान करने में अगर देर करोगे तो इस कलयुग से पार नहीं हो पाओगे। वर्तमान में मनुष्य मशीन पर आधारित है। हर काम मशीन ही करता है। शरीर को तपाने का कोई कार्य नहीं कर रहा है। मां बाप सात सात बच्चों को पाल देते हैं। लेकिन वही बच्चे मां बाप को नहीं खिला पाते है। उनको दर दर भटकने के लिए भी छोड़ दिया जाता है। यही कलयुग है। कलयुग में मनुष्य हर काम गलत ही कर रहा है।

लोग रिश्वत लेते हैं लेकिन फिर भी उनका पेट नहीं भरता है। लालच बहुत बुरी होती है। लोग हाय हाय करते रहते हैं। लेकिन वह खुशी नहीं देती है। न्याय का धन सुकून देता हैं लेकिन अन्याय का धन बीमारी और लड़ाई लाता है। मेहनत की कमाई हमेशा बढ़ती है। अन्याय की कमाई को घर में नहीं रखना चाहिए। न्याय से कमाने वाले का हर जगह सम्मान होता है। ऐसे लोग हमेशा खुश रहते हैं। लेकिन अन्याय से कमाने वाला भले ज्यादा कमा रहा हो लेकिन सुखी नहीं रह सकता है। गुरुदेव ने फरमाया कि आगम और शास्त्र कहता है कि ईमान से कमाओ सुकून से रहो। थोड़े से पैसे के लिए ईमान नहीं बेचना चाहिए। गलत मार्ग से कितना भी कमा लो सब गलत मार्ग पर ही चला जाएगा। इसलिए ऐसा करके पाप की गठरी नहीं बांधनी चाहिए। कम कमाओ लेकिन सही मार्ग से ही कमाओ। सही मार्ग का पैसा शांति देता है। शांति मिली तो सब कुछ मिल जाएगा। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

दान में स्वार्थ बुद्धि नहीं होनी चाहिए: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि हम स्वयं से कभी और रोज चर्चा करें कि क्या हमे धर्म पर श्रद्धा है और यदि है तो क्या हमारा आचरण धर्म के अनुरूप है।

हमे धर्म करने योग्य सभी अनुकूलताएं प्राप्त हो गई है। किंतु स्वयं को नियम बद्ध करते वक्त प्रमादी और बहाने बाज हो जाते हैं। जरूरी नहीं है कि हम तप थोक में ही करें। तप का अभ्यास करते करते हम तप अनुरागी बन सकते हैं। आचार्य जयमल जी ने ब्रह्मचर्य तप के महत्व को समझ कर आत्मसात कर लिया था और आजीवन ब्रह्मचारी हो गए थे। ऐसे तपस्वियों को देवता भी नमन करते हैं।

अपने प्रवचन में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि सुपात्र दान की महिमा अपार है। दान में स्वार्थ बुद्धि नहीं होनी चाहिए। मात्र कर्म निर्जरा और साता पहुंचाने की भावना होनी चाहिए। साधु सर्व श्रेष्ठ पात्र होते हैं। हम हमारे भोजन का ऐसा संविभाग करें कि भोजन हम भी करें, अतिथि भी करें, साधु भी करें और पशु के लिए भी हम कुछ हिस्सा रखें। रात्रि भोजन करेंगे तो साधु के भोजन की भावना नहीं भा सकेंगे। इसलिए सद्गृहस्थ रात्रि भोजन करें। साधु को भोजन बहराने से समकीत गुण की प्राप्ति होती है। बस भावों की धारा उच्च और उन्नत होनी चाहिए। प्रवचन सभा में के जी एफ, मैसूरु आदि स्थानों से श्रावक श्राविका उप-स्थित थे। अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन किया। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बीएमएस महिला महाविद्यालय बसवनगुड़ी में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, महाविद्यालय की प्रमुख गीता एम, प्राचार्य रघु कुमार एवं अन्य शिक्षकों ने डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा ''विद्यार्थियों के लिए शिक्षक उनके आदर्श होते हैं।

शिक्षक का व्यक्तित्व श्वेत वस्त्र की तरह बेदाग एवं निर्मल जल की तरफ पवित्र होना चाहिए। एक अच्छा शिक्षक वह होता है जो जीवन पर्यंत स्वयं को विद्यार्थी समझता है एवं समर्पित होकर ज्ञान की खोज में रहता है। प्राचार्य रघु कुमार ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से कहा अगर आप गुरु को कुछ उपहार देना चाहते हो तो समर्पित होकर अध्ययन करें। यही गुरु के लिए सबसे बड़ा उपहार है। छात्राओं ने मनभावन सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। उत्तम सेवा देने वाले शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय प्रबंधन ने मुणोत को सम्मानित किया।

जैन विद्या परीक्षा का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राजराजेश्वरी नगर, बेंगलूरु के तेरापंथ भवन में साध्वी श्री पुण्ययशा जी के पावन सान्निध्य में जैन विद्या परीक्षा का सफल आयोजन किया गया।

परीक्षा का शुभारंभ साध्वीश्री के मंगलपाठ एवं नवकार मंत्र से हुआ। इस अवसर पर स्थानीय सभा एवं ट्रस्ट अध्यक्ष राकेश छाजेड़, उपाध्यक्ष राजेश छाजेड़, तेयुप अध्यक्ष विक्रम मेहर, मनोज डागा, साउथ कर्नाटक प्रभारी कंचन छाजेड़, तेममं की अध्यक्ष मंजु बोथरा, बुधमल बैंगानी उप-स्थित थे। सभी की उपस्थिति में प्रश्न पत्र खोले गए। केंद्र व्यवस्थापिका सीमा छाजेड़ के साथ सह केंद्र व्यवस्थापिका संगीता डागा, शारदा बैद, सीमा दक, आशा लोढ़ा, दीपिका देरासरिया की उपस्थिति रही। ज्ञानशाला संयोजिका नीतू बाफना, पूर्वी सुराणा का सहयोग रहा।

केन्द्र निरीक्षक का दायित्व साऊथ कर्नाटक प्रभारी कंचन छाजेड़, आंचलिक संयोजिका पिंकी टेबा ने निभाई। जैन विद्या के भाग 1 से लेकर 9 तक की परीक्षा में लगभग 65 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा का आयोजन पूर्ण अनुशासन, श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

नम्मा मेट्रो की बेंगलूरु ब्लू लाइन दिसंबर 2027 तक होगी पूरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

नम्मा मेट्रो की बहुप्रतीक्षित ब्लू लाइन, जिसे आधिकारिक तौर पर ओआरआर-एयरपोर्ट मेट्रो लाइन के नाम से जाना जाता है, लगातार प्रगति कर रही है और अब दिसंबर 2027 तक पूरी होने की उम्मीद है। यह लाइन दो प्रमुख खंडों में विभाजित है चरण 2ए, जो सेंट्रल सिल्क बोर्ड से कृष्णराजपुरा (के.आर. पुरा) तक है, और चरण 2बी, जो के.आर. पुरा से केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) तक फैला है। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के अनुसार, पूरा होने के बाद, ब्लू लाइन 58.19 किलोमीटर का एक निर्बाध कॉरिडोर बनाएगी जो दक्षिण में सिल्क बोर्ड जंक्शन को के.आर. पुरा होते हुए उत्तर में हवाई अड्डे से जोड़ेगा। कुल खंड में से, 19.75 किलोमीटर चरण 2ए के अंतर्गत आता है, जबकि 38.44 किलोमीटर का हवाई अड्डा लिंक चरण 2बी का निर्माण करता है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि 30 जून, 2025 तक कुल भौतिक प्रगति 52.5 प्रतिशत थी।

बीएमआरसीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एचबीआर लेआउट में हुई एक दुर्घटना के बाद 2023 में नौ महीने के निलंबन के बाद के.आर. पुरा-एयरपोर्ट खंड पर निर्माण कार्य अब गति पकड़ चुका है।

अधिकारी ने कहा एयरपोर्ट परिसर में बन रहे दो मेट्रो स्टेशन भी अच्छी तरह से प्रगति कर रहे हैं। बेंगलूरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (बीआईएएल) इन स्टेशनों को अपनी डिजाइन योजना के अनुसार विकसित कर रहा है। एयरपोर्ट सिटी स्टेशन भूतल पर बनाया जाएगा, जबकि एयरपोर्ट टर्मिनल स्टेशन एक अर्ध-भूमिगत सुविधा होगी, जो सतह से सात से आठ मीटर नीचे स्थित होगी। ब्लू लाइन पर विशेष रूप से हवाई यात्रियों के लिए समर्पित सामान रखने की रैक और उन्नत सुरक्षा तंत्र से लैस चालक रहित ट्रेनें भी शुरू की जाएँगी। इस परियोजना की शुरुआत लगभग एक दशक पहले हुई थी। केंद्रीय रेशम बोर्ड-के.आर. पुरा खंड के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बीएमआरसीएल द्वारा तैयार की गई और अक्टूबर 2016 में राज्य सरकार को सौंपी गई। इस चरण 2ए प्रस्ताव को मार्च 2017 में कैबिनेट की मंजूरी मिली। इसी प्रकार, एयरपोर्ट लाइन के लिए डीपीआर को सितंबर 2017 में अंतिम रूप दिया गया और जनवरी 2019 में सरकारी मंजूरी मिल गई। चरण 2ए और 2बी की संयुक्त परियोजना लागत 14,788 करोड़ आंकी गई है। हाल ही में, बीएमआरसीएल के नवनियुक्त प्रबंध निदेशक जे. रविशंकर ने केआईए और हेब्बल के बीच हवाई अड्डे के खंड पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उनकी समीक्षा में शेट्टीगेरे में पुल निर्माण, स्टेशन विकास और डिपो कार्य शामिल थे। उन्होंने भारतीय वायु सेना परिसर के पास रेलवे क्रॉसिंग और कट-एंड-कवर संरचनाओं जैसे महत्वपूर्ण उच्च-प्राथमिकता वाले बिंदुओं का भी आकलन किया। एक अधिकारी ने कहा निरीक्षण के दौरान, रविशंकर ने इंजीनियरों और ठेकेदारों को समय सीमा का सख्ती से पालन करने और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक बुनियादी ढाँचे का निर्माण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मद्दुर कस्बे में बंदोबस्त के लिए पुलिस के साथ आरएएफ की दो कंपनियाँ तैनात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मांड्या जिले के एसपी मल्लिकार्जुन बालादंडी ने बताया कि मद्दुर कस्बे में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान हुई घटना के सिलसिले में कस्बे में बंदोबस्त के लिए स्थानीय पुलिस के साथ आरएएफ की दो कंपनियाँ तैनात की गई हैं। उन्होंने बताया कि ये कंपनियाँ सोमवार को मद्दुर पहुँचीं और परेड का आयोजन किया गया। मंगलवार शाम को भी परेड का आयोजन किया गया। मद्दुर कस्बे में बंद लगभग शांतिपूर्ण रहा। हमने पुलिस का कड़ा बंदोबस्त किया है। घटना के संबंध में दो मामले पहले ही दर्ज किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि जाँच जारी है। उन्होंने बताया कि घटना में पाँच-छह लोग घायल हुए हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इससे पहले गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान रविवार रात को पथराव की घटना के बाद मद्दुर कस्बे में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पथराव में घायल हुए कम से कम आठ लोगों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। मांड्या जिले के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि पुलिस ने कुल 21 लोगों को हिरासत में लिया है। उन्होंने बताया कि उपद्रव में कथित तौर पर शामिल लगभग पाँच-छह और लोगों की पहचान कर ली गई है और उन्हें भी गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस (केएसआरपी) की छह प्लाटून सहित अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को कस्बे में तैनात किया गया है और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया है। निषेधाज्ञा मंगलवार की सुबह तक लागू रहेगी और स्थिति की समीक्षा के बाद प्रतिबंध बढ़ाने पर निर्णय लिया जाएगा। पुलिस के अनुसार, उपद्रव तब शुरू हुआ जब मद्दुर कस्बे के सिद्धार्थ नगर से निकाली गई गणेश प्रतिमा का जुलूस राम रहीम नगर से गुजर रहा था। जब जुलूस इलाके की एक मस्जिद से गुजरा, तो कथित तौर पर जुलूस में नाच रहे लोगों पर पथराव किया गया, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई हुई। जल्द ही, इलाके में तनावपूर्ण माहौल बन गया। हालाँकि, जुलूस के साथ मौजूद पुलिसकर्मियों ने दो समुदायों के सदस्यों के बीच टकराव को रोका और उन्हें तितर-बितर कर दिया। हालांकि, प्रतिमा विसर्जन के बाद, न्याय की मांग करते हुए कई समूह कस्बे में इकट्ठा होने लगे। बालादंडी ने कहा कि पुलिस ने घटना से संबंधित मामले दर्ज कर लिए हैं। उन्होंने बताया कि एक मामला पुलिस ने दर्ज कराया है, जबकि दूसरा पथराव के शिकार व्यक्ति ने दर्ज कराया है।

पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को जेल में लाइब्रेरी क्लर्क की जिम्मेदारी सौंपी गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हासन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना, जो एक घरेलू सहायिका के साथ बलात्कार के आरोप में परप्पना अग्रहारा जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं, को जेल के पुस्तकालय में क्लर्क का काम सौंपा गया है। जेल अधिकारियों के अनुसार, प्रज्वल को विचाराधीन और दोषियों को किताबें बाँटने का काम सौंपा गया है, और यह रिकॉर्ड रखना है कि किस कैदी ने कौन सी किताब उधार ली है।

एक वरिष्ठ जेल अधिकारी ने बताया अगर वह अपना काम पूरा कर लेते हैं, तो उन्हें प्रतिदिन 522 रुपये दिए जाएँगे।

जेल के नियमों के अनुसार, आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदियों को उनके कौशल और रुचि के आधार पर काम सौंपा

जाता है। इंजीनियरिंग स्नातक प्रज्वल ने प्रशासनिक कार्यों में रुचि दिखाई थी। हालाँकि, सूत्रों ने बताया कि जेल प्रशासन ने उन्हें पुस्तकालय में तैनात करने का फैसला किया। उन्होंने एक दिन की ड्यूटी पूरी कर ली है। कैदियों को महीने में कम से कम 12 दिन, आमतौर पर सप्ताह में तीन दिन, काम करना होता है। वेतन केवल काम किए गए दिनों के लिए दिया जाता है, और उन दिनों कोई भुगतान नहीं किया जाता है जब कैदियों को अदालती सुनवाई में शामिल होना होता है या वकीलों से मिलना होता है। होलेनरसीपुर के विधायक एच डी रेवन्ना के बेटे प्रज्वल को जनप्रतिनिधियों के लिए विशेष अदालत ने 2 अगस्त को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

कर्नाटक में 1 अप्रैल से अब तक बारिश से जुड़ी घटनाओं में 111 लोगों की मौत: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को घोषणा की कि 1 अप्रैल से अब तक कर्नाटक में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 111 लोगों की जान जा चुकी है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और जिला कलेक्टरों के साथ एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद सिद्धरामैया ने संवाददाताओं को बताया इस साल 1 अप्रैल से 7 सितंबर के बीच, विभिन्न बारिश से जुड़ी घटनाओं में 111 लोगों की जान चली गई है। मृतकों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है, जो कुल मिलाकर 5.5 करोड़ रुपये की राहत राशि है। मुख्यमंत्री ने बताया कि मानसून ने राज्य भर में 651 घरों को पूरी तरह से और 9,087 घरों को आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया है। 649 पूर्ण क्षति के

मामलों और 8,608 आंशिक क्षति के मामलों में मुआवजा वितरित किया गया है, जिससे कुल 24.3 करोड़ रुपये की राहत राशि का भुगतान हुआ है। पशुधन का भी भारी नुकसान हुआ है, 766 पशुओं की मौत की खबर है, जिसके लिए सरकार ने 1.52 करोड़ रुपये का मुआवजा जारी किया है। कृषि के मोर्चे पर, 5.2 लाख हेक्टेयर से ज्यादा कृषि भूमि को नुकसान हुआ है। इसमें 4.8 लाख हेक्टेयर कृषि फसलें और 40,407 हेक्टेयर बागवानी फसलें शामिल हैं। सिद्धरामैया ने जोर देकर कहा कि प्रभावित परिवारों को सरकारी योजनाओं के तहत स्थायी आवास उपलब्ध कराए जाने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को पहले फसल चक्र के लिए पानी छोड़े जाने से पहले तुंगभद्रा बांध की सभी जरूरी मरम्मत पूरी करने का भी निर्देश दिया। कृष्णा नदी बेसिन के अधिकारियों के साथ समीक्षा के दौरान, यह खुलासा हुआ कि तुंगभद्रा बांध के 32 शिखर द्वारों को बदलने के लिए निविदाएँ पहले ही जारी की जा चुकी हैं। इनमें से आठ द्वार स्थापना के लिए तैयार हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार के अधीन तुंगभद्रा बोर्ड, बांध के रखरखाव और बुनियादी ढाँचे के विकास की प्राथमिक जिम्मेदारी रखता है। मुख्यमंत्री ने कहा पहली फसल के लिए पानी छोड़े जाने से पहले जरूरी मरम्मत कार्य पूरे कर लिए जाने चाहिए। मौजूदा भंडारण स्तर को देखते हुए, हम केवल पहली फसल के लिए ही पानी छोड़ सकते हैं, दूसरी फसल के लिए नहीं। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार, 1 जून से सितंबर की शुरुआत तक, कर्नाटक में मौसमी औसत से 4 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई, जो सामान्य 721 मिमी की तुलना में 753 मिमी दर्ज की गई। पिछले साल, राज्य में 23 प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई थी। इस साल चामराजनगर जिले में 24 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई, जबकि विजयपुरा, गदग, बागलकोट, दावणगेरे, तुमकुरु और बेलगावी सहित कई जिलों में सामान्य से 20 प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। राज्य भर के प्रमुख जलाशयों में वर्तमान में 840.52 टीएमसी पानी है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 856.17 टीएमसी स्तर से थोड़ा कम है, तथा 895.62 टीएमसी की पूर्ण क्षमता से भी कम है।

मद्दुर कस्बे में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस मामला

अचानक हुई शांति भंग के पीछे रामनगर जिले के चन्नपटना निवासी इरफान का हाथ?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यह खुलासा हुआ है कि मांड्या जिले के मद्दुर कस्बे में गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान अचानक हुई शांति भंग के पीछे रामनगर जिले के चन्नपटना निवासी इरफान का हाथ था, जहाँ सभी धर्मों के लोग भाईचारे की तरह शांतिपूर्वक रहते थे। इसके अलावा, इस मामले का मास्टरमाइंड बताया जा रहा जफर फरार हो गया है। पुलिस इन दोनों की तलाश कर रही है। दंगों का सरगना, रामनगर जिले के चन्नपटना निवासी इरफान, कई सालों से मद्दुर में रह रहा है। एक राष्ट्रीय समाचार चैनल ने खुलासा किया है कि उसने अपने दोस्त जफर को मस्जिद के सामने गणेश प्रतिमा जुलूस पर पत्थर फेंकने के लिए उकसाया था, क्योंकि वह इसे बर्दाश्त नहीं कर पाया था। रविवार को मद्दुर कस्बे में गणेश विसर्जन की सूचना मिलने पर दोनों ने सांप्रदायिक दंगे भड़काने

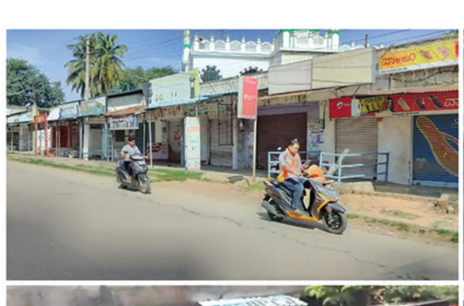

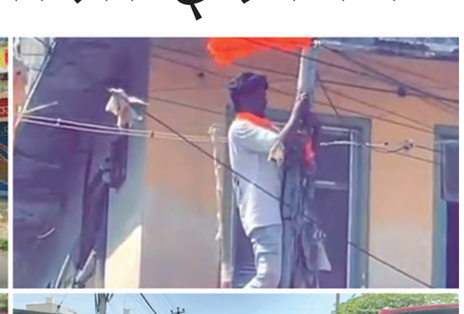

की सुनियोजित साजिश रची थी। इसलिए, उन्होंने एक धार्मिक केंद्र के पास पहले से ही बड़े-बड़े पत्थर इकट्ठा कर लिए थे ताकि विनायक जुलूस के गुजरने पर पत्थर फेंक सकें।

जाहिर है, यह एक पूर्व नियोजित कृत्य था और गणेश जुलूस से असहमत पाँच-छह मुस्लिम युवकों के एक समूह ने इस कृत्य को अंजाम दिया। इस घटना के सिलसिले में 22 लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

यह समूह, जो रोजाना गणेश जुलूस को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था, ने सोचा कि जुलूस के दौरान कुछ करना जरूरी है, और जैसे ही गणेश प्रतिमा मस्जिद के सामने से गुजरी, बिजली कनेक्शन काट दिया और जुलूस पर पथराव कर दिया। पथराव से पहले गणेश जुलूस 50 मीटर आगे निकल गया। मस्जिद के किनारे और पीछे से पत्थर पहले डीजे और जहाँ हिंदू युवक नाच रहे थे, वहाँ गिरे। जब मुस्लिम युवकों द्वारा फेंके गए पत्थर उस ट्रैक्टर पर लगे जिस पर गणेश प्रतिमा रखी थी, तो हिंदू युवक भड़क गए। ऐसा लगता है कि हिंदू युवकों ने भी जवाबी पथराव किया। उन्होंने यह सोचकर जवाबी कार्रवाई की कि मुसलमानों ने मस्जिद से उन पर पथराव किया है। कुछ देर तक दोनों समुदायों के युवकों के बीच झड़प होती रही। जैसे ही हंगामा बढ़ा, इरफान और उसके गिरोह के सदस्य भाग गए। अपराध प्रकाश में आते ही पुलिस ने इरफान समेत 22 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस इस बात की जाँच कर रही है कि क्या पथराव के पीछे किसी संगठन का हाथ था, क्या आरोपियों की पहचान उन संगठनों से है? क्या गिरफ्तार लोगों का कोई आपराधिक इतिहास है? इस संबंध में, पुलिस ने राम रहीम नगर स्थित मस्जिद के आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जाँच शुरू कर दी है। अगर सबूत मिलते हैं, तो पुलिस न्यायिक हिरासत में बंद आरोपियों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ करेगी।

मैं जी नहीं सकता, कृपया मुझे जहर दे दीजिए: दर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुझे जेल में रोशनी नहीं दिख रही है। मेरे हाथ फफूंद से भरे हुए हैं।

मैं कुछ भी माँगता हूँ, अधिकारी मुझे कुछ नहीं दे रहे हैं। कृपया मुझे जहर दे दो और मुझे अकेला छोड़ दो। यह अजीबोगरीब माँग फिल्म अभिनेता दर्शन ने की है, जो चित्रदुर्ग निवासी रेणुकास्वामी की हत्या के मामले में परप्पना अग्रहारा जेल में बंद हैं। दर्शन और अन्य आरोपी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बेंगलूरु की 57वीं अतिरिक्त सीसीएच अदालत में पेश हुए। दर्शन के वकील ने अदालत से उन्हें बिस्तर, तकिया, पीने का पानी, खाना और नाश्ता मुहैया कराने का अनुरोध किया था। इस मामले के दूसरे आरोपी दर्शन, जिसने याचिका पर सुनवाई के दौरान सबसे पहले अपना हाथ उठाया था, सिसकते हुए बोले कि वह जेल में नहीं रह सकते। स्वामी, मुझे जहर पिला दो। यहीं से मँगवा

लो। मैंने एक महीने से सूरज नहीं देखा है। मेरे हाथ फफूंद से भरे हुए हैं। अदालत को आदेश देना चाहिए। मुझे ही जहर दो। किसी और को मत दो। फिर जज ने कहा कि आपके कहे अनुसार आदेश नहीं दे सकते। कानून में किसी भी अदालत को किसी आरोपी या अपराधी को जहर पीने के लिए कहने का अधिकार नहीं है। ऐसा नहीं है कि आप यहाँ से आदेश देने के लिए कह रहे हैं। जब दर्शन ने आगे बोलना चाहा, तो उन्होंने कहा आपने आवेदन में जो अनुरोध किया है, हम उसे सुनेंगे। न तो अदालत और न ही देश का कोई जज यह कह सकता है कि आपको जहर पीना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा अनुरोध नहीं किया जाना चाहिए। इस पर दर्शन ने बस इतना कहा 'ठीक है स्वामी, और जज चुप रहे। आपके द्वारा दिए गए आवेदन की सुनवाई के संबंध में आदेश दिया जाएगा। उन्होंने आपत्ति जताई कि यह सब पूछना उचित नहीं है।

ऑनलाइन धोखाधड़ी में एक ने 1.14 करोड़ रुपये गंवाए, दूसरे ने 23.96 लाख रुपये गंवाए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साइबर-सक्षम वित्तीय धोखाधड़ी के बढ़ते खतरे को उजागर करने वाले दो चौंकाने वाले मामलों में, मेंगलूरु के दो व्यक्तियों ने अलग-अलग ऑनलाइन निवेश घोटालों में कुल मिलाकर 1.38 करोड़ रुपये गंवा दिए। जहाँ एक व्यक्ति को एक फर्जी स्टॉक ट्रेडिंग व्हाट्सऐप ग्रुप में फंसाकर 1.14 करोड़ रुपये की ठगी की गई, वहीं खाड़ी देश से लौटे एक सेवानिवृत्त व्यक्ति ने एक फर्जी ट्रेडिंग विज्ञापन के झांसे में आकर 23.96 लाख रुपये गंवा दिए। पहले मामले में, मेंगलूरु के एक व्यक्ति ने कथित तौर पर फर्जी स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग ग्रुप और उच्च रिटर्न के झूठे वादों से जुड़े एक ऑनलाइन निवेश घोटाले में 1.14 करोड़ रुपये गंवा दिए। यह मामला आधिकारिक तौर पर मेंगलूरु के साइबर अपराध पुलिस

स्टेशन में दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार, पीड़ित ने अपनी बचत एक बैंक खाते में जमा कर रखी थी, जब 17 जुलाई को एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे एक स्टॉक एक्सचेंज के नाम पर बने एक व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ा। ग्रुप एडमिन, जिसकी पहचान वीरेंद्र सिंह के रूप में हुई है, ने शेयर बाजार में निवेश के माध्यम से उच्च लाभ का वादा करने वाले संदेश भेजने शुरू कर दिए। दावों से प्रभावित होकर, पीड़ित से 11 अगस्त को क्रिस्टीन नाम की एक महिला ने संपर्क किया, जिसने खुद को एक ट्रेडिंग विशेषज्ञ बताया। उसने व्हाट्सऐप के जरिए बातचीत की और बाजार की जानकारी और मार्गदर्शन दिया। 13 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान, पीड़ित ने निर्देशानुसार कई किश्तों में कुल 1,14,50,000 रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। यह धोखाधड़ी तब और बढ़ गई जब पीड़ित को बाद में बताया गया कि उसे 20 प्रतिशत अतिरिक्त कर देना होगा, अन्यथा वह अपना निवेश वापस नहीं ले पाएगा। जब तक उसे ठगे जाने का एहसास हुआ, तब तक उसके खाते से एक करोड़ से ज्यादा की रकम गायब हो चुकी थी। एक अलग लेकिन इसी तरह की साजिश से जुड़े मामले में, दुबई में पहले नौकरी करने वाले एक सेवानिवृत्त व्यक्ति एक फर्जी ऑनलाइन ट्रेडिंग विज्ञापन का शिकार हो गए और 23.96 लाख रुपये गँवा दिए। मेंगलूरु ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। सेवानिवृत्ति के बाद घर पर रह रहे शिकायतकर्ता को 27 फरवरी, 2024 को एक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का विज्ञापन मिला। स्रोत पर भरोसा करके, उन्होंने पंजीकरण कराया और 82,862 रुपये का प्रारंभिक भुगतान किया। इसके बाद के दिनों और हफ्तों में, उन्हें अतिरिक्त राशि, कुल 23,96,980 रुपये, कई बैंक खातों में स्थानांतरित करने के लिए मना लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने एक बार फिर जनता से धोखाधड़ी वाले निवेश प्रस्तावों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया है। एक अधिकारी ने कहा लोगों को असामान्य रूप से उच्च रिटर्न का वादा करने वाली योजनाओं के झांसे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि पीड़ितों पर अक्सर मनोवैज्ञानिक हेरफेर और डर के जरिए कई भुगतान करने का दबाव डाला जाता है। अधिकारियों ने सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) के माध्यम से निवेश प्लेटफॉर्म की पुष्टि करने और अज्ञात बैंक खातों में धनराशि स्थानांतरित करने से बचने की सलाह दी है।

गड्ढे में गिरने से महिला की मौत, ट्रक ने कुचला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के कुलूर में एक दुखद दुर्घटना में एक निजी अस्पताल कर्मी माधवी की उस समय मौत हो गई, जब उसका स्कूटर सड़क पर एक बड़े गड्ढे में जा गिरा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गड्ढे के कारण माधवी का स्कूटर पर से नियंत्रण खो गया, वह सड़क पर गिर गई और मछलियों से लदे एक ट्रक ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

स्थानीय निवासियों ने अधिकारियों की लापरवाही पर रोष व्यक्त किया और बताया कि मुल्की से पंपवेल तक राजमार्ग पर कई गड्ढे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी केवल तब कार्रवाई करते हैं जब कोई दुर्घटना हो जाती है और सड़क मरम्मत की बार-बार की गई अपील को नजरअंदाज कर देते हैं। निवासियों ने चेतावनी दी कि अगर तत्काल कदम नहीं उठाए गए, तो सड़कों की खतरनाक स्थिति के कारण और भी जानें जा सकती हैं।

मतदाता सूची संशोधन में आधार कार्ड को मूल दस्तावेज मानने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि मतदाता सूची संशोधन में आधार कार्ड को मूल दस्तावेज मानने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत है। तमिलनाडु हवाई अड्डे पर पहुँचने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली यूपीए सरकार द्वारा विकसित आधार कार्ड भारतीय नागरिकता पहचान के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि यह देश के प्रत्येक नागरिक के लिए मूल दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में चल रहे विशेष मतदाता सूची संशोधन में आधार कार्ड को नागरिकता दस्तावेज मानने का निर्देश दिया है। भारतीय राजनीतिक दल ने लोकतंत्र की इच्छा के अनुरूप उपराष्ट्रपति चुनाव लड़ा। सभी विपक्षी दलों ने भारतीय ब्लॉक के नेतृत्व में एकजुट होकर चुनाव लड़ा। उन्होंने कहा कि उन्होंने सभी से दृढ़ विश्वास के साथ मतदान करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वह उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस-वोटिंग की संभावना पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

चामुंडी चलो रैली विफल

भाजपा, हिंदू जागरण वेदिके समर्थकों को एहतियातन हिरासत में लिया गया

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु में हिंदू जागरण वेदिके द्वारा आहूत चामुंडी चलो रैली को विफल करने के लिए पुलिस ने कई भाजपा कार्यकर्ताओं और विहिप समर्थकों को एहतियातन हिरासत में ले लिया।

यह रैली 22 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित होने वाले दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए लेखिका बानू मुश्ताक को आमंत्रित करने के सरकार के फैसले के विरोध में आयोजित की गई थी। पुलिस ने स्थिति की संवेदनशीलता और कानून-व्यवस्था की चिंता को देखते हुए पहले ही रैली आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इसके अलावा, दशहरा से संबंधित कार्य चल रहे हैं और रैली से

तैयारियों में बाधा आ सकती है। साथ ही इस लोकप्रिय मंदिर में आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को भी असुविधा हो सकती है।

हालांकि, कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कुरुबरहल्ली सर्कल पर एकत्र हुए, जहाँ प्रतिबंध आद-ेशों का उल्लंघन करने की उनकी कोशिश को विफल करने के लिए पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी तैनात की गई थी। सुरक्षा के कई स्तर थे और पूर्व विधायक एल. नागेंद्र सहित भाजपा नेताओं ने इसकी निंदा की, जिसे उन्होंने पुलिस अत्याचार बताया। नागेंद्र ने कहा उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार पहले ही कह चुके हैं कि चामुंडी हिल्स या चामुंडेश्वरी मंदिर केवल हिंदुओं का नहीं है और इससे हमारी भावनाएँ आहत हुई हैं। इसलिए, पहाड़ियों और मंदिर पर अपना दावा जताने की कोशिश की जा रही है, फिर भी पुलिस, सरकार के दबाव में, हमें रोक रही है। कृष्णराज विधायक टी.एस. श्रीवत्स और अन्य ने पुलिस से जानना चाहा कि क्या निषेधाज्ञा लागू है। जब उन्हें बताया गया कि ऐसा कोई आदेश लागू नहीं है, तो उन्होंने अधिकारियों को चुनौती दी कि उन्हें किस आधार पर एहतियातन हिरासत में लिया जा रहा है।

कार्यकर्ताओं के एक अन्य बड़े समूह ने भी कुरुबराहल्ली सर्कल पर पुलिस घेरा तोड़ने की कोशिश की, जहाँ से चामुंडी हिल्स की ओर जाने वाली सड़क जाती है। लेकिन उन्हें भी आगे बढ़ने से रोक दिया गया और हिरासत में ले लिया गया। संयोगवश, एक अन्य समूह ने मंगलवार को चामुंडी हिल्स में सद्भावना रैली का आह्वान किया था, लेकिन उन्हें भी अनुमति नहीं दी गई।

राहुल गांधी का 2029 में प्रधानमंत्री बनना तय है: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सत्ता हस्तांतरण के संबंध में एक बयान में कहा कि दुनिया में हर कोई उम्मीद पर जीता है। उम्मीद के बिना जीवन नहीं है। हमें कांग्रेस आलाकमान के निर्देशों के अनुसार काम करना होगा। एक कार्यक्रम में बोलते हुए, डी.के. शिवकुमार ने उम्मीद जताई कि कर्नाटक में सत्ता हस्तांतरण के बाद 2028 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस फिर से सत्ता में आएगी। यह पूछे जाने पर कि क्या मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार ढाई साल पूरे होने पर आपको सत्ता सौंपेगी, उन्होंने

कहा कि हमें पार्टी आलाकमान के निर्देशों के अनुसार काम करना चाहिए। हमारा एकमात्र काम आलाकमान के फैसले का पालन करना है। हम कर्नाटक में लोगों को सुशासन देने के वादे के साथ सत्ता में आए थे। हमारी एकता के कारण ही लोगों ने बड़ा जनादेश दिया है। उन्होंने उन अफवाहों को दूर करने की कोशिश की कि सुशासन हमारा अगला लक्ष्य है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं, तो उन्होंने कहा कि दुनिया में हर कोई उम्मीद पर जीता है। बिना उम्मीद के जीवन, जीवन ही नहीं है। देश की जनता बदलाव चाहती है और आगामी 2029 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को स्पष्ट जनादेश मिलेगा और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी निश्चित रूप से प्रधानमंत्री बनेंगे।

देश को बदलाव की जरूरत है। अब लोग राहुल गांधी के नेतृत्व की ओर देख रहे हैं। उम्मीद की किरण दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। 2029 में उनका प्रधानमंत्री बनना तय है। मुझे इस बात का पूरा भरोसा है। देश बदलाव चाहता है। बिहार में राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि राहुल गांधी अगले प्रधानमंत्री होंगे, जो इस बात का प्रतीक है कि देश की जनता उनके नेतृत्व की प्रतीक्षा कर रही है। उनके नेतृत्व में चल रहे संघर्ष सफल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर काम कर रहे हैं। बांग्लादेश जैसा पड़ोसी देश हमारे प्रति कम मित्रवत होता जा रहा है। केंद्र सरकार की विदेश नीति इसका सीधा कारण है। कांग्रेस सरकार में भारत के सभी देशों के साथ अच्छे संबंध थे। अब यह दिखाई नहीं दे रहा है, उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की विदेश नीति की आलोचना की है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। 15वीं शताब्दी में जन्मी, भारत की प्रथम महिला स्वतंत्रता सेनानी विरांगनी रानी अब्बक्का की 500वीं जन्म जयंती अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बेंगलूरु सेंट्रल (एबीवीपी) द्वारा मनाई गई। रानी अब्बक्का की प्रतिमा रथ में विराजमान कर शेषाद्रीपुरम कॉलेज के मुख्य द्वार पर एबीवीपी कार्यकर्ताओं द्वारा लाई गई। शेषाद्रीपुरम कॉलेज के प्रांगण में रानी अब्बक्का के शौर्य, पराक्रम और देशभक्ति का गुणगान कर उनकी वीर गाथाओं को याद किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हिंदू इकोनॉमिक फोरम के भरत जैन, शेषाद्रीपुरम कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर आनंदप्पा, बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के सिंडीकेयर मेंबर डॉ. फ्रांसिस अलमेडा, डॉ. मंजुला, एबीवीपी के कार्यकर्ता, विद्यार्थी और अन्य लोग उपस्थित थे।

हिंदी सप्ताह का शुभारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेल पहिया कारखाना यलहंका में सोमवार को हिंदी सप्ताह का शुभारंभ किया गया। इसके उपलक्ष्य में राजभाषा प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें सभी विभागों में हिंदी में हो रहे काम को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर चन्द्र वीर रमण, महाप्रबंधक रेपका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। महाप्रबंधक ने रेपका में हिंदी में हो रहे कार्यों की सराहना की और इसे बनाए

रखने का आह्वान दिया। प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर व मुख्य राजभाषा अधिकारी आनंद स्वरूप एवं रेल पहिया कारखाना के सभी विभागाध्यक्षों ने भी समारोह में भाग लेकर कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाया। एस.सविता, राजभाषा अधिकारी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

मैसूरु मॉल की चौथी मंजिल से गिरकर दो लोगों की मौत

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु के जयलक्ष्मीपुरम स्थित एक शॉपिंग मॉल में सोमवार शाम को एक दुखद घटना घटी, जिसमें इमारत की चौथी मंजिल से गिरकर दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतकों में मॉल में काम कर रहे 28 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन सुनील और 22 वर्षीय

चंद्रू शामिल हैं, जो इलेक्ट्रीशियन को बचाने के लिए दौड़े थे। गिरने से लगी चोटों के कारण दोनों की मौत हो गई। सुनील की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चंद्रू को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। जयलक्ष्मीपुरम पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जाँच शुरू कर दी है।

विधायक की गिरफ्तारी के बाद डोडा में तनाव

जम्मू, 09 सितंबर (ब्यूरो)।

जन सुरक्षा अधिनियम के तहत विधायक मेहराज मलिक की गिरफ्तार के बाद डोडा जिले में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षाबल तैनात कर दिए गए हैं। एहतियातन इंटरनेट भी बंद कर दिया गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गिरफ्तारी को अलोकतांत्रिक बताया है। जम्मू कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर का कहना है कि इस गिरफ्तारी से पहले उनकी अनुमति नहीं ली गई थी। विधायक की गिरफ्तारी के विरोध में पूरे प्रदेश में प्रदर्शन हो रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि डोडा के उपायुक्त ने आम आदमी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक को पीएसए के तहत गिरफ्तार करने का डोजियर तैयार किया था। कई नेताओं और पार्टियों ने गिरफ्तारी की निंदा करते हुए इसे अलोकतांत्रिक करार दिया है। नेताओं का कहना है कि एक आईएएस अफसर द्वारा किसी भी चुने हुए प्रतिनिधि को इस तरह से गिरफ्तार करना आपत्तिजनक है।

सी पी राधाकृष्णन के समृद्ध अनुभव से राष्ट्र की प्रगति में मिलेगी मदद: मुर्मू

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने श्री सी पी राधाकृष्णन को देश का नया उपराष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई देते हुए कहा है कि उनके दशकों के समृद्ध अनुभव से राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार श्री राधाकृष्णन के मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव में विजयी घोषित किए जाने के बाद श्रीमती मुर्मु ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

श्रीमती मुर्मु ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, श्री सी. पी. राधाकृष्णन को भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई। सार्वजनिक जीवन में आपके दशकों के समृद्ध अनुभव राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। मैं आपको एक सफल और प्रभावशाली कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ देती हूँ। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को हुए चुनाव में श्री राधाकृष्णन इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को हराकर उपराष्ट्रपति चुने गए हैं।

भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने काठमांडू की सभी उड़ानें रद्द की

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल में बिगड़े हालात के मद्देनजर भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने काठमांडू के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं।

टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि एयरलाइंस ने दिल्ली और काठमांडू के बीच आज की अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि एयरलाइंस स्थिति पर नजर रखे हुये है और आगे अपडेट साझा किये जायेंगे। एयर इंडिया की दिल्ली से काठमांडू के लिए आज चार उड़ानें थीं जिन्हें रद्द कर दिया गया है। वापसी की उड़ानें भी रद्द कर दी गयी हैं।

किफायती विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में बताया कि उसने काठमांडू में मौजूदा स्थिति और वहां हवाई अड्डे को बंद किये जाने के मद्देनजर काठमांडू के लिए और वहां से आने वाली अपनी सभी उड़ानें फिलहाल निलंबित कर दी हैं। उसने बताया कि घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है और एयरलाइंस जल्द से जल्द सेवा दोबारा शुरू करने के लिए अधिकारियों के संपर्क में है।

काठमांडू के लिए सेवा देने वाली तीसरी कंपनी स्पाइसजेट ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। नेपाल की राजधानी के लिए उसकी आज कोई उड़ान नहीं थी। एयरलाइंस के एक अधिकारी ने यूनीवार्ता को बताया कि बुधवार की उड़ान के बारे में अभी कोई फैसला नहीं किया गया है।

चुनाव आयोग ने बिहार के अधिकारियों को आधार कार्ड पर जारी किये नये निर्देश

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग ने बिहार के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) को मंगलवार को निर्देश दिया कि राज्य बिहार की मतदता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षा (एसआईआर) में लगे सभी अधिकारियों को आधार को भी पहचान के सबूत के रूप में स्वीकार किये जाने के उच्चतम न्यायालय के ताजा निर्देश से अवगत कराने तथा इसका सख्ती से अनुपालन कराने के निर्देश दिये हैं।

आयोग के सचिव पवन दीवान द्वारा प्रेषित पत्र में उच्चतम न्यायालय के सोमवार के निर्देशों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि राज्य के सभी जिला चुनाव अधिकारियों (डीईओ), मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) तथा अन्य संबंधित अधिकारियों को आधार कार्ड को एसआईआर के लिए पहचान के प्रमाण के रूप में स्वाकार करने के निर्देश से अवगत कराया जाये और उसका कड़ाई से अनुपालन कराया जाए।

आईएस से जुड़े मामले में पूरे भारत में एनआईए की छापेमारी, जिहाद छेड़ने की साजिश का भंडाफोड़

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को आईएसआईएस और अन्य समूहों से जुड़े एक आतंकी षड्यंत्र मामले में पाँच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में छापेमारी की। बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और जम्मू-कश्मीर सहित 21 स्थानों पर छापेमारी की गई। आतंकवाद-रोधी एजेंसी, जिसने तमिलनाडु के चेंगलपट्टू में स्थानीय पुलिस से मामले को अपने हाथ में लिया था, अखलथुर मोहम्मद अखलक मुजाहिद की गतिविधियों की जाँच कर रही है, जिस पर भारत में आतंकवादी गतिविधियों की साजिश रचने का आरोप है।

छापेमारी के दौरान, एनआईए ने मोबाइल फोन समेत कई डिजिटल उपकरण और आपत्तिजनक दस्तावेज़ ज़ब्त किए। आरोपी कथित तौर पर सोशल मीडिया के ज़रिए इन आतंकी संगठनों के संपर्क में था और पाकिस्तान व सीरिया स्थित संस्थाओं से संपर्क बनाने में मदद कर रहा था। एजेंसी ने कहा कि एनआईए की जाँच के अनुसार, आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए इन आतंकी संगठनों के संपर्क में था। अधिकारियों को संदेह है कि मुजाहिद के पाकिस्तान और सीरिया से कथित संबंधों को देखते हुए, उसके अभियानों को अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का समर्थन प्राप्त हो सकता है। एनआईए संचार को डिकोड करने और साज़िश में बाहरी संगठनों की संलिप्तता की पुष्टि करने के लिए काम कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी पर अभद्र टिप्पणी करने वाले की जमानत याचिका खारिज, कोर्ट ने मांगा आरोपी का क्रिमिनल रिकॉर्ड

दरभंगा, 09 सितंबर (ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत माता के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में फंसे कांग्रेस नेता मोहम्मद नौशाद को दरभंगा व्यवहार न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। दरभंगा के अपर सत्र न्यायाधीश सुमन कुमार दिवाकर की अदालत ने मंगलवार को उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। इसके साथ ही, अदालत ने दरभंगा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) जगुनाथ रेड्डी को मोहम्मद नौशाद का आपराधिक इतिहास प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

यह मामला तब सामने आया था जब प्रधानमंत्री मोदी की मां के खिलाफ अभद्र शब्दों का प्रयोग किया गया था, जिसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण चौधरी ने सिमरी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। यह केस सिमरी थाना कांड संख्या 243/25 के तहत दर्ज किया गया है। अपर सत्र न्यायाधीश सुमन कुमार दिवाकर की अदालत में अग्रिम जमानत याचिका संख्या 1344/25 पर सुनवाई के दौरान लोक अभियोजक अमरेंद्र नारायण झा ने जमानत का पुरजोर विरोध किया। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि नौशाद को जमानत न दी जाए, क्योंकि यह एक गंभीर अपराध है।

लोक अभियोजक के विरोध को देखते हुए, कोर्ट ने दरभंगा जिले के सभी थानों से आरोपी नौशाद का आपराधिक इतिहास प्राप्त कर न्यायालय में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। पीपी झा ने यह भी अनुरोध किया कि आरोपी की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक न लगाई जाए, जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। आरोपी की ओर से मौखिक रूप से गिरफ्तारी पर रोक लगाने की याचना की गई थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। न्यायालय ने इस आदेश की प्रति दरभंगा के एसएसपी को भेज दी है। यदि आरोपी मोहम्मद नौशाद 23 सितंबर को अगली सुनवाई की तारीख तक गिरफ्तार होने से बचे रहते हैं, तो उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर उसी दिन सुनवाई होगी।

इसी मामले के एक अन्य अप्राथमिकी अभियुक्त मोहम्मद रिजवी उर्फ राजा को 29 अगस्त से मंडल कारा में बंद किया गया है। मोहम्मद रिजवी उर्फ राजा ने मंगलवार को दरभंगा के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (उगच) की अदालत में नियमित जमानत याचिका दाखिल की है, जिसकी सुनवाई बुधवार को होगी।

थानेदार के फर्जी हस्ताक्षर से 11.53 लाख का पेट्रोल-डीजल गबन

मुजफ्फरपुर , 09 सितंबर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले से एक बड़ा फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। मनियारी थानेदार के फर्जी हस्ताक्षर कर पेट्रोल पंप से लाखों रुपये का डीजल और पेट्रोल गबन कर लिया गया। यह मामला सदर थाना क्षेत्र के दिघरा स्थित पेट्रोल पंप का है। जानकारी के मुताबिक, पेट्रोल पंप के मालिक अविनाश चंद्र ने सदर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने अपने ही पंप के एक स्टाफ अंकित कुमार उर्फ धीरज कुमार, निवासी महमदपुर आलम, मनियारी थाना, पर गबन का आरोप लगाया है। आरोप है कि अंकित ने मनियारी थानेदार के फर्जी हस्ताक्षर कर कूपन जारी किया और उसके आधार पर 11 लाख 53 हजार रुपये का इंधन गबन कर लिया।

अविनाश चंद्र ने बताया कि सितंबर 2024 से अगस्त 2025 तक मनियारी थाना के वाहनों में उनके पंप से इंधन की आपूर्ति की गई थी। कुल बकाया 26 लाख 59 हजार 649 रुपये में से थाने की ओर से 14 लाख 72 हजार 640 रुपये चेक और 33 हजार 616 रुपये नकद दिए गए थे। शेष 11.53 लाख रुपये का हिसाब जब मांगा गया तो पुलिस ने बताया कि कूपन फर्जी हैं और थानेदार का हस्ताक्षर भी जाली है।

यूपी सीमा तक पहुंची नेपालगंज में हो रहे उपद्रव की आंच

एसएसबी अलर्ट, बॉर्डर पर पुलिस ने डाला कैंप

बहराइच/लखीमपुर खीरी, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपालगंज में हो रहे प्रदर्शन की आंच यूपी के सीमाई जिले बहराइच, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत तक पहुंच गई है। एसएसबी अलर्ट मोड पर है। पुलिस अधिकारियों ने बॉर्डर पर कैंप डाल दिया है। बहराइच के रुपईडीहा-नेपाल बॉर्डर पर मंगलवार को कुछ लोगों ने उग्र प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन नेपाल में कई सोशल मीडिया एप बैन किए जाने के विरोध में किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जगह-जगह तोड़फोड़ और आगजनी की। प्रदर्शन नगर पालिका, बीपी चौक व धम्मबोझी चौक पर हुआ। इस दौरान स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी और आंसू गैस के गोले दागने पड़े।

नेपाल सीमा पर स्थित पीलीभीत और लखीमपुर खीरी में भी चौकसी बढ़ा दी गई है। एसएसबी के जवान सतर्कता से गश्त कर रहे हैं और वाहनों की चेकिंग हो रही है। पीलीभीत और लखीमपुर खीरी जिले में भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सीमा पर चौकसी बढ़ाने के साथ ही आने-जाने वाले लोगों की गहन जांच की जा रही है। पीलीभीत जिले में अफसरों के निर्देश पर माधोटांडा और हजार थाना पुलिस ने एसएसबी के साथ सीमा क्षेत्र में गश्त तेज कर दी है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा हालात को देखते हुए सुरक्षा के सभी मानकों का पालन किया जा रहा है। स्थानीय लोगों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई है। फिलहाल सीमा क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षित है।

किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह तैयार है। लखीमपुर खीरी के पलियाकला में भारत-नेपाल के गौरीफंटा बॉर्डर पर भी सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। यहां पर पुलिस व एसएसबी के जवान चेकिंग कर रहे हैं। नेपाल के धनगढ़ी शहर में चल रहे प्रदर्शन के बीच मंगलवार को बॉर्डर पर भी काफी चौकसी दिखाई दी। सुरक्षा एजेंसियां दलबल के साथ चेकिंग में लगी रही। नेपाल जाने-आने वाले लोगों की चेकिंग की जा रही है।

महागठबंधन में सीट बंटवारे पर खींचतान के बीच कांग्रेस आलाकमान ने बिहार नेताओं से की मुलाकात

पटना , 09 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, महागठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस मसले पर मंगलवार को दिल्ली में अहम बैठक की, जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, कन्हैया कुमार, सांसद पप्पू यादव समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

बैठक में राजद के साथ सीट बंटवारे और आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। इसके साथ ही राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा की समीक्षा की गई और इस यात्रा से मिले मोमेंटम को चुनावी जमीन पर कैसे भुनाया जाए, उस पर भी योजना बनी। सूत्रों के मुताबिक, सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और राजद के बीच अभी सहमति नहीं बनी है। तय समय सीमा के तहत 15 सितंबर तक महागठबंधन में सीट शेयरिंग का ऐलान होना है।

महागठबंधन में इस बार राजद, कांग्रेस और वाम दलों के अलावा मुकेश सहनी की वीआईपी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और राल-ोजपा को भी शामिल किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, इन दलों को कांग्रेस और राजद के कोटे से ही हिस्सेदारी मिलेगी।

2020 विधानसभा चुनाव में राजद ने 144, कांग्रेस ने 70 और वामपंथी दलों ने 29 सीटों पर मुकाबला किया था। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद वीआईपी, रालोजपा और झामुमो की एंट्री से समीकरण और जटिल हो गए हैं।

सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस इस बार कम सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार है, लेकिन वह वही सीटें चुनेगी जहां उसका आधार मजबूत है। पार्टी करीब 50- 55 सीटों पर समझौता कर सकती है। दूसरी ओर, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने 60 सीटों की मांग रख दी है, लेकिन राजद उन्हें 20-25 सीटों से अधिक देने के मूड में नहीं है। वहीं, भाकपा (माले) ने 40 सीटों का दावा किया है, मगर राजद उन्हें अधिकतम 20-22 सीटों तक सीमित करना चाहता है। कुल मिलाकर, महागठबंधन के भीतर सीट बंटवारे की खींचतान जारी है और सभी की निगाहें 15 सितंबर की तय समयसीमा पर टिकी हैं। उसी दिन यह साफ होगा कि कौन दल कितनी सीटों पर चुनावी मैदान में उतरेगा।

फिश फीड मिलों को बिजली बिल में मिलेगी सरकारी मदद

पटना, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार सरकार ने राज्य के मछली चारा उत्पादकों को बड़ी राहत दी है। अब फिश फीड मिल संचालकों को बिजली बिल पर वित्तीय सहायता दी जाएगी। इसके लिए पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने ङ्गफिश फीड मिल विद्युत सहायता योजना 2025-26 शुरू की है। इस योजना के तहत फिश फीड उत्पादन में खपत होने वाली बिजली पर तीन रुपये प्रति यूनिट की दर से सहायता मिलेगी। अधिकतम दो लाख रुपये प्रति माह और 24 लाख रुपये प्रति वर्ष तक की छूट दी जाएगी। यह मदद सिर्फ मासिक खपत यूनिट के आधार पर बने बिजली बिल पर मिलेगी, जिसमें फिक्स्ड चार्ज और अन्य शुल्क शामिल नहीं होंगे।

योजना से प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत स्थापित 53 फिश फीड मिलों को फायदा होगा। दो टन, आठ टन, बीस टन और सौ टन प्रतिदिन उत्पादन क्षमता वाले निजी फीड मिल संचालक इसका लाभ उठा पाएंगे। जो मिलें 31 मार्च 2025 तक शुरू हो चुकी होंगी, वे भी योजना का हिस्सा बनेंगी।

आवेदन करने वालों को फिश फीड मिल का पोस्टकार्ड साइज फोटो आवेदन पत्र के साथ लगाना होगा। इसके अलावा मोबाइल नंबर, बैंक खाता संख्या, बैंक शाखा का नाम और आईएफएससी कोड अंकित करना अनिवार्य होगा। लाभार्थियों का चयन उप मत्स्य निदेशक की अध्यक्षता वाली समिति करेगी।

जोगबनी से पटना के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस, सीमांचल से तमिलनाडु के इरोड के लिए भी ट्रेन, प्रधानमंत्री दिखाएंगे हरी झंडी

अररिया , 09 सितंबर (एजेंसियां)।

आगामी 15 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पूर्णिया आगमन है। मौके पर प्रधानमंत्री जोगबनी से पटना के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस और जोगबनी से ही तमिलनाडु के इरोड के लिए ट्रेन चलाए जाने का उद्घाटन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से करेंगे। इन दोनों ट्रेनों को लोकार्पण वर्चुअल किया जाएगा। जहां वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन फारबिसगंज से होगा। वही ईरोड जाने वाली साप्ताहिक ट्रेन का उद्घाटन जोगबनी से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से होगा। फारबिसगंज और जोगबनी स्टेशन पर भी कार्यक्रम का आयोजन रेलवे द्वारा किया जाएगा।

फारबिसगंज में वंदे भारत ट्रेन के उद्घाटन को लेकर की जाने वाली तैयारियों का जायजा लेने के लिए मंगलवार कटिहार डिवीजन के मंडल रेल परिचालन प्रबंधक शशांक शेखर एवं मंडल वाणिज्य प्रबंधक संगीता मीणा अपने पूरे लाव लश्कर के साथ फारबिसगंज स्टेशन पहुंचे। इसमें डिवीजनल सेफ्टी कमिश्नर, पुलिस निरीक्षक, मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, सहायक आरपीएफ निरीक्षक फारबिसगंज एवं स्टेशन प्रबंधक मनोज झा के अलावा कटिहार रेलवे डिविजन की रेल परामर्शदात्री समिति सदस्य बछराज राखेचा, समस्तीपुर डिवीजन रेल परामर्शदात्री समिति के सदस्य विनोद सरावगी, रेल यात्री संघ के सदस्य चंदन भगत, चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव राकेश रोशन आदि मौजूद थे।

उद्घाटन समारोह का कार्यक्रम फारबिसगंज के प्लेटफफार्म संख्या एक के दक्षिणी सिरे पर होगा। जबकि जोगबनी से ईरोड के लिए चलने वाली ट्रेन का उद्घाटन समारोह जोगबनी में किया जाएगा। इस अवसर पर मंडल परिचालन प्रबंधक में जानकारी देते हुए बताया की वंदे भारत एक्सप्रेस में कुल आठ डब्बे होंगे जबकि अपने नियमित परिचालन में यह ट्रेन जोगबनी से प्रातः 3:30 बजे खुलकर फारबिसगंज से 3:45 पर खुलने को संभावित है तथा वहां से अररिया , पूर्णिया, सहरसा, समस्तीपुर के रास्ते दानापुर तक जाएगी।जबकि जोगबनी से तमिलनाडु के ईरोड जाने वाली ट्रेन जोगबनी से अपने नियमित परिचालन में जोगबनी से रविवार को अहले सुबह 3:15 पर खुलेगी।

सांसद प्रदीप सिंह के रेल प्रतिनिधि विनोद सरावगी ने वंदे भारत ट्रेन का फारबिसगंज में भी ठहराव कराए जाने हेतु उनके प्रति आभार जताया है। क्योंकि आमतौर पर इतनी कम दूरी पर वंदे भारत ट्रेन का ठहराव नहीं होता है। वहीं डीआरयूसीसी सदस्य बछराज राखेचा का कहना है कि निकट भविष्य में जोगबनी इरोड ट्रेन भी प्रतिदिन चलेगी,जो सप्ताह में 3 दिन वाया खगड़िया एवं चार दिन वाया मालदा चलेगी।इसका विस्तृत टाइम टेबल शीघ्र ही जारी हो जाएगा।

डीओएम ने भी सदस्यों को अनौपचारिक रूप से यह जानकारी दी की आने वाले भविष्य में अररिया ठाकुरगंज रेल मार्ग से कई ट्रेन चलेगी जो फारबिसगंज होते हुए उत्तर भारत की ओर जाएगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी की आईसीएफ कोच का निर्माण बंद हो गया है।शीघ्र ही जोगबनी कटिहार रेलखंड पर चलने वाली सभी डेमु ट्रेनों को मेमू रैक से बदला जाएगा। वंदे भारत एवं इरोड एक्सप्रेस के परिचालन को लेकर अब संशय के बादल छंट गए हैं। चेंबर के सचिव राकेश रोशन तथा रेल यात्री संघ के सदस्य चंदन भगत ने वंदे भारत की इनॉग्रल स्पेशल ट्रेन को फारबिसगंज से चलाए जाने के निर्णय पर रेल अधिकारियों के प्रति आभार जताया।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का भूमि पूजन और शिलान्यास

शिक्षण संस्थान केवल बच्चों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैः योगी

बस्ती, 09 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की शिक्षा कैसी होनी चाहिए। आजादी के पांच साल के बाद जब तत्कालीन सरकारें इस दिशा में प्रयास नहीं कर पाईं, तब नाना जी ने गोरखपुर से इस प्रयास को बढ़ाया था। उसके पीछे का ध्येय था कि भारत, भारतीयता, परंपरा, संस्कृति और मातृभाव से ओ-तप्रोत ऐसे शिक्षण संस्थान की स्थापना आवश्यक है, जो देश को फिर से विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने में योगदान दे सके। इसकी शुरूआत शिक्षा के मंदिरों से ही होती है। शिक्षण संस्थान केवल अक्षर ज्ञान के माध्यम ही नहीं, बल्कि बालक के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैं। शिक्षा यदि संस्कार, मूल्यों-आदर्शों, मातृभूमि, महापुरुषों, राष्ट्रीयता के प्रति समर्पण का भाव पैदा नहीं कर पा रही है तो वह कुशिक्षा और भटकाव है। आजादी के तत्काल बाद उसका समाधान सरस्वती शिशु मंदिर से प्रारंभ हुआ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बसहवा का भूमि पूजन, शिलान्यास, पौधरोपण व पुस्तक का विमोचन भी किया। आरएसएस के तत्कालीन प्रचारक नाना जी देशमुख के नेतृत्व में सरस्वती शिशु मंदिर की पहली शाखा गोरखपुर में स्थापित की गई थी। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान के मातृभूमि होने का सौभाग्य गोरक्ष प्रांत को प्राप्त है। विद्या भारती के अंतर्गत संचालित हजारों शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान राष्ट्र निर्माण के जिस अभियान के साथ जुड़े हैं, उसकी ताकत देश-दुनिया समझती है।

सीएम योगी ने कहा कि पाठ्यक्रम सरकार तैयार करती है। सरकार सहयोग करे या न करे। बिना सरकार की सहायता के अपने दम और स्वयंसेवकों के सहयोग से भारतीयता के प्रति अनुराग रखने वाले नागरिकों के माध्यम से सरस्वती शिशु मंदिर ने इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। गोरखपुर के पक्कीबाग में जब पहला सरस्वती शिशु मंदिर स्थापित हुआ तो उस समय मात्र पांच छात्र थे, लेकिन आज शिशु मंदिर के 12 हजार विद्यालय हैं। यह संस्थान बच्चों के अंदर भारत व भारतीयता के प्रति नागरिक के रूप में कर्तव्यों का बोध कराने और सुयोग्य नागरिक बनाने के लिए राष्ट्रीय दायित्व का ईमानदारी से निर्वहन कर रहा है। सरस्वती शिशु मंदिर से निकले छात्र समाज को नेतृत्व भी दे रहे और मार्गदर्शन भी कर रहे हैं।

सीएम ने कहा कि हमें विरासत का सम्मान करना होगा। हमारे पूर्वजों (1953 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी) ने संकल्प लिया था कि एक देश में दो विधान, दो निशान, दो प्रधान नहीं चलेंगे। कश्मीर में शेष भारत का कानून लागू करने का शंखनाद किया था। उन्हें बलिदान भी देना पड़ा। 1952 में कांग्रेस ने बाबा साहेब के न चाहने के बावजूद जबरन लागू किया, लेकिन पीएम मोदी ने डॉ. मुखर्जी के संकल्प को साकार कर आतंकवाद व भारत विरोधी गतिविधियों-साजिशों को समाप्त करके कश्मीर को भारत के कानून के साथ जोड़ा। 500 वर्ष का इंतजार समाप्त हुआ और अयोध्या में रामलला के मंदिर का निर्माण हुआ। विपक्षी दल चाहते थे कि यह नहीं होना चाहिए। सीएम ने कहा कि प्रभु श्रीराम आदर्श व भारतीयता के प्रतीक है। जब महर्षि वाल्मिकी ने नारद जी से पूछा कि मुझे कुछ लिखना है, ऐसा कौन सा आदर्श है। तब उन्होंने कहा कि इस धरती पर एक ही चरित्र है, आप श्रीराम पर लिखें। हमें महर्षि वाल्मीकि, प्रभु राम, श्रीकृष्ण की परंपरा पर गौरव की अनुभूति है। भारत और भारतीयता के लिए जिन महापुरुषों व स्वतंत्र भारत में सीमाओं की रक्षा करते हुए जिन्होंने बलिदान दिया, वे सभी हमारे आदर्श हैं। उनका सम्मान और विरासत का संरक्षण करना हर भारतीय का दायित्व है।

सीएम ने गुलामी के अंशों को सर्वथा समाप्त करने पर भी चर्चा की। बोले कि गुलामी की मानसिकता देश के अंदर छा गई थी। भारतीय को हेय और विदेशी को संपन्न की दृष्टि से देखे जाने लगा। इस दुष्प्रवृत्ति पर 11 वर्ष में आपने रोक लगाते हुए देखा होगा। जो भारतीय है, वह सर्वश्रेष्ठ है और वह ऐसा इसलिए है, क्योंकि जो विदेशियों ने भारत को लूटकर अर्जित किया है, जबकि भारत ने अपने पुरुषार्थ से समृद्धि को बनाया था। 400 वर्ष पहले भारत दुनिया की नंबर एक अर्थव्यवस्था थी। दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान 25 फीसदी था। जब देश आजाद हुआ तो भारत का योगदान केवल दो फीसदी रह गया। भारत को लूटा गया। भारत और भारतीयता के मन में यह भाव पैदा किया गया कि भारतीयों को आदर्श के रूप में प्रस्तुत करने वालों को लोग हतोत्साहित करते थे।

हमने हिंदी और संस्कृत की जगह अंग्रेजी को भारतीयता का प्रतीक और भारत के महापुरुषों की जगह दुनिया के लोगों को आदर्श मानना प्रारंभ कर दिया। भारत में अपनी परंपरा व प्रतीक से दूरी बनाई, जिसका दुष्परिणाम हुआ कि यहां के नागरिकों के मन में भाव पैदा हुआ कि देश कभी आजाद नहीं होगा। जिस भारत के सामने दुनिया की कोई ताकत ठहर नहीं सकती थी, वह गुलाम हो गया। भारत के पास बल, वैभव व बुद्धि किसी रूप की कमी नहीं थी।

सीएम ने महाराज सुहेलदेव के योगदान की चर्चा की। बताया कि बहराइच में एक हजार वर्ष पहले जब महाराजा सालार मसूद बहराइच में मंदिरों को तोड़ने आया था, तो महाराज सुहेलदेव ने सैनिकों के साथ मुकाबला किया। उसे परास्त कर वह सजा दी, जिसे इस्लाम के दृष्टि से सबसे खराब मानी जाती थी। लोग सुहेलदेव को भूल गए थे। हमारी सरकार ने बहराइच में उनका भव्य स्मारक और आजमगढ़ में विश्वविद्यालय बनाया। वे हमारे पूर्वज और आदर्श हैं। गुलामी की मानसिकता इस कदर छा गई कि सालार मसूद को पूजने लगे और सुहेलदेव को समाज भूल गया।

सीएम ने कहा कि हम आपस में बंटे थे, इसलिए देश गुलाम इसलिए हुआ था। हमें लगता था कि उस पर हमला हुआ है, पड़ोस में आग लगी है। हमने आग नहीं बुझाई तो हमें भी उसकी चपेट में आना होगा। सीएम ने भेदभाव को समाप्त करने पर जोर देते हुए कहा कि बांटने वाली ताकतें भारत को कमजोर करने का षडयंत्र करती हैं। आज का समय सोशल मीडिया का है। सीएम ने कोविड काल में शिक्षकों ने वर्चुअल क्लास के जरिए बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करने का उदाहरण देकर इसके सकारात्मक पहलू को गिनाया तो फेक अकाउंट बनाकर जाति को जाति से लड़ाने और एक-दूसरे को गाली देने के नकारात्मक पहलू पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचंद्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक रमेश, हरैंया विधायक अजय सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला, प्रांत मंत्री शैलेष कुमार सिंह, प्रधानाचार्य गोविंद सिंह, कोषाध्यक्ष प्रहलाद मोदी, भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र आदि मौजूद रहे

निजी स्कूलों में गरीब बच्चों के प्रवेश पर सरकार की निगरानी

प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन हुई, फर्जी अभिलेखों की होगी जांच

लखनऊ, 09 सितंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने गरीब बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश दिलाने की व्यवस्था को संशोधित करते हुए अब और कड़े नियमों तथा सख़्त निगरानी के साथ लागू कर दिया है। आ-वेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी और इसके लिए माता-पिता व बच्चे का आधार कार्ड अनिवार्य रहेगा।

पूर्व-प्राथमिक कक्षाओं में प्रवेश की आयु सीमा 3 से 6 वर्ष और कक्षा-1 के लिए 6 से 7 वर्ष तय कर दी गई है। पहली बार जिलास्तर पर क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण समिति गठित की गई है, जिसकी अध्यक्षता डीएम करेंगे।

इस समिति में दर्जन भर से अधिक जिला स्तरीय अधिकारी सदस्य होंगे, जो पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे।

इतना ही नहीं, प्रवेश आवेदन एवं प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाले विवादों का त्वरित निस्तारण सीडीओ की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय विवाद समाधान समिति करेगी। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि सरकार की यह पहल शिक्षा को सबके लिए सुलभ बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि अब कोई भी गरीब बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि हर वर्ग को समान अवसर मिले।

इस व्यवस्था का लाभ अनुसूचित जाति, जनजाति, सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग, अनाथ, निराश्रित, एचआईवी/एड्स व कैंसर पीड़ित अभिभावकों के बच्चों तथा दिव्यांगजन परिवारों के बच्चों को मिलेगा। साथ ही, जिन परिवारों की वार्षिक आय 1 लाख रुपए तक है, उनके बच्चे भी इसमें शामिल होंगे। सभी आवेदन अधिकृत पोर्टल पर होंगे। विद्यालयों को अपनी उपलब्ध सीटों की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। आवंटित छात्रों की सूची सार्वजनिक की जाएगी, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो। निजी विद्यालयों में प्रवेश पाने वाले बच्चों की फीस का भार सरकार उठाएगी। साथ ही, ड्रेस और किताबों की खरीद के लिए अभिभावकों को सीधे उनके बैंक खातों में 5,000 की वार्षिक सहायता दी जाएगी।

शासनादेश के अनुसार मिथ्या या फर्जी दस्तावेज़ों पर प्रवेश की कोशिश करने वाले अभिभावकों पर न केवल रोक लगेगी बल्कि उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई भी की जाएगी। स्कूलों की मनमानी और उनके द्वारा फीस प्रतिपूर्ति में किए जाने वाले संभावित घालमेल पर अंकुश लगाने का प्रयास भी है। विद्यालयों को अब मनमानी की छूट नहीं होगी। यदि किसी आवंटित बच्चे को बिना उचित कारण के प्रवेश से वंचित किया गया तो संबंधित विद्यालय की मान्यता तक प्रत्याहरण (रद्द) की जा सकती है।

साधु वेशधारी दो मुस्लिमों को लोगों ने पकड़ा

पीलीभीत, 09 सितंबर (एजेंसियां)।

बीसलपुर के छोटे चौराहे पर अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार दोपहर साधु वेशधारी दो व्यक्तियों को पकड़ लिया। आर-ोप है कि एक के हाथ पर शाहिद लिखा हुआ था। दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। अखिल भारत हिंदू महासभा के नगर अध्यक्ष सुनील अवस्थी ने बताया कि कार्यकर्ताओं को जानकारी मिली थी कि नगर में दो संदिग्ध लोग साधु वेश में घूम रहे हैं। इस पर कार्यकर्ता छोटे चौराहे पर पहुंच गए। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई। कार्यकर्ताओं ने दोनों संदिग्धों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

सुनील अवस्थी ने बताया कि एक साधु के हाथ पर शाहिद लिखा हुआ है। पुलिस ने उन दोनों से पूछताछ की तो वे बहकी बहकी बातें करने लगे। एक ने पुलिस को बताया कि वह पंजाब के बठिंडा का रहने वाला है। कुछ देर बाद अपना पता दूसरी जगह का बताने लगा। महासभा के कार्यकर्ताओं ने कोतवाली में इस संबंध में तहरीर भी दी है। तहरीर देने वालों में महासभा के नगर अध्यक्ष सुनील अवस्थी, नगर महामंत्री अवनीश रतन, मुकेश गोस्वामी, सुखपाल, पीयूष, दीपक मौर्य, रवि प्रकाश, शिवम, प्रशांत त्रिवेदी आदि शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर की देन

खिलौना बनाने वाला अलीगढ़ बना रहा असली हथियार

अलीगढ़, 09 सितंबर (एजेंसियां)। खिलौना (पिस्तौल-रिवाल्वर) तैयार करने वाले अलीगढ़ में बने असली हथियार अब सेना-पुलिस तक जाने को तैयार हैं। विदेशी तकनीक से बने चार हल्के हथियारों में से तीन को ट्रायल के लिए भेज दिया गया है, जबकि चौथा हथियार जल्द ट्रायल के लिए भेजा जाएगा। ट्रायल में ये अच्छे संकेत मिले हैं कि इन चार हथियारों में से एक .9 एमएम बोर पिस्टल सेना व पुलिस के हाथों में जल्द पहुंचेगा।

अंडला स्थित डिफेंस कॉरिडोर के प्लाट नंबर 12 व 15 में 88 करोड़ रुपये के निवेश के साथ हथियार उत्पादक फर्म वेरीविन ने फैक्टरी स्थापित की है। अमेरिकी कंपनी स्मिथ एंड वेसिन के साथ करार करके पिछले वर्ष अप्रैल माह में अत्याधुनिक व विदेशी तकनीक से इस इकाई में हथियारों का उत्पादन शुरू हुआ। जिसमें से अब तक आम लोगों के लिए पिस्टल-रिवाल्वर बनाकर बाजार में बेचे जा रहे थे। साथ-साथ सेना और पुलिस के लिए हथियार आपूर्ति के लिए नई तकनीक पर लगातार प्रयोग हो रहा था। इसी प्रयास में सफलता के साथ इस इकाई से चार ऐसे हथियार तैयार किए गए, जिनमें से तीन हथियार क्रमशः 5.56 बोर की हल्के वजन की राइफल, .9 एमएम बोर का हल्के वजन का पिस्टल, 12 बोर की 10 कारतूस मैगजीन सहित शॉटगन ट्रायल के लिए भेज दिया गया, जबकि हल्के वजन की .9एमएम बोर कारबाइन जल्द ट्रायल पर भेजे जाने के संकेत हैं।

वेरीविन डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक मोहित शर्मा ने कहा, हमारी कंपनी ने अलीगढ़ इकाई में आम लोगों के लिए एक नया हथियार .22 बोर पिस्टल बनाया जो काफी डिमांड में है। वहीं उसी बोर में राइफल बनाने जा रहे हैं। सेना व पुलिस बोर के लिए चार नए हथियार बनाए हैं, जिनमें से तीन ट्रायल को पहुंच गए हैं। एक जल्द पहुंच जाएगा। इसमें से एक हथियार पिस्टल की आपूर्ति जल्द हम सेना पुलिस को करेंगे।

इस इकाई में हल्के वजन की विदेशी तकनीक आधारित पिस्टल व हल्की कारबाइन को सेना-पुलिस में हथियारों के बदलाव को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। जिसमें से पिस्टल की सेना व पुलिस में आपूर्ति को लेकर कंपनी प्रबंधन को बहुत अच्छे संकेत हैं। इस कंपनी में अब तक .32 बोर की रिव-ाल्वर-पिस्टल बनाए जा रहे हैं। साथ में पिछले वर्ष ही नई तकनीक के साथ .22 बोर की 14 राउंड का नया पिस्टल लाँच किया गया।

यह नई तकनीक के साथ बना पिस्टल आमजन में खूब पसंद किया जा रहा। यूपी में चूंकि लाइसेंस कम बन रहे हैं। इसलिए यहां से प्रतिमाह 500 से अधिक पिस्टल मणिपुर व अन्य राज्यों में खूब जा रहे हैं। वहीं जल्द आम लोगों के लिए .22 बोर में 25 राउंड की नई राइफल भी बाजार में लांच करने की योजना है। इस कंपनी ने भारत में सेना-पुलिस के लिए .9 एमएम बोर का हल्के वजन का जो पिस्टल बनाया है। ट्रायल में पास होने के बाद उसका अमेरिका से 10 हजार पिस्टल का करीब 35 करोड़ का ऑर्डर मिला था। कंपनी में बनने जा रहा था। मगर टैरिफ के झमेले के कारण ऑर्डर रोकना पड़ गया है।

मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा

सपा सरकार में हर माह होता था दंगा, अब है कानून का राज

बरेली, 09 सितंबर (एजेंसियां)। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने एक बार फिर समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। मौलाना ने कहा कि सपा सरकार में अराजकता का माहौल था। गुंडागर्दी होती थी। महिलाएं शाम सात बजे अकेले सड़क पर नहीं चल सकती थी। मगर मौजूदा सरकार में ऐसा कुछ भी नहीं है। महिलाएं शाम को नहीं बल्कि

रात में एक बजे भी सड़क पर अकेले धूम सकती हैं।

शहाबुद्दीन ने कहा कि मौजूदा समय में कोई भी ताकतवर व्यक्ति किसी गरीब व कमजोर पर अत्याचार नहीं कर सकता और न ही गरीब आदमी की जमीन पर कब्जा कर सकता है। आज के दौर में कानून सबसे बड़ा है। कानून की हर तरफ पहरेदारी है। जबकि अखिलेश यादव के दौर में समाजवादी पार्टी का हर कार्यकर्ता ये कहता नजर आता था कि कानून हमारी जेब में है। मगर अब परिस्थितियां बदल चुकी है। हर तरफ कानून का राज है।

मौलाना ने कहा कि गत दिनों सभी संप्रदाय के त्योहार अमन व शांति के साथ संपन्न हुए। कांवड़ यात्रा सकुशल संपन्न हुई। उसके बाद मोहर्रम के जुलूस फिर ईद मिलाद-उन-नबी के जुलूस शानदार तरीके से निकाले गए। इन सभी त्योहारों में लड़ाई झगड़ा व सांप्रदायिक विवाद तो छोड़िए, बल्कि किसी भी व्यक्ति को एक खरोंच तक नहीं लगी। जबकि अखिलेश यादव की सरकार में हर महीने किसी न किसी शहर में दंगा होता था। कंट्रोल करने के लिए कर्फ्यू लगाना पड़ता था। मुजफ्फरनगर का दंगा सभी ने देखा है। बीते आठ साल में किसी शहर में कर्फ्यू लगाने की नौबत नहीं आई है।

मौलाना ने कहा कि अखिलेश यादव पूरे आठ साल से कानून व्यवस्था के चौपट होने का रोना रो रहे हैं। उनको अपने शासनकाल के दौरान चौपट कानून व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए। सपा सरकार में अखि-लेश यादव नाम के मुख्यमंत्री थे। पर्दे के पीछे तीन मुख्यमंत्री और होते थे, जिनके आदेश पूरे राज्य में धूमा करते थे। मगर आज की सरकार में ऐसा कुछ भी नहीं है, कानून व्यवस्था चाक-चौबंद है।

राम मंदिर निर्माण : एलएंडटी और टाटा कंसल्टेंसी का कार्यकाल बढ़ा

अब तक 1400 करोड़ खर्च, 200 करोड़ में बनेंगी गैलरियां

अयोध्या, 09 सितंबर (एजेंसियां)। राम मंदिर निर्माण के लिए एलएंडटी और टाटा कंसल्टेंसी का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। अब ये दोनों कपंनियां मार्च 2026 तक काम करेंगी। पहले इनका कार्यकाल सितंबर 2025 तक तय था। मंदिर निर्माण में अब तक 1400 करोड़ खर्च हो चुके हैं। 200 करोड़ से म्यूजियम की गैलरियां बनाई जाएंगी।

राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम मंदिर के शिखर पर पताका फहराने की तिथि 25 नवंबर प्रस्तावित है। आज होने वाली भवन निर्माण समिति व श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में इस पर औपचारिक मुहर लगाई जाएगी। अब तक मंदिर निर्माण पर करीब 1400 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। इनमें से 1100 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

इसके साथ ही मंदिर परिसर में बनने वाले म्यूजियम की 20 गैलरियों पर लगभग 200 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इन गैलरियों में रामायण काल से लेकर राम मंदिर आंदोलन तक की झलकियां दिखाने की योजना है। मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए अत्याधुनिक उपकरण खरीदे जा चुके हैं। अब इन्हें स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू होगी। सुरक्षा इंतजाम इतने पुख्ता होंगे कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को पूरी तरह सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा।

संपादकीय

आपदा का अपराधी पहाड़ ही क्यों

सडक़ पर विकराल होती बारिश ने कहर ढहाया या विकास ने आगे दौड़ पीछे चौड़ कर दी। जो भी हो मुसीबत के इस समय आंखों में सुरमा लगाए भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पहाड़ के पत्थर नहीं कोसे, बल्कि कोसी लापरवाही जो जिंदा विकास के मुर्दाघरों को नीलाम करने पर तुली रही। गडकरी ने फोरलेन की डीपीआर के कान पकड़े हैं, तो हिमाचल को भी विकास के आईने साफ कर लेने चाहिएं। केंद्रीय मंत्री ने न आपदा के बीच क्रंदन किया और न ही तोहमतें इधर उछालीं, बल्कि पहाड़ पर निर्माण की ऐसी व्याख्या की जो विज्ञान और विमर्श के बीच अगली कई सदियों को माप सकती है, बशर्ते हर इंच पर आगे बढ़ने की चुनौती को समझा जाए। अभी तो हमने पहाड़ पर विकास को केवल चिना है, न कि पहाड़ के लायक विकास को चुना है। पर्वतीय विकास की जिस इंजीनियरिंग की तरफ नितिन गडकरी इशारा कर रहे हैं, वह तो अभी शुरू ही नहीं हुई। फोरलेन परियोजनाओं के संदर्भ में केंद्रीय मंत्री का खुलासा सरासर लापरवाही तथा सार्वजनिक धन की सौदेबाजी है, लेकिन यह एक नियम के तहत बने तो मजमून बदलेगा। इस वक्त जलवायु परिवर्तन की सारी चुनौतियों का ठीकरा पहाड़ के सिर पर फोड़ा जा रहा है, क्योंकि देश आफत को समझने में अभी तक सचेत नहीं हुआ। आपदा का अपराधी हिमाचल ही क्यों बने। बेशक पहाड़ों को चीरा जा रहा है ताकि धूप आए और परिश्रम के गंतव्य में आर्थिक भूख मिट जाए, लेकिन यहां हर पेड़ अवैध तरीके से नहीं कटता। पेड़ भी काटता है हमारी रोजी रोटी और कहीं अचानक गिरकर तोड़ देता है जीने की राह पर सारी हड्डियां। जंगल या तो ज्यादा जंगली हो गए या जंगल को पर्यावरण का एकमात्र चिन्ह-प्रतीक मानने वालों ने सारे ताले पर्वतीय राज्यों पर लगा दिए। अपराधी पर्वत, जिसने अपनी तकदीर को जंगल बना लिया, उसे क्या मालूम बादलों का खेल। क्या समुद्र ने अपने भीतर सारी गर्मी को पहाड़ की तरफ धकेल दिया। क्या मैदानी इलाके जब तपते हैं तो किसी ने पर्वत को रोका कि अपने हिमनद को मत पिघलाओ। पर्वत की छाती से निकलती नदियों को देश की लू जब सुखाती है, तो कौन मैदानी इलाकों को कहता है कि पर्यावरण के लिए प्रचंड गर्मी को रोको। क्या बरसात के दो-तीन महीनों में ही पर्यावरण का चिंतन मनन का दरिया बहने लगता है। शेष नौ महीनों के पर्यावरण संरक्षण के लिए कौन दोषी। हिमाचल-उत्तराखंड की तरह सभी राज्यों को भी निर्देश दीजिए कि सभी आइंदा 70 फीसदी क्षेत्र में केवल वन उगाएं। हिमाचल के पड़ोसी मैदानी राज्य अगर 70 फीसदी जमीन में जंगलों की पैमाइश करें, तो मालूम हो जाएगा पर्यावरण संरक्षण की धार कितनी नुकीली और कितने दबाव से भरी होती है। पर्वत के दबाव, पर्वत की आर्थिकी, पर्वत के रोजगार और पर्वत के विकास को समझने के इस आपदा का घर्षण काम नहीं आएगा। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने फोरलेन के परिप्रेक्ष्य में संभावना और सद्भावना का अलख जगा कर हिमाचल पर दोषारोपण नहीं किया, बल्कि यह स्वीकार किया है कि डीपीआर बनाने वालों ने विकास का सही आधार ढूंढने में कोताही बरती है। बेशक हिमाचल में हर तरफ के विकास में कोताही हुई। दूसरी ओर भारत सरकार पर्वतीय राज्यों के लगभग 45 लोकसभा क्षेत्रों की आवाज, जरूरतों और मजबूरियों को समझने में नाकाम रही है। अगर आपदा की लानतें पहाड़ पर थोपी जा रही हैं, तो इसके विकास और संरक्षण के लिए एक विशेष दृष्टि क्यों नहीं। इन इलाकों की भौगोलिक, आर्थिक व सामाजिक पहचान व संरक्षण के लिए अलग मानदंड बनाने के लिए, एक स्वतंत्र पर्वतीय विकास मंत्रालय का गठन जरूरी हो जाता है।

केंद्रीय मंत्री ने न आपदा के बीच क्रंदन किया और न ही तोहमतें इधर उछालीं, बल्कि पहाड़ पर निर्माण की ऐसी व्याख्या की जो विज्ञान और विमर्श के बीच अगली कई सदियों को माप सकती है, बशर्ते हर इंच पर आगे बढ़ने की चुनौती को समझा जाए। अभी तो हमने पहाड़ पर विकास को केवल चिना है, न कि पहाड़ के लायक विकास को चुना है। पर्वतीय विकास की जिस इंजीनियरिंग की तरफ नितिन गडकरी इशारा कर रहे हैं, वह तो अभी शुरू ही नहीं हुई। फोरलेन परियोजनाओं के संदर्भ में केंद्रीय मंत्री का खुलासा सरासर लापरवाही तथा सार्वजनिक धन की सौदेबाजी है, लेकिन यह एक नियम के तहत बने तो मजमून बदलेगा। इस वक्त जलवायु परिवर्तन की सारी चुनौतियों का ठीकरा पहाड़ के सिर पर फोड़ा जा रहा है, क्योंकि देश आफत को समझने में अभी तक सचेत नहीं हुआ। आपदा का अपराधी हिमाचल ही क्यों बने। बेशक पहाड़ों को चीरा जा रहा है ताकि धूप आए और परिश्रम के गंतव्य में आर्थिक भूख मिट जाए, लेकिन यहां हर पेड़ अवैध तरीके से नहीं कटता। पेड़ भी काटता है हमारी रोजी रोटी और कहीं अचानक गिरकर तोड़ देता है जीने की राह पर सारी हड्डियां। जंगल या तो ज्यादा जंगली हो गए या जंगल को पर्यावरण का एकमात्र चिन्ह-प्रतीक मानने वालों ने सारे ताले पर्वतीय राज्यों पर लगा दिए। अपराधी पर्वत, जिसने अपनी तकदीर को जंगल बना लिया, उसे क्या मालूम बादलों का खेल। क्या समुद्र ने अपने भीतर सारी गर्मी को पहाड़ की तरफ धकेल दिया। क्या मैदानी इलाके जब तपते हैं तो किसी ने पर्वत को रोका कि अपने हिमनद को मत पिघलाओ। पर्वत की छाती से निकलती नदियों को देश की लू जब सुखाती है, तो कौन मैदानी इलाकों को कहता है कि पर्यावरण के लिए प्रचंड गर्मी को रोको।

कुछ अलग

एक कुत्ते से बातचीत...

मैं सुबह की सैर के लिए घर से निकला ही था कि गली में एक आवारा कुत्ते ने मुझे दौड़ाना शुरू कर दिया। दुर्भाग्य से उस दिन मैं डंडा लाना भूल गया था। भले लोगों का मोहल्ला था। इसलिए दौड़ते हुए मुझे बचने के लिए ज़मीन पर कोई पत्थर भी नहीं दिखा। एक घर का गेट खुला था। मैं बचने के लिए उस गेट के अंदर घुस गया। पर कुछ क्षणों में ही मुझे वहां भी एक कुत्ते की धीमी-धीमी गुर्राहट सुनाई देने लगी। ध्यान से देखा तो जीने के नीचे बनाए गए केनल में एक मिक्सड ब्रीड के कुत्ते के दर्शन हो गए। पर मुझे यह कुत्ता पढ़ा-लिखा और सभ्य लगा। वह मुझ पर किसी आवारा कुत्ते या किसी घर के बिगड़े पालतू कुत्ते की तरह नहीं भौंका। वह मुझे केवल अपनी उपस्थिति का एहसास दिलवा रहा था। मुझे लगा कि संभव है यह कुत्ता किसी कॉन्वेंट स्कूल से शिक्षित हो या फिर किसी विपक्षी दल के नेता का हो, जो आजकल विपक्ष में होने के कारण अपना समय आने की प्रतीक्षा कर रहा हो। नहीं तो सत्ता में बैठे लोगों का आचरण और अकड़ देखकर लगता है कि वे कहीं भी असभ्य तरीके से गुर्रा और काट सकते हैं। फिर खयाल आया कि शायद यह कुत्ता वामपंथी या बुद्धिजीवी हो, जो सत्तासीन दक्षिणपंथियों से डर कर सभ्य होने का नाटक कर रहा हो। उसे डर हो कि अगर उसने ऐसा नहीं किया तो कहीं सरकार उस पर अर्बन नक्सल होने का आरोप लगा कर उसे जेल में न डाल दे। यूं भी जब आम भारतीय धर्मभीरू होने के कारण अपने ऊपर उदासीनता और तटस्थता की चादर ओढ़ लेता है, तो कुत्ते की क्या औकात। धीमी गुर्राहट के साथ कुत्ते ने जब सभ्य तरीके से मुझसे मेरा नाम और काम पूछा, तो मैंने सहज होते हुए बताया कि मैं झुन्नू लाल हूं और राज्य सरकार के एक विभाग में उसी की तरह काम करता हूं।

एक संतुलित समाज में बच्चों, किशोरों, युवाओं, प्रौढ़ों और बुजुर्गों की संख्या को एक निश्चित अनुपात में होना चाहिए

वृद्धावस्था की ओर बढ़ता भारत

प्रमोद भार्गव

भारत में जिस तेजी से बुजुर्गों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है, वह आर्थिक व स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से तो संकट पैदा कर ही रही है, देश का भविष्य माने जाने वाले युवाओं के हित का एक बड़ा हिस्सा भी बुजुर्गों पर न्योछावर किया जा रहा है। संतुलित मानव विकास के लिए यह दुरभिसंधि घातक है। भारतीय आबादी के सिलसिले में नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) की सांख्यिकीय रिपोर्ट-2023 ने देश में आबादी घटने के भयावह संकेत दिए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में कामकाजी आयुवर्ग (15-59 वर्ष) की जनसंख्या का अनुपात बढ़ रहा है, जबकि 0 से 14 आयुवर्ग की आबादी में लगातार गिरावट देखी जा रही है। यही नहीं, प्रजनन दर में कमी दर्ज की गई है।

प्रकृतिजन्य जैविक घटना के अनुसार एक संतुलित समाज में बच्चों, किशोरों, युवाओं, प्रौढ़ों और बुजुर्गों की संख्या को एक निश्चित अनुपात में होना चाहिए। अन्यथा यदि कोई एक आयु समूह की संख्या में गैर आनुपातिक ढंग से वृद्धि दर्ज हो जाती है तो यह वृद्धि उस संतुलन को नष्ट कर देगी, जो मानव समाज के विकास का प्राकृतिक आधार बनता है। भारत में जिस तेजी से बुजुर्गों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है, वह आर्थिक व स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से तो संकट पैदा कर ही रही है, देश का भविष्य माने जाने वाले युवाओं के हित का एक बड़ा हिस्सा भी बुजुर्गों पर न्योछावर किया जा रहा है। संतुलित मानव विकास के लिए यह दुरभिसंधि घातक है। भारतीय आबादी के सिलसिले में नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) की सांख्यिकीय रिपोर्ट-2023 ने देश में आबादी घटने के भयावह संकेत दिए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में कामकाजी आयुवर्ग (15-59 वर्ष) की जनसंख्या का अनुपात बढ़ रहा है, जबकि 0 से 14 आयुवर्ग की आबादी में लगातार गिरावट देखी जा रही है। यही नहीं, प्रजनन दर में कमी दर्ज की गई है। रपट के अनुसार वर्ष 1971 से 1981 के बीच 0-14 आयुवर्ग की हिस्सेदारी 41.2 फीसदी से घटकर 38.1 फीसदी रह गई है। जबकि 1991 से 2023 के बीच यह आंकड़ा 36.3 प्रतिशत से गिरकर 24.2 प्रतिशत रह गया है। महापंजीयक की ओर से जारी इस रिपोर्ट से पता चलता है कि इसी अवधि में देश की कुल प्रजनन दर 1971 के 5.2 से घटकर 2023 में 1.9 रह गई है। एसआरएस ने इस रिपोर्ट में लगभग 88 लाख की नमूना जनसंख्या को दर्ज किया है। इस कारण यह विश्व के सबसे बड़े जनसांख्यिकी सर्वेक्षणों में से एक है। इसी 2018 के सर्वेक्षण में एक मां के उसके अपने जीवन काल में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2.2 आंकी गई थी। अब 2023 के सर्वेक्षण में 1.9 रह गई है। इस दर में गिरावट के चलते वह दिन दूर नहीं, जब देश में कुल प्रजनन दर और नीचे चली जाएगी। इस विषय के जानकार लोगों का मानना है कि यदि भारत ने यह आंकड़ा छू लिया तो जनसंख्या स्थिर हो जाएगी और फिर कुछ वर्षों में घटने लगेगी। बालिकाओं के गिरते लिंगानुपात के कारण भी यह स्थिति बनेगी। ये हालात सामाजिक विकृतियों को बढ़ावा देने

वाले साबित हो सकते हैं। ऐसे में विवाह की उम्र बढ़ाने की जो चर्चा चल रही है, वह निकट भविष्य में बड़ी समस्या पैदा कर सकती है। रपट के आंकड़े बताते हैं कि देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 0-14 आयुवर्ग में लडक़ों की संख्या लड़कियों से अधिक है, केवल दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों को छोडक़र, यहां लड़कियों का अनुपात अधिक है। एसआरएस की रिपोर्ट में जो आंकड़े सामने आए हैं, वे जन्म के समय लिंगानुपात के हैं। जैविक तौर पर जन्म के समय सामान्य लिंगानुपात प्रति एक हजार बालिकाओं पर 1050 बालकों का रहता है या प्रति एक हजार बालकों पर 950 बालिकाओं का। बिगड़ा यह लिंगानुपात विवाह व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर डालता है। बिगड़ते लिंगानुपात के चलते इस स्थिति में सुधार के लिए सरकारी हस्तक्षेप जरूरी है। भारत इस अनुपात को सुधार सकता है, क्योंकि उसके पास 15 से 49 वर्ष के प्रजनन योग्य आयु वर्ग के लोगों का बड़ा समूह है। इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु विवाह की आयु घटाने के साथ अवैध संतान को वैधानिकता देना कानूनी रूप से अनिवार्य करना होगा। साथ ही लिंग परीक्षण और कन्या भूरण को कोख में ही नष्ट करने के उपाय सख्ती से बंद करने होंगे। इस हेतु आर्थिक समानता के उपायों के साथ युवाओं को प्रजनन, स्वास्थ्य शिक्षा और लैंगिक समानता के मूल्यों को प्रोत्साहित करना होगा। अकसर भारत या अन्य देशों में बढ़ती आबादी की चिंता की जाती है। लेकिन अब भारत में कुछ धार्मिक समुदायों और जातीय समूहों में जनसंख्या तेजी से घटने के संकेत मिल रहे हैं। भारत में जहां आधुनिक विकास व विस्थापन के चलते पारसी जैसे धार्मिक समुदाय और आदिवासी प्रजातियों में आबादी घट रही है, वहीं उपभोक्तावादी संस्कृति के प्रचलन में आ जाने से एक बड़ा आर्थिक रूप से सक्षम समुदाय कम बच्चे पैदा कर रहा है। एक राष्ट्र के स्तर पर कोई देश विकसित हो या अविकसित हो अथवा विकासशील, जनसंख्या के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष एक प्रकार की सामाजिक व वैज्ञानिक सोच का प्रगटीकरण करते हैं। अपने वास्तविक स्वरूप में जनसंख्या में बदलाव एक जैविक घटना होने के साथ-साथ समाज में सामाजिक, सांस्कृतिक व आर्थिक आधारों को प्रभावित करने का कारण बनती है। इसलिए भारत में जब पांच अल्पसंख्यक समुदायों में से एक पारसियों की आबादी घटती है तो उनकी आबादी बढ़ाने के लिए भारत सरकार मजबूर हो जाती है। दूसरी तरफ मुस्लिमों को छोड़ अन्य धार्मिक समुदायों की जनसंख्या वृद्धि दर को नियंत्रित करने के कठोर उपाय किए जाते हैं। यह विरोधाभासी पहलू मुस्लिम समुदाय की आबादी तो बढ़ा रहा है, लेकिन अन्य धार्मिक समुदायों की आबादी घट रही है। इसीलिए जनसंख्या वृद्धि दर पर अंकुश लगाने के लिए एक समान नीति को कानूनी रूप दिए जाने की मांग कई समुदाय कर रहे हैं। हालांकि यह कानून बनाया जाना आसान नहीं है। क्योंकि जब भी इस कानून के प्रारूप को संसद के पटल पर रखा जाएगा तब इसे कथित बुद्धिजीवी और उदारवादी धार्मिक रंग देने की पुरजोर कोशिश में लग जाएंगे। बावजूद देश हित में इस कानून को लाया जाना जरूरी है, जिससे प्रत्येक भारतीय नागरिक को आजीविका के उपाय हासिल करने में कठिनाई न हो। आमतौर से जनसंख्या नियंत्रण के दृष्टिगत चीन को परिवार नियोजन संबंधी नीतियों को आदर्श रूप में देखा जाकर उनका विस्तार भारत में किए जाने की मांग उठती रहती है। चीन में आबादी को काबू के लिए 1979 में 'एक परिवार एक बच्चा' नीति अपनाई गई थी। लेकिन यह गलतफहमी है कि चीन में आबादी इस नीति से काबू में आई। जबकि सच्चाई यह है कि 1949-50 में चीन में सांस्कृतिक क्रांति के जरिए जो सामाजिक बदलाव का दौर चला, उसके चलते वहां 1975 तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार आम आदमी की पहुंच में आ गया था। साम्यवादी दलों के कार्यकर्ताओं ने भी वहां गांव-गांव पहुंचकर उत्पादक समन्वयक की हैसियत से काम किया और प्रशासन से जरूरतों की आपूर्ति कराई। नतीजतन वहां आजादी के 25-30 साल के भीतर ही राष्ट्रीय विकास के लिए कम आबादी जरूरी है, यह वातावरण निर्मित हो चुका था। 'एक परिवार, एक बच्चा' नीति चीन में कालांतर में विनाशकारी साबित हुई। इस नीति पर कड़ाई से अमल का हश्र यह हुआ कि आज चीन में अनेक ऐसे वंश हैं, जिनके बूढ़े व असमर्थ हो चुके मां-बाप के अलावा न तो कोई उत्तराधिकारी है और न ही कोई सगा संबंधी है। जबकि इस नीति को लागू करने से पहले चीन में एक लडक़े पर औसत ग्यारह लड़कियां थीं। लेकिन अब स्त्री-पुरुष का अनुपात इतना गड़बड़ा गया है कि चीन ने इस नीति को नकारते हुए एक से अधिक बच्चे पैदा करने की छूट दे दी है। आबादी नियंत्रित करने के लिए कठोरता बरतने के ऐसे ही दुष्परिणाम जापान, स्वीडन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में देखने को मिल रहे हैं। इन देशों में जन्म-दर चिंताजनक स्थिति तक घट गई है। जापान में मुकम्मल स्वास्थ्य सेवाओं और पर्याप्त आबादी नियंत्रक उपायों के चलते बूढ़ों की आबादी में लगातार वृद्धि हो रही है। इन वृद्धों में सेवानिवृत्त पेंशनधारियों की संख्या सबसे ज्यादा है, इसलिए ये जापान में आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का बड़ा कारण बन रहे हैं। इसी तरह भारत में बुजुर्गों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है।

देश दुनिया से

घायल चंबा की प्रधानमंत्री से उम्मीदें व पुकार

इस वर्ष हिमाचल प्रदेश ने ऐसी प्राकृतिक आपदा का सामना किया जिसने न सिर्फ यहां की धरती को छलनी किया, बल्कि पूरे देश और विदेश तक को झकझोर दिया। लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने चंबा जिले को गहरे जख्म दिए। उसी समय पवित्र मणिमहेश कैलाश यात्रा चल रही थी, जिसमें हजारों यात्री देश-विदेश से शामिल हुए थे। बारिश थमने का नाम नहीं ले रही थी और प्रशासन को मजबूरन यात्रा रोकनी पड़ी। यात्रियों को जहां भी ठिकाना मिला- गांवों, मंदिरों, गुरुद्वारों, पंचायत घरों, स्कूलों, आईटीआई संस्थानों, कॉलेजों और यहां तक कि स्थानीय लोगों के घरों में भी- वहीं रुकना पड़ा। इस विकट घड़ी में प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं और आम जन ने यात्रियों को भोजन-पानी और आश्रय उपलब्ध कराया। चंबा की जनता ने हर फंसे यात्री को परिवार का हिस्सा समझकर सेवा दी। यह मानवता का अनुपम उदाहरण था, जिसने चंबा को 'प्रेरणा' बना दिया। लेकिन हालात इतने सरल नहीं थे। जगह-जगह भूस्खलन ने सडक़ें तोड़ीं, बिजली और संचार व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। चंबा देश-दुनिया से कट गया। हजारों यात्रियों और स्थानीय लोगों की सुरक्षा प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गई। इसी बीच मैं स्वयं अपने पारिवारिक कारणों से टांडा मेडिकल कॉलेज में था। बाहर से बैठा-बैठा मैं भीतरी बेचैनी और असहायता महसूस कर रहा था। रिश्तेदारों और यात्रियों के परिजनों के लगातार फोन आते, लेकिन चंबा से संपर्क टूट चुका था। मैंने सोशल मीडिया के जरिये और अन्य माध्यमों से सूचनाएं साझा कर, लोगों को धैर्य बंधाने का छोटा-सा प्रयास किया। पांच दिन, दिन-रात यही कोशिश रही कि सही और प्रमाणिक समाचार परिजनों तक पहुंचे। धीरे-धीरे मौसम खुला। नेटवर्क और सडक़ें बहाल हुईं। यात्रियों के सकुशल वापस लौटने की खबरों से लोगों ने राहत की सांस ली। फिर भी यह यात्रा बहुत कठिन रही और कुछ अमूल्य जीवन छिन भी गए। भगवान शिव की कृपा रही कि बड़ी जनहानि नहीं हुई, लेकिन जिले ने गहरे घाव जरूर सहे। जब चंबा से तस्वीरें सामने आईं तो लगा मानो पूरा जिला घायल और जर्जर हो गया हो- सडक़ें नदारद, खेत बह गए, गांव बर्बाद हो गए, घर ढह गए। हर कोना यह पुकार रहा था कि कोई है जो मरहम लगाए, सहारा दे, बैसाखी थमाए। इस बीच प्रशासन और सरकार की भूमिका पर बहस भी हुई। कोई तारीफ करता, कोई आलोचना। लेकिन यह मानना होगा कि प्रशासन भी हम जैसे लोग ही होते हैं- सीमित साधनों के बावजूद उन्होंने दिन-रात पैदल चलकर, भूखे रहकर यात्रियों और प्रभावितों तक पहुंचने का प्रयास किया। उनके इस समर्पण को सलाम है। सरकार के प्रतिनिधि भी चंबा पहुंचे, यात्रियों और स्थानीय लोगों का हाल जाना, राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को चंबा भेजा और स्वयं भी

प्राकृतिक आपदा का सामना किया जिसने न सिर्फ यहां की धरती को छलनी किया, बल्कि पूरे देश और विदेश तक को झकझोर दिया। लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने चंबा जिले को गहरे जख्म दिए। उसी समय पवित्र मणिमहेश कैलाश यात्रा चल रही थी, जिसमें हजारों यात्री देश-विदेश से शामिल हुए थे। बारिश थमने का नाम नहीं ले रही थी और प्रशासन को मजबूरन यात्रा रोकनी पड़ी।

यहां आकर हालात पर नजर रखी। राहत व बचाव कार्य तेज हुआ, हवाई सेवाएं भी मुहैया करवाई गईं जिसके जरिये बहुत सारे यात्रियों को भरमौर से चंबा पहुंचाया गया। चंबा से पठानकोट-कांगड़ा के लिए सरकार ने हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों में मुफ्त सेवा दी। विधानसभा का मानसून सत्र बीच में छोड़ कर चंबा के सभी विधायक चंबा आ गए, जो अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में इस आपदा का जायजा लेकर पीड़ितों से मिले। लेकिन चंबा सदर के विधायक का इस पूरे प्रकरण में अपनी विधानसभा के साथ-साथ मणिमहेश यात्रा पर व समस्त जिले पर विशेष सहयोग व कार्य सराहनीय रहा जो दिन-रात इस आपदा में कार्य करते नजर आए। कांगड़ा-चंबा के सांसद राजीव भारद्वाज ने भी इस दौरान चंबा में आकर स्थिति का जायजा लिया। मंडी लोकसभा से निर्वाचित सांसद कंगना रणौत का सिर्फ सोशल मीडिया पर बयान ही नजर आया, क्योंकि भरमौर विधानसभा का क्षेत्र मंडी लोकसभा का हिस्सा है, तो लोगों की आकांक्षाएं अपने सांसद से होती ही हैं। चंबा के बहुत लोकप्रिय कहे जाने वाले नेता राज्यसभा सांसद का भी इस दौरान सोशल मीडिया पर ही बयान सुनने को मिला जो व्यवस्थाओं को लेकर सरकार को कोसते रहे, लेकिन इस आपदा में चंबा उन्हें भी दूर लगा। राजनीति से जुड़े सभी पार्टियों के नेताओं सहित पूर्व विधायक व मंत्री भी इस आपदा में सक्रिय रहे और इस आपदा में अपनी भूमिका अदा की। फिर भी एक सवाल बना रहा- क्या चंबा की पीड़ा केवल राज्य सरकार की जिम्मेदारी है? चंबा बार-बार केंद्र में विश्वास जताता है, भाजपा को चुनता है। तो केंद्र सरकार की विशेष नजर इस पिछड़े और आपदाग्रस्त जिले पर क्यों नहीं है? राजनीतिक सफर पर नजर डालें तो हिमाचल में मौजूदा सरकार कांग्रेस की है और केंद्र में लगातार तीसरा कार्यकाल भाजपा का चला हुआ हैष। बात चंबा की करें तो चंबा में पांच विधानसभा क्षेत्र हैं जिनमें मौजूदा समय में तीन क्षेत्रों पर भाजपा का कब्जा है। लोकसभा की बात करें तो लगातार तीन कार्यकालों से मंडी-चंबा लोकसभा में भी भाजपा का कब्जा है। यहां से लोकसभा सदस्य हर बार रिकॉर्ड मतों से जीत दर्ज करते हैं। सीधा-सीधा कहा जाए तो ये आंकड़े दर्शाते हैं कि चंबा के लोग भाजपा को पहली पसंद मानते हैं, और दिल खोल कर समर्थन करते हैं। हम सब जानते हैं कि जिला चंबा आकांक्षी जिलों में शामिल है और रही सही जो कसर थी इस आपदा ने पूरी कर दी। चंबा में जो विकास के कार्य हुए भी थे, वो सब इस आपदा की भेंट चढ़ गए। सभी सडक़ें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। चंबा का एक-एक गांव इस आपदा में जर्जर हो गया है। फसलें-जमीनें सब बर्बाद हो गई हैं। ऊपर उठने की बजाय चंबा बहुत नीचे धंसता नजर आ रहा है। आज चंबा को आवश्यकता है कि राज्य और केंद्र दोनों मिलकर चंबा को विशेष राहत और पुनर्निर्माण पैकेज दें। यह धरती सिर्फ हिमाचल की नहीं, पूरे देश की है। मणिमहेश यात्रा पूरे भारत और विदेश तक की आस्था से जुड़ी है। मैं यहां के सांसद-विधायकों से उम्मीद-आग्रह करता हूं कि वे प्रधानमंत्री को इस आपदा के बारे में अवगत करवाएं जो यहां का दौरा कर जायजा लेकर, इस घायल आकांक्षी जिले को उठाने में मदद करें जो हमेशा चंबा को अपना घर मानते हैं। मेरा विशेष आग्रह रहेगा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री से कि आइए श्रीमान जी, चंबा बुला रहा है, यहां की टूटी सडक़ों को नया जीवन दीजिए। उनसे चंबा को कई उम्मीदें हैं।

आप का नजरिया

जनसंख्या असंतुलन : खतरनाक स्थिति

जनसंख्या देश की सबसे बड़ी पूंजी हैं क्योंकि यही राज्य का तत्व श्रम शक्ति, प्रतिभा एवं विकास की नींव होती है। जब जनसंख्या असंतुलन की स्थिति में पहुंच जाती है तो यह जनशक्ति देश के लिए अभिशाप एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष संकट का आकार धारण कर लेती है। समकालीन में वैश्विक स्तर के अनेक नवोदित राष्ट्र-राज्य ,विकासशील राष्ट्र – राज्य एवं विकास की प्रक्रिया में शामिल राष्ट्र- राज्य जनसंख्या के संतुलन से बोझिल है। जनसंख्या का संतुलित होना राष्ट्र के बहुआयामी विकास की अवधारणा को सार्थक,अर्थपाय, एवं निश्चित दिशा का सार्थक आशय देता है। हिंदू समाज अपने विवेकी प्रज्ञा एवं बौद्धिक परंपरा से सहिष्णु होता है। वह तनाव, भू – भागी तनाव, मानसिक विक्षोभ ,दंगों एवं आक्रामक व्यवहारों से असुरक्षित महसूस करता हैं ,तो इन भयावह स्थान से पलायन कर जाता है। उत्तर प्रदेश के संभल हिंसा पर जांच प्रतिवेदन ऐसे पहलुओं पर प्रकाश डालता हैं। संभल जिले में 1947 से सन 2025 तक 25 बार दंगे हुए हैं। इन दंगों की भयावहता के कारण अधिकांश हिंदुओं ने पलायित कर अपना दूसरा सुरक्षित स्थान बनाया है। भारत का लोकतंत्र वैश्विक स्तर का वृहद लोकतंत्र एवं शांतिमय लोकतंत्र है। इसके राजनीतिक संस्कृति और प्रशासनिक संस्कृति में हिंदुओं का बाहुल्य है एवं हिंदुओं ने लोकतांत्रिक संस्कृति की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए सकारात्मक पहल की हैं। भारत में लोकतंत्र का जीवन हिंदुओं की सहिष्णुता एवं सहयोग से संभव है। करीब 3 दशकों से भारत में घुसपैठ, मतांतरण एवं अन्य दूसरी सामयिक कारणों से देश के करीब 210 जनपदों की जनसांख्यिकीय संरचना में बड़ा बदलाव आया है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय अखंडता, एवं राष्ट्रीय एकता के लिए चिंता का विचार एवं समाज के लिए कष्टकारी है। स्वतंत्रता के पश्चात तत्कालीन कांग्रेस सरकार की उपेक्षा से देश में तनाव जनित शक्तियां उभर रही थी जो देश की एकता, अखंडता एवं राष्ट्रीयता की भावना को तितर – बितर करना चाहती थी। सवाल यह है कि क्या संभल से हिंदुओं का खामोश पलायन देशव्यापी चलन का हिस्सा है ? संभल हिंसा पर आए एक जांच आयोग के प्रतिवेदन में रेखांकित है कि हिंदुओं की जनसंख्या में 30% की गिरावट दर्ज की गई है। संभल से हिंदुओं का खामोश पलायन स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर जनसंख्या के असंतुलन के खतरों को उजागर कर रहा है। बंटवारे के पश्चात भारत की प्रथम जनगणना में देश में मुस्लिम आबादी 3 करोड़ थी जो वर्तमान में बढ़कर 21 करोड़ हो चुकी है। यह पाकिस्तान की वर्तमान आबादी 24 करोड़ के समतुल्य हो चुकी है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के संभल में 30% तक हिंदू आबादी घटी है । संभल हिंसा के लिए जांच 3 सदस्य न्यायिक आयोग की जांच रिपोर्ट के अनुसार, आजादी के समय संभल में लगभग 45 प्रतिशत हिंदू आबादी थी जो इस शहर में लगातार दंगों की आग में झुलसने से 15 प्रतिशत रह गई है । इस जन सांख्यिकी बदलाव के कारण संभल में आबादी से लेकर हुए 15 दंगों एवं हिंसा में हिंदू आबादी को निशाना बनाया गया था। उत्तर प्रदेश के कैराना कस्बे में मुस्लिम आबादी 78% एवं हिंदू आबादी 22% थी। 2011 की जनगणना में मुस्लिम आबादी चार प्रतिशत से बढ़कर 82 प्रतिशत हो गई है, वहीं हिंदू आबादी घटकर 18% रह गई है। स्थानीय स्तर के राजनीतिक दलों के चुनावी आंकड़ों के अनुसार 2015 में मुस्लिम जनसंख्या 90% हो गई एवं हिंदू आबादी 10% रह गई है। उत्तर – प्रदेश के नेपाल से सटे जिलों बहराइच, श्रावस्ती एवं बलरामपुर में तेजी से जनसंख्या बदलाव हो रहे हैं। यहां पर पिछले 10 वर्षों में बड़ी संख्या में अवैध मदरसों एवं दरगाहे बनी हैं जो जनसांख्यिकीय असंतुलन के लिए प्रबल रूप से जिम्मेदार हैं। क्या देश में जनसांख्यिकीय असंतुलन का खतरा गंभीर एवं खतरनाक रूप ले रहा है ? किसी देश या राज्य – क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि दर असामान्य रूप से बढ़ जाती है एवं उसके संसाधन अवसर एवं आधारभूत संरचना उसके अनुरूप विकसित नहीं हो पाते हैं, तब वहां सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय असंतुलन उत्पन्न हो जाता है। जनसांख्यिकीय असंतुलन के कारण आर्थिक संकट अर्थात बेरोजगारी एवं गरीबी बढ़ती है। संसाधनों पर अत्यधिक दबाव उत्पन्न हो जाता हैं ,जिससे जल, भोजन , ऊर्जा एवं भूमि की कमी होने लगती है। पर्यावरणीय संकट अर्थात जंगलों की कटाई, प्रदूषण एवं जलवायु संकट उत्पन्न हो जाते हैं। सामाजिक असंतुलन अर्थात अपराधों में वृद्धि एवं अशांति का वातावरण उत्पन्न हो जाता है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं ।

समकालीन में वैश्विक स्तर के अनेक नवोदित राष्ट्र- राज्य ,विकासशील राष्ट्र – राज्य एवं विकास की प्रक्रिया में शामिल राष्ट्र- राज्य जनसंख्या के संतुलन से बोझिल है। जनसंख्या का संतुलित होना राष्ट्र के बहुआयामी विकास की अवधारणा को सार्थक,अर्थपाय, एवं निश्चित दिशा का सार्थक आशय देता है। हिंदू समाज अपने विवेकी प्रज्ञा एवं बौद्धिक परंपरा से सहिष्णु होता है। वह तनाव, भू – भागी तनाव, मानसिक विक्षोभ ,दंगों एवं आक्रामक व्यवहारों से असुरक्षित महसूस करता हैं ,तो इन भयावह स्थान से पलायन कर जाता है। उत्तर प्रदेश के संभल हिंसा पर जांच प्रतिवेदन ऐसे पहलुओं पर प्रकाश डालता हैं। संभल जिले में 1947 से सन 2025 तक 25 बार दंगे हुए हैं। इन दंगों की भयावहता के कारण अधिकांश हिंदुओं ने पलायित कर अपना दूसरा सुरक्षित स्थान बनाया है। भारत का लोकतंत्र वैश्विक स्तर का वृहद लोकतंत्र एवं शांतिमय लोकतंत्र है। इसके राजनीतिक संस्कृति और प्रशासनिक संस्कृति में हिंदुओं का बाहुल्य है एवं हिंदुओं ने लोकतांत्रिक संस्कृति की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए सकारात्मक पहल की हैं।

दृष्टि कोण

वो कच्ची सड़क गाँव की

भारत के गाँवों की तस्वीर अक्सर हरे-भरे खेतों, बैलों की गाड़ियों और मिट्टी की खुशबू से सजाई जाती है, लेकिन असली तस्वीर इससे कहीं अलग है। असली संघर्ष उन कच्ची सड़कों से झलकता है, जो गांव वालों की ज़िंदगी को हर दिन कीचड़ और धूल में उलझाए रखती हैं। सड़क किसी भी गाँव की जीवनरेखा होती है, लेकिन कुछ गांवों में यह जीवन रेखा आज भी अधूरी है। ऐसा ही एक गांव नकोदेसर भी है। राजस्थान के बीकानेर जिला स्थित लूंकरणसर ब्लॉक से करीब 33 किमी दूर इस गांव की तस्वीर मैप से नजर आ जाती है , लेकिन यहां सड़क ढूंढने पर भी नजर नहीं आती है। गांव के 70 साल के परसा राम कहते हैं "हमारे युवावस्था के समय से आज तक इस गांव की सड़क खराब है। बारिश के दिनों में बाज़ार तक पहुँचने में आधा दिन लग जाता है। गाड़ी कीचड़ में धँस जाती है, किसान के अनाज रास्ते में ही खराब हो जाते हैं। सड़क होती तो ये हाल न होता।" वह कहते हैं कि 'मैंने उम्र भर यही सपना देखा कि हमारी संतानें इन मुश्किलों से मुक्त होंगी, लेकिन हकीकत यह है कि वही मुश्किलें अब भी उनके पोते-पोतियों की जिंदगी में भी जारी हैं।' इस दौरान गांव के बच्चों के लिए स्कूल जाना किसी जंग से कम नहीं है। बारिश होते ही रास्ता दलदल में बदल जाता है। 66 साल की बिरमा देवी कहती हैं कि "बरसात के दिनों में अक्सर उनकी 7 साल की पोती स्कूल नहीं जा पाती है, क्योंकि बारिश से इतना कीचड़ हो जाता है कि बच्चे उसमें फिसल जाते हैं और उनकी स्कूल ड्रेस खराब हो जाती है। इस बार लूणकरणसर में अच्छी बारिश हुई है। ये किसानों के लिए राहत की बात हो सकती है, लेकिन स्कूल जाने वाली मेरी पोती के लिए ये अच्छा नहीं है। वह अगस्त में के पांच दिन ही स्कूल जा सकी है। सिर्फ वही नहीं, अधिकतर छोटे बच्चों का स्कूल बारिश में छूट जाता है, क्योंकि रास्ता इतना खराब हो जाता है कि बड़े लोग तक उसमें फिसल जाते हैं, फिर बच्चों को कैसे उस रास्ते से स्कूल भेजें?' यह कच्चा रास्ता गांव की महिलाओं की ज़िंदगी को भी प्रभावित करता है। बारिश के समय एक

तो जलावन के लिए लकड़ी मिलना मुश्किल हो जाता है वहीं दूसरी ओर उसे लाने जाना हो तो कंधे पर बोझ और पैरों के नीचे कीचड़ दोनों से लड़ना पड़ता है। गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुँचाना तो मानो मौत और ज़िंदगी की बाज़ी खेलने जैसा है। 65 साल की राजों देवी बताती हैं कि "कुछ हफ्ते पहले मेरी बहू को प्रसव पीड़ा हुई, तो हमने एमबुलेन्स को फोन किया। वह आया तो लेकिन बारिश की वजह से रास्ते इतने खराब थे कि गांव में घुसते ही गाड़ी कीचड़ में फंस गई और लाख कोशिश के बावजूद वह निकल नहीं पाई। आखिरकार घर के मर्दों ने मिलकर उसे खाट पर उठाया और सड़क तक ले गए। कीचड़ में फँसते-गिरते तीन घंटे लग गए। तब तक उसका काफी खून बह गया था। बड़ी मुश्किल से माँ और बच्चे की जान बची है। अगर पक्की सड़क होती तो यह कठिनाई नहीं आती।" यहाँ स्त्रियों के लिए सड़क सिर्फ़ सुविधा नहीं, बल्कि जीवन और मौत के बीच की दूरी है। सड़क का न होना केवल आर्थिक विकास की बाधा नहीं है, बल्कि महिलाओं की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ भी सवाल है। रात में अगर किसी औरत या लड़की को अस्पताल ले जाना हो, तो अंधेरे में कच्चे रास्ते से होकर जाना बेहद डरावना होता है। कई बार लोग मजबूरी में घर पर ही दवा देकर काम चलाते हैं। गाँव वाले बताते हैं कि कई बार सड़क के लिए नाप-जोख भी हुई, वादे भी किए गए, लेकिन नतीजा आज तक शून्य है। बुज़ुर्ग कहते हैं हम जानते हैं कि सड़क केवल पत्थर और डामर की बनी हुई लकीर नहीं है, यह बच्चों के स्कूल तक पहुँचने की सीढ़ी है, यह औरतों की सुरक्षा की गारंटी है, यह बीमार के अस्पताल तक पहुँचने का भरोसा है और यह किसानों की मेहनत का पूरा दाम है।

मेक्सिको में मालगाड़ी और डबल डेकर बस में टक्कर, 10 लोगों की मौत, 41 घायल

मेक्सिको सिटी,09 सितंबर (एजेंसियां)।

मेक्सिको में एक मालगाड़ी और एक डबल डेकर बस के बीच हुई टक्कर कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 41 अन्य घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस दो हिस्सों में बंट गई। यह दुर्घटना सुबह 7 बजे (ब्रिटिश समयानुसार दोपहर 2 बजे) से कुछ पहले राजधानी मेक्सिको सिटी से लगभग 80 मील (130 किलोमीटर) उत्तर-पश्चिम में स्थित अटलाकोमुल्को शहर के एक औद्योगिक क्षेत्र में रेलवे क्रॉसिंग पर हुई।

रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, मेक्सिको राज्य की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने एक्स पर कहा कि अधिकारी अभी भी दुर्घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। राज्य अभियोजक कार्यालय ने कहा कि उसने जांच शुरू कर दी है। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि सात महिलाओं और तीन पुरुषों की मौत हो गई और कुछ घायलों की हालत गंभीर है।

घटनास्थल से प्राप्त तस्वीरों में यात्री बस की छत उखड़ी हुई दिखाई दे रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर क्रॉसिंग के सीसीटीवी फुटेज जैसे दिखने वाले वीडियो में भारी ट्रैफिक के बीच बस धीरे-धीरे रेल की पटरियों पर चलती हुई दिखाई दे रही है। तभी अचानक ट्रेन आ गई, जिसने बस को बीच से टक्कर मार दी और बस दो हिस्सों में बंट गई। ट्रेन की तेज गति से बस पलट गई। बस का अगला हिस्सा क्रॉसिंग के पास और पिछला हिस्सा पटरियों के दूसरी तरफ जाकर रुक गया।

घटनास्थल से लगभग 100 गज दूर एक सर्विस स्टेशन पर काम करने वाले 33 वर्षीय मिगुएल सांचेज़ ने बताया कि उन्होंने क्रॉसिंग से पहले ट्रेन का हॉर्न बजते सुना। मेक्सिको की कैनेडियन पैसिफिक कैनसस सिटी ट्रेन लाइन ने दुर्घटना की पुष्टि की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। कैलगरी स्थित इस कंपनी ने कहा कि उसके कर्मचारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। कंपनी ने ड्राइवरों से रेलवे क्रॉसिंग पर संकेतों का सम्मान करने का भी आह्वान किया।

बस कंपनी हेराडुरा डी प्लाटा ने हादसे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सितंबर में प्रकाशित मेक्सिको की रेल परिवहन नियामक एजेंसी की नवीनतम रिपोर्ट से पता चला है कि पिछले साल लेवल क्रॉसिंग पर 800 दुर्घटनाएं हुईं, जबकि 2020 में यह संख्या 602 थी।

न्यूज ब्रीफ

अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में उत्तर कोरिया की छलांग, उच्च शक्ति वाले ठोस ईंधन इंजन का परीक्षण

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने सोमवार को अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में छलांग लगाते हुए उच्च शक्ति वाले ठोस ईंधन मिसाइल इंजन का परीक्षण किया। देश के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन परीक्षण के समय मौजूद रहे। इस इंजन को देश के रक्षा अनुसंधान संस्थान ने विकसित किया है। इस इंजन का प्रयोग अगली पीढ़ी की मिसाइल ह्वासोंग-20 में किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार उत्तर कोरिया की सरकारी संवाद सेवा कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। किम ने तैयार किए जा रहे इंजन की प्रगति जानने के लिए हफ्ते भर पहले रक्षा अनुसंधान संस्थान (रासायनिक सामग्री अकादमी) का दौरा किया था। परीक्षण की सफलता के बाद किम ने कहा कि इंजन का विकास उत्तर कोरिया की परमाणु रणनीतिक शक्तियों के विस्तार और सुदृढ़ीकरण में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। इसे रक्षा प्रौद्योगिकी के हालिया आधुनिकीकरण में सबसे रणनीतिक सफलता कहा जा सकता है। केसीएनए के अनुसार यह इंजन परीक्षण अपनी तरह का नौवां और विकास प्रक्रिया का आखिरी है। अधिकारियों ने इसका अधिकतम थ्रस्ट 1,971 किलोन्यूटन बताया है। उत्तर कोरिया ने पिछले साल 31 अक्टूबर को ठोस ईंधन वाले ह्वासोंग-19 के साथ अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण किया था।

पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में टीटीपी के आठ आतंकी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले की दत्ता खेल तहसील में सोमवार को तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के कुछ कमांडरों समेत आठ आतंकवादियों को मार गिराया। सुरक्षा सूत्रों का दावा है कि दो दर्जन से ज्यादा आतंकवादी अभी भी इलाके में छुपे हुए हैं और ग्रामीणों को मानव ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह इलाका बेहद दुर्गम और अफगानिस्तान की सीमा से लगा हुआ है। सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच कई घंटे तक चली मुठभेड़ के दौरान दत्ता खेल गोलियों और विस्फोटों की आवाजों से गूंजता रहा। स्थानीय लोग अपने घरों में दुबके रहे और उन्हें खाने-पीने और अन्य जरूरी चीज़ों की कमी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि 30-35 आतंकवादी अभी भी अलग-अलग जगहों पर छुपे हुए हैं। आतंकवादी हवाई या ड्रोन हमलों से बचने के लिए महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को मानव ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। सोमवार को मारे गए सभी टीटीपी के आतंकवादी हाफिज गुल बहादुर बद्री ग्रुप और जैश-ए-मेहदी कारवां के थे। मुठभेड़ में विस्फोटक विशेषज्ञ हमीदुल्लाह उर्फ गुड, ड्रोन और क्वाडकॉप्टर के जरिए विस्फोटक लगाने के लिए कुख्यात नूर मुहम्मद अफगान और 2009 से टीटीपी कमांडर उमर को मार गिराया गया है।

रूसी बमबारी में 20 की मौत पर भड़क उठे जेलेंस्की, कहा- पुतिन को जवाब दें

यूक्रेन/डोनेट्स्क,09 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने बताया कि 9 सितंबर को यूक्रेन के डोनेट्स्क क्षेत्र के एक गाँव पर रूसी हमले में 20 से ज़्यादा लोग मारे गए। ज़ेलेंस्की द्वारा जारी किए गए ग्राफ़िक फुटेज में यारोवा में एक क्षतिग्रस्त वाहन के पास ज़मीन पर कई शव दिखाई दे रहे हैं, जबकि स्थानीय सशस्त्र पुलिस बल घटनास्थल का मुआयना कर रहे हैं। ज़ेलेंस्की ने कहा कि आम नागरिकों को उस समय निशाना बनाया गया जब पेंशन जारी की जा रही थी। डोनेट्स्क क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख वादिम फ़िलाश्किन ने कहा कि हमले में कम से कम 21 अन्य लोग घायल हुए हैं।

फ़िलाश्किन ने लिखा, बचाव दल, चिकित्सक, पुलिस और स्थानीय अधिकारी घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। हम पीड़ितों की मदद कर रहे हैं और इस अपराध के सटीक परिणामों का पता लगा रहे हैं।

अमेरिका में हिरासत में लिए गए अपने 300 नागरिकों को दक्षिण कोरिया चार्टर्ड विमान से स्वदेश लाएगा, विदेशमंत्री वाशिंगटन में

सियोल (दक्षिण कोरिया),09 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में दक्षिणी जॉर्जिया के हुंडई-एलजी एनर्जी सॉल्यूशन बैटरी प्लांट से आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के छापे में हिरासत में लिए गए लगभग 300 दक्षिण कोरियाई नागरिक एक चार्टर्ड विमान से स्वदेश लौटेंगे। यही नहीं, दक्षिण कोरिया अपने शीर्ष राजनयिक को भी अमेरिका भेज रहा है। इसका मकसद आव्रजन छापे को लेकर बढ़ते असंतोष को ऐसे संकट में बदलने से रोकना है, जो उसके सबसे महत्वपूर्ण सहयोगी के साथ संबंधों को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचा सकता है।

रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, सियोल के अधिकारियों ने बताया कि विदेश मंत्री चो ह्यून सोमवार शाम स्थानीय समयानुसार वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना हुए। इससे कुछ घंटे पहले सरकार ने घोषणा की कि पिछले गुरुवार को अमेरिका में हिरासत में लिए गए लगभग 300 दक्षिण कोरियाई नागरिक अमेरिका के साथ बातचीत के बाद एक चार्टर्ड उड़ान से कोरिया लौटेंगे।

कोरियन एयर ने मंगलवार को पुष्टि की कि एयरलाइन का एक बोइंग 747 विमान (बी 747-8ढ्ढ चार्टर्ड उड़ान) सियोल के पास इंचियोन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जॉर्जिया के हार्ट्सफील्ड-जैक्सन अटलांटा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए रवाना होगी। कोरियन एयर के एक प्रवक्ता ने बताया कि विमान बिना किसी यात्री के रवाना होगा और इसमें 368 लोगों के बैठने की क्षमता है। दक्षिण कोरिया के नागरिकों को बेड़ियों में जकड़कर हिरासत में ले जाने की तस्वीरें पूरे देश में व्यापक रूप से प्रसारित हुई हैं। इससे अमेरिका के प्रति देश में असंतोष पनप रहा है।

इस प्रक्रिया में विदेशमंत्री की भूमिका क्या होगी, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सरकार देश में इस बात को लेकर पनप रहे असंतोष को जल्द से जल्द नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। रूढ़िवादी विपक्षी पीपुल्स पावर पार्टी के प्रवक्ता सोंग इऑन-सियोग आमतौर पर अमेरिका के पक्ष में बोलते हैं मगर उन्होंने भी इस छापे को अभूतपूर्व कूटनीतिक आपदा कहा है। सियोग ने कहा, यह संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा दक्षिण कोरिया के प्रति अपने कूटनीतिक असंतोष को सबसे कड़े शब्दों में व्यक्त करना है। ली को स्पष्ट रूप से बताना होगा कि यह कूटनीतिक विफलता कहां से शुरू हुई।

दक्षिण कोरिया की प्रोग्रेसिव पार्टी के नेता किम जे-योन ने इस छापेमारी को विश्वासघात बताया है। किम ने कहा कि ट्रंप को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए और ऐसी घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कदम उठाने का वादा करना चाहिए। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी आव्रजन छापे में हिरासत में लिए गए सैकड़ों कोरियाई कामगारों के लिए वह गहरी जिम्मेदारी महसूस करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सियोल-वाशिंगटन सहयोग में योगदान देने वालों की वैध गतिविधियों में अनुचित रूप से बाधा नहीं डाली जानी चाहिए। ली ने कैबिनेट बैठक में यह टिप्पणी की।

उन्होंने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने और वीजा संबंधी उपायों में उचित सुधार लाने के लिए वाशिंगटन के साथ मिलकर काम करने का वादा किया। ली ने संबंधित मंत्रालयों को आदेश दिया कि वे हिरासत में लिए गए सभी लोगों के सुरक्षित घर लौटने तक स्थिति पर कड़ी नजर रखें। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि कर्मचारियों को जॉर्जिया के फोल्कस्टन स्थित एक हिरासत केंद्र में रखा गया है।

वाशिंगटन स्थित कोरियाई दूतावास में महावाणिज्य दूत चो की-जोंग के नेतृत्व में एक कार्यबल हिरासत में लिए गए कर्मचारियों से मिल रहा है। अधिकांश कर्मचारियों ने स्वदेश लौटने की इच्छा जताई है। मंत्रालय ने कहा कि कोरियाई नागरिक स्वैच्छिक प्रस्थान के माध्यम से संयुक्त राज्य अमेरिका छोड़ेंगे, एक ऐसी प्रक्रिया जो आव्रजन बंदियों को अपनी इच्छा से लौटने की अनुमति देती है और अक्सर उन्हें औपचारिक निर्वासन आदेश से मुक्त कर देती है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री चो ह्यून हिरासत में लिए गए कर्मचारियों की वापसी को अंतिम रूप देने के लिए सोमवार रात (स्थानीय समय) वाशिंगटन पहुंच गए हैं।

थाईलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री शिनावात्रा को सालभर रहना होगा जेल में, उच्चतम न्यायालय का आदेश

बैंकॉक (थाईलैंड),09 सितंबर (एजेंसियां)।

थाईलैंड के उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को देश प्रभावशाली पूर्व प्रधानमंत्री और अरबपति थाकसिन शिनावात्रा को एक साल की जेल की सजा सुनाई है। न्यायालय ने पिछले साल थाकसिन के लंबे समय तक अस्पताल में रहने को गैरकानूनी करार दिया और उन्हें बैंकॉक रिमांड जेल में अपनी सजा काटने का आदेश दिया।

रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, 76 वर्षीय थाकसिन 2001 से 2006 तक सैन्य तख्तापलट के दौरान अपदस्थ होने तक प्रधानमंत्री रहे। 15 साल के स्व निर्वासन के बाद 2023 में उन्होंने नाटकीय ढंग से थाईलैंड वापसी की। सत्ता में रहने के दौरान हितों के टकराव, सत्ता के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार के लिए उन्हें आठ साल जेल की सजा सुनाई गई।

थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न ने थाकसिन की जेल की सजा घटाकर एक साल कर दी। इसके छह महीने बाद फरवरी 2024 में उन्हें पैरोल पर रिहा कर दिया गया। सजा के बावजूद थाकसिन ने कभी जेल की कोठरी में एक रात भी नहीं बिताई। सीने में जकड़न, उच्च रक्तचाप और ऑक्सीजन के निम्न स्तर की शिकायत के बाद उन्होंने बैंकॉक के पुलिस जनरल अस्पताल के एक आलीशान सुइट में अपनी सजा काटी।

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को फैसला सुनाया कि थाकसिन का अस्पताल में बिताया गया समय सजा की अवधि में नहीं गिना जाएगा। सनद रहे जून में थाईलैंड की मेडिकल काउंसिल ने थाकसिन को अस्पताल में सजा काटने में मदद करने वाले दो डॉक्टरों को निलंबित कर दिया था। थाकसिन फैसला सुनने के लिए अदालत में मौजूद रहे। इससे पहले गुरुवार को वह स्वास्थ्य जांच के लिए अपने निजी जेट से दुबई गए थे। तब कयास लगाया गया था कि वह देश छोड़कर भाग गए हैं।

85 इलाकों में सक्रिय हैं पाकिस्तानी बलात्कारी गैंग, ब्रिटिश रिपोर्ट से हड़कंप, सांसद ने की वीजा बैन की मांग

लंदन,09 सितंबर (एजेंसियां)।

ब्रिटेन में इन दिनों पाकिस्तानी मूल के अपराधियों और तथाकथित 'रेप गैंगळ को लेकर एक तीखी और संवेदनशील बहस छिड़ गई है। ग्रेट यारमाउथ से निर्दलीय सांसद रूपर्ट लोव द्वारा जारी एक रिपोर्ट के बाद देश में हड़कंप मच गया है, जिसमें दावा किया गया है कि देशभर के 85 इलाकों में पाकिस्तानी बलात्कारियों के गिरोह सक्रिय हैं जो दशकों से भोली-भाली बच्चियों को अपना शिकार बना रहे हैं। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद सांसद ने सरकार से सभी पाकिस्तानी अपराधियों को देश से निकालने और पाकिस्तान को वीजा जारी करने पर रोक लगाने की मांग की है।सांसद रूपर्ट लोव लंबे समय से पाकिस्तानी मूल के प्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चला रहे हैं। सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्गळ पर एक पोस्ट में उन्होंने अपनी मांगों को और मुखर कर दिया। उन्होंने लिखा, अगर सरकार निर्वासन की धमकियों को लेकर गंभीर है, तो पाकिस्तान से शुरुआत करें। जब तक वे निर्वासित बलात्कारियों/ अपराधियों को वापस स्वीकार नहीं कर लेते, तब तक पाकिस्तान को एक भी वीजा जारी न करें। इसके साथ ही, पाकिस्तान को भेजी जाने वाली विदेशी सहायता की पाई-पाई बंद करें। यह बहुत मुश्किल काम नहीं है।इस रिपोर्ट और मांगों को दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क का भी समर्थन मिला है। मस्क ने लोव की जांच का समर्थन करते हुए ब्रिटेन की आप्रवासी नीतियों पर निशाना साधा था।रूपर्ट लोव का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कुछ दिन पहले ही पाकिस्तानी मूल की मुस्लिम सांसद शबाना महमूद को ब्रिटेन की नई गृह मंत्री नियुक्त किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि शबाना महमूद ने खुद हाल ही में घोषणा की थी कि वह उन देशों के खिलाफ वीजा निलंबन जैसे सख्त कदम उठाएंगी, जो अपने 'अवैध और अपराधीळ नागरिकों को वापस लेने से इनकार करते हैं। अब सांसद लोव उन्हीं के बयान का हवाला देकर पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के लिए दबाव बना रहे हैं।

अपराधियों के मुद्दे के अलावा, सांसद लोव ने ब्रिटेन में हलाल मीट पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

रूपर्ट मर्डोक परिवार में समझौता, लाचलन का रहेगा विशाल मीडिया साम्राज्य पर नियंत्रण

वाशिंगटन (अमेरिका) ,09 सितंबर (एजेंसियां)।

रूपर्ट मर्डोक परिवार में उत्तराधिकार की लड़ाई थम गई है। परिवार के सदस्यों ने अदालत से हटकर समझौता कर लिया है। समझौते के अनुसार, परिवार के विशाल मीडिया साम्राज्य पर आने वाले दशकों तक रूपर्ट के रूढ़िवादी पुत्र लाचलन मर्डोक का नियंत्रण रहेगा। परिवार ने सोमवार को इसकी घोषणा की। इस समझौते में स्पष्ट किया गया है कि फॉक्स न्यूज, द न्यूयॉर्क पोस्ट और द वॉल स्ट्रीट जर्नल सहित साम्राज्य के विभिन्न मीडिया संस्थान का संचालन पिता रूपर्ट की मृत्यु के बाद लाचलन ही करेंगे। समझौते की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के अनुसार, इसका मूल्य 3.3 अरब डॉलर है। रिपोर्ट के अनुसार, यह समझौता रूपर्ट और लाचलन की परिवार के अपरिवर्तनीय ट्रस्ट की शर्तों को एकतरफा रूप से बदलने के बाद हुआ है। लाचलन के सबसे बड़े भाई-बहनों प्रू, लिज़ और जेम्स ने समझौते पर सहमति जताई है। शुरुआत में यह प्रयास अदालत में विफल रहा, लेकिन अंततः दोनों पक्षों को बातचीत की मेज पर लाया गया। इस समझौते से 94 वर्षीय रूपर्ट को वह सब कुछ मिल गया है जिसकी उन्हें लंबे समय से तलाश थी। अपने चुने हुए उत्तराधिकारी लैकलन के नेतृत्व में वह खुश नजर आ रहे हैं। समझौते की शर्तों के अनुसार, लैकलन के तीन सबसे बड़े भाई-बहनों को साम्राज्य में अपने सभी शेयरों के लिए 1.1 अरब डॉलर मिलेंगे। ये शेयर वर्तमान में मौजूदा पारिवारिक ट्रस्ट में हैं। ट्रस्ट को भंग कर दिया जाएगा। इस समझौते के तहत रूपर्ट और लैकलन तथा तीनों भाई-बहनों के बीच ट्रस्ट को लेकर चल रहा मुकदमा समाप्त हो जाएगा। मर्डोक परिवार नया ट्रस्ट बनाएगा। इसमें लैकलन और उनकी दो छोटी बहनें ग्रेस और क्लोई शामिल होंगी। यह ट्रस्ट मर्डोक की दो प्रमुख मीडिया कंपनियों फॉक्स कॉर्पोरेशन और न्यूज कॉर्पोरेशन में नियंत्रक हिस्सेदारी रखेगा। नया ट्रस्ट 2050 में समाप्त हो जाएगा।

हाउस ओवरसाइट कमेटी ने जेफरी एपस्टीन के अधिकांश दस्तावेज सार्वजनिक किए

वाशिंगटन,09 सितंबर (एजेंसियां)।

हाउस ओवरसाइट कमेटी ने एक समन के जवाब में जेफरी एपस्टीन से जुड़े अधिकांश दस्तावेज (रिकॉर्ड) को सार्वजनिक कर दिया है। इसमें जेफरी एपस्टीन के 50वें जन्मदिन पर 2003 में प्रकाशित एक किताब की संपादित प्रति भी शामिल है। इस रिकॉर्ड के जुड़े वकीलों ने समिति को बताया कि उन्होंने किताब में शामिल महिलाओं और नाबालिगों के नाम और तस्वीरें इसलिए संपादित कीं ताकि एपस्टीन के किसी भी संभावित पीड़ित की पहचान न हो सके।

रिपोर्ट में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, एपस्टीन के जन्मदिन पर लिखी गई किताब के कुछ हिस्सों को संपादित करके प्रकाशित किया गया है। इसमें कई अश्लील प्रविष्टियां हैं। इनकी विषय वस्तु डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर वाली एक किताब जैसी प्रतीत होती है। ऐसा प्रतीत होता है कि एक नोट अरबपति और विक्टोरिया सीक्रेट की लंबे समय से प्रमुख रहीं लेस्ली वेक्सनर का था। उस नोट की रिपोर्ट सबसे पहले द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने प्रकाशित की थी। इसमें एक भद्दा चित्र था। हस्ताक्षरकर्ता ने लिखा था, मैं तुम्हें वो दिलाना चाहता था जो तुम चाहती हो...। वेक्सनर ने अपने प्रवक्ता के माध्यम से इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

व्हाइट हाउस इस इस दस्तावेज को फर्जी बताया है। संचार विभाग के उप प्रमुख टेलर बुडोविच ने इस बात को स्पष्ट करने के लिए राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की कई हालिया तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं। केंटकी के

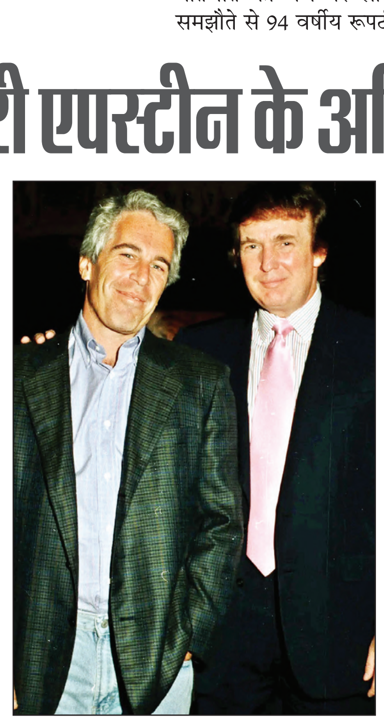

प्रतिनिधि जेम्स आर. कॉमर ने हाउस ओवरसाइट कमेटी के अध्यक्ष के रूप में एपस्टीन एस्टेट को तथाकथित जन्मदिन की किताब के लिए समन जारी किया था। उन्होंने डेमोक्रेट्स पर एपस्टीन फाइलों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। एक बयान में उन्होंने डेमोक्रेट्स पर दस्तावेजों को चुन-चुनकर पेश करने और जानकारी का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। कॉमर के बयान में अश्लील चित्र और उनके पैनल के डेमोक्रेट्स के जारी किए गए चित्र को स्वीकार नहीं किया गया। बयान में केवल इतना कहा गया कि राष्ट्रपति ट्रंप पर किसी भी गलत काम का आरोप नहीं है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने सोमवार को दस्तावेज जारी होने के बाद इस मुद्दे को एक फर्जी कांड बताकर खारिज कर दिया। हालांकि ट्रंप ने अभी तक दस्तावेज जारी होने पर कोई टिप्पणी नहीं की है। साउथ डकोटा के रिपब्लिकन और बहुमत के नेता सीनेटर जॉन थून ने हाउस ओवरसाइट कमेटी में डेमोक्रेट्स के जारी किए गए एक अश्लील नोट और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर वाले चित्र पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सीनेट से बाहर निकलते हुए उन्होंने कहा, मैंने ऐसा नहीं देखा। अभी-अभी शहर में आया हूं। रिपोर्ट के अनुसार, अन्य प्रविष्टियों में और भी गंभीर संदर्भ हैं। द रियल मशरूम के छद्म नाम से हस्ताक्षरित एक नोट में बताया गया था कि कैसे गिस्लेन मैक्सवेल ने उसे एपस्टीन को मालिश देने के लिए भर्ती किया था।

मैक्सवेल पर एपस्टीन की कुछ नाबालिग पीड़ितों को मालिश देने के लिए भर्ती करने का आरोप था, जिनमें ट्रंप के मार-ए-लागो क्लब की एक 16 वर्षीय कर्मचारी भी शामिल थी। एक अन्य प्रविष्टि जिसमें लेखक के हस्ताक्षर हटा दिए गए थे में फर्श पर सो रही एक लड़की से जुड़ी एक साझा स्मृति का एक सांकेतिक संदर्भ दिया गया है। नोट में एक बच्चों जैसा रेखाचित्र था और लेखिका एपस्टीन से पूछती हैं- क्या यह आपकी पुरानी यादें ताजा कर देता है।

महिला एशिया कप के सुपर-4 में अजेय अभियान जारी रखने उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली,09 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय महिला हॉकी टीम महिला एशिया कप 2025 के सुपर-4 चरण में अपने अजेय अभियान को जारी रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी। हांगझोउ में चल रहे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के अहम चरण में भारत का सामना मेज़बान चीन, मौजूदा चैंपियन जापान और कोरिया जैसी मजबूत टीमों से होगा।

भारत ने पूल-बी में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। टीम ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 11-0 से मात दी, उसके बाद जापान से 2-2 की रोमांचक ड्रॉ खेली और फिर सिंगापुर को 12-0 से हराते हुए धमाकेदार अंदाज में सुपर-4 में जगह बनाई।

भारतीय फॉरवर्ड नवनीत कौर और मुमताज़ खान बेहतरीन लय में नज़र आईं और पूल चरण में पांच-पांच गोल दागे। टीम को उनसे सुपर-4 में भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। इस चरण में सभी चार टीमें भारत, चीन, जापान और कोरिया एक-दूसरे से भिड़ेंगी। शीर्ष दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी, जबकि शेष दो टीमें तीसरे स्थान के लिए मुकाबला करेंगी। भारत का पहला मैच 10 सितंबर को कोरिया से, 11 सितंबर को चीन से और 13 सितंबर को जापान से होगा। पिछले पांच मुकाबलों में भारत ने कोरिया पर बढ़त बनाए रखी है। तीन मैच भारत ने जीते हैं, एक कोरिया के नाम रहा और एक ड्रॉ पर खत्म हुआ। भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हम टीम की शुरुआत से खुश हैं। खिलाड़ियों ने अच्छा इरादा दिखाया है, अनुशासन बनाए रखा और आक्रामक मौकों को भुनाया है, लेकिन सुपर-4 चरण बिल्कुल अलग चुनौती होगी। हमारा ध्यान डिफेंस को मजबूत रखने और मौकों को गोल में बदलने पर होगा। यहां गलती की कोई गुंजाइश नहीं है, इसलिए निरंतरता और संयम बेहद अहम होंगे। खिलाड़ी जिम्मेदारी समझते हैं और भारतीय जर्सी पहनने का गर्व भी महसूस करते हैं। मुझे विश्वास है कि हम अपनी प्रक्रिया पर भरोसा रखते हुए लक्ष्य हासिल करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

भारत ने ओमान को हराकर सीएएफए नेशंस कप 2025 में तीसरा स्थान हासिल किया

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने सीएएफए नेशंस कप में इतिहास रचते हुए ओमान को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। यह मुकाबला सोमवार को ताजिकिस्तान के हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में खेला गया। यह पहली बार है जब भारत ने वेस्ट एशिया की इस उच्च रैंकिंग वाली टीम को मात दी है। हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा। भारत की ओर से उदांता सिंह ने बराबरी का गोल दागा। इसके बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में गया, जहां ओमान ने शुरुआती दो मौके गंवा दिए। भारत के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अंतिम पेनल्टी बचाकर टीम को जीत दिलाई। शूटआउट में भारत के लिए लालियानजुआला छांगते, राहुल भेके और जितिन एमएस ने गोल किए, जबकि अनवर अली और उदांता अपने प्रयासों में चूक गए। गौरतलब है कि दोनों टीमों ने अपने-अपने ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल किया था, जिसके बाद यह तीसरे स्थान के लिए मुकाबला खेला गया। भारत और ओमान के बीच साल 2000 के बाद से अब तक नौ मुकाबले हुए हैं, जिनमें से छह बार भारत को हार का सामना करना पड़ा। दोनों टीमें आखिरी बार मार्च 2021 में आमने-सामने हुई थीं, तब मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा था।

वानुआतु की कप्तान रेचल एंड्रयू ने टी20 में रचा इतिहास, हैट्रिक के साथ खेली नाबाद 85 रनों की पारी

नई दिल्ली। वानुआतु की कप्तान रेचल एंड्रयू ने टी20 इंटरनेशनल में यादगार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को जीत की राह दिखाई। आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 ग्लोबल क्वालिफायर में जगह बनाने की जंग में एंड्रयू ने इंडोनेशिया के खिलाफ शानदार हैट्रिक ली और साथ ही नाबाद 85 रनों की पारी खेली। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ ही वह रिकॉर्ड बुक में शामिल हो गईं। 27 वर्षीय एंड्रयू वानुआतु की सिर्फ दूसरी महिला खिलाड़ी बनीं, जिन्होंने टी20आई में हैट्रिक हासिल की। खास बात यह है कि वह इस फॉर्मेट में अर्धशतक और हैट्रिक का अनोखा डबल करने वाली भी दूसरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले उनकी साथी खिलाड़ी सेलिना सोलमन ने इस साल फ्रांस के खिलाफ नाबाद 56 रन बनाए थे और 4 विकेट झटके थे। फिजी में खेले जा रहे ईस्ट-एशिया पैसिफिक क्वालिफायर के पहले मुकाबले में वानुआतु ने एंड्रयू की बल्लेबाजी के दम पर 131 रन बनाए। जवाब में इंडोनेशिया ने मारिया कोरोज़ोन और देसी वुलंदरी की 55 रनों की साझेदारी से अच्छी शुरुआत की, लेकिन एंड्रयू (3/10) और नासिमाना नवाइका (3/27) की घातक गेंदबाजी ने मैच पलट दिया। एंड्रयू को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ वानुआतु ग्रुप-बी में दूसरे स्थान पर है, जबकि मेजबान फिजी शीर्ष पर काबिज है। उल्लेखनीय है कि फिजी में चल रहा यह आठ टीमों का टूर्नामेंट आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालिफायर का अंतिम स्थान तय करेगा।

स्टोक्स अभ्यास के लिए मैदान में उतरे, एशेज से पहले हुई वापसी से टीम को मिली राहत

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स कंधे की चोट से उबरने के बाद अब अभ्यास के लिए मैदान पर वापस आ गये हैं।

स्टोक्स की एशेज से पहले वापसी से इंग्लैंड टीम प्रबंधन को राहत मिली है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज 21 नवंबर से 8 जनवरी के बीच खेलेंगी। पहले कहा जा रहा था कि स्टोक्स की वापसी मुश्किल होगी पर इस क्रिकेटर ने समय से पहले ही फिटनेस हासिल कर ली है। काउंटी टीम डरहम के साथ नेट्स में अभ्यास कर अपनी फिटनेस को लेकर सभी आशंकाओं को खारिज कर दिया। डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने कहा कि स्टोक्स ट्रेनिंग के दौरान नेट्स पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। कैंपबेल ने कहा, स्टोक्स ट्रेनिंग पर वापस आ गए हैं। पिछले सप्ताह से उन्होंने बल्लेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने करीब दो घंटे तक बल्लेबाजी की। उनकी बल्लेबाजी अच्छी नजर आ रही थी हालांकि उन्हें गेंदबाजी में अभी समय लगेगा। कैंपबेल के अनुसार इंग्लैंड की टीम एशेज तभी जीत सकती है, जब स्टोक्स पांचों टेस्ट मैच खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन करें पर उन्हें नहीं लगता कि ऐसा हो पाएगा।

बेंगलुरु बुल्स ने जीत की रफ़्तार पकड़ी हरियाणा स्टीलर्स को 40-33 से हराया

विजाग,09 सितंबर (एजेंसियां)।

बेंगलुरु बुल्स ने सोमवार को विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मुकाबले में शानदार रणनीति और दमदार खेल का प्रदर्शन करते हुए हरियाणा स्टीलर्स को 40-33 से हराया। टीम की जीत में ईरानी रेडर अलीरेज़ा मिर्ज़ायन का अहम योगदान रहा, जिन्होंने लगातार दूसरा सुपर-10 लगाया। कप्तान योगेश और दीपक शंकर के नेतृत्व वाली मजबूत डिफेंस ने भी जीत में बड़ा रोल निभाया।

हेड कोच बीसी रमेश ने टीम की इस जीत को योजनाबद्ध रणनीति और सटीक क्रियान्वयन का नतीजा बताया। उन्होंने कहा, हमने पिछली बार की तरह ही दो डिफेंडर और दो रेडर के प्लान पर काम किया। अलीरेज़ा को सपोर्टिंग रेडर रखा गया था और आशीष मलिक मुख्य रेडर थे। इस बार हमारे लकी कैप्टन योगेश ने सही समय पर टैकल किए और टीम को प्रेरित किया।

रमेश ने अलीरेज़ा की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनमें एक दुर्लभ प्रतिभा है। वह शानदार रेडर है। हमने तीन रेडरों के साथ योजना बनाई थी, लेकिन उसे बढ़त देने का फैसला किया। उसका आत्मविश्वास असाधारण है—वह लगातार कहता रहा, 'सर, मुझे भेजो, मैं करके दिखाऊंगा।' यही विश्वास और जज़्बा उसे खास बनाता है। वह ईरान का अगला बड़ा सितारा है।

कोच ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा पर भी जोर दिया। उन्हें डिफेंड करना आता है, साथी खिलाड़ियों की मदद करना आता है और अहम मौकों पर अंक बटोरना भी।

कप्तान योगेश ने भी अलीरेज़ा की तारीफ करते हुए कहा, वह आत्मविश्वासी रेडर है जो मानता है कि किसी भी टीम के खिलाफ अंक ले सकता है। वह लगातार टीम से संवाद करता है, चाहे रेडिंग रणनीति हो या डिफेंसिव एडजस्टमेंट और यही चीज़ बड़ा फर्क लाती है।

अलीरेज़ा ने अपनी शानदार फॉर्म का श्रेय कोच रमेश को दिया। उन्होंने कहा, मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। वह सबसे अच्छे कोच हैं। उन्होंने कहा कि खुद पर भरोसा रखो और आसानी से खेलो। उनका विश्वास ही मुझे आत्मविश्वास देता है।

लगातार दूसरी जीत और अलीरेज़ा की शानदार लय के साथ बेंगलुरु बुल्स ने जीत की रफ्तार पकड़ ली है। कोच रमेश ने कहा, हमारी टीम को जीतना है और यह तो बस शुरुआत है। ऐसे मैच हमारे लिए टर्निंग प्वाइंट साबित होते हैं।

पुनेरी पल्टन के खिलाफ जीत की पटरी पर लौटने उतरेगी यूपी योद्धाज

विशाखापट्टनम। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीज़न 12 में यूपी योद्धाज विशाखापट्टनम के विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में पुनेरी पल्टन से भिड़ेंगे और इस मैच को जीतकर वे जीत की पटरी पर वापसी चाहेंगे। अभी तक तीन मैचों से चार अंक जुटाकर योद्धाज अंकतालिका में पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने दो मुकाबले जीते हैं। दूसरी ओर, छह अंकों के साथ पुनेरी पल्टन दूसरे स्थान पर है। उन्होंने पांच मैच खेले हैं और पिछला मुकाबला पटना पाइरेट्स से 11 अंकों के अंतर से गंवाया है। नए सीजन की शुरुआत यूपी की टीम ने शानदार ढंग से की है। पहले तेलुगु टाइटंस और फिर पटना पाइरेट्स को हराने के बाद हरियाणा स्टीलर्स के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में अपने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया था। उनकी डिफेंस की मजबूती ने पूरे लीग के प्रतिद्वंद्वी कोचों का ध्यान खींचा है। टीम का टैकल सफलता दर 42.02 प्रतिशत है और तीन सुपर टैकल किए हैं, जो दोनों ही विभागों में चौथे स्थान पर है। कप्तान सुमित सांगवान 15 टैकल अंक और 2 हाई 5 के साथ लीग में सबसे आगे हैं। वहीं, अटैक में गगन गौड़ा लगातार खतरा बने हुए हैं। वह औसतन 11.33 रेड अंक प्रति मैच ले रहे हैं और तीन सुपर रेड कर चुके हैं। यूपी योद्धाज के सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने मैच से पहले कहा, पुनेरी पल्टन एक ऐसी टीम है जो समन्वय के साथ खेलती है। हमें अपनी रणनीति उसी के अनुरूप बनानी होगी। दोनों टीमें आक्रमण में मजबूत हैं, इसलिए मेरा मानना है कि जो टीम कम गलतियां करेगी, वही विजेता बनेगी। अब तक खेले गए तीनों मुकाबलों में यूपी योद्धाज ने मैट पर हर विभाग में संतुलित खेल दिखाया है। रणनीतिक दृष्टिकोण और खिताब जीतने के लिए उत्सुक युवा खिलाड़ियों के साथ टीम अपने अगले ग्रुप-स्टेज मुकाबले में भी एकजुट होकर जीत की ओर बढ़ने का इरादा रखती है।

एशिया पैसिफिक एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप में भारत का नेतृत्व करेंगे रक्षित दहिया और अंशुल मिश्रा

नई दिल्ली,09 सितंबर (एजेंसियां)।

मौजूदा ऑल इंडिया एमेच्योर चैंपियन अंशुल मिश्रा और उभरते युवा गोल्फर रक्षित दहिया भारत की ओर से दुबई में होने वाली 16वीं एशिया पैसिफिक एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप में भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 23 से 26 अक्टूबर तक एमिरेट्स गोल्फ क्लब के विश्वस्तरीय मजलिस कोर्स पर खेला जाएगा। भारत की ओर से रक्षित और अंशुल के अलावा राघव गुलाटी और रणवीर मितरू भी मैदान में उतरेंगे। चारों खिलाड़ियों के पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। खासकर राघव गुलाटी ने दुबई में कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है और वह वहीं अधिक समय बिताते हैं। भारत के चार खिलाड़ियों में से केवल रक्षित दहिया को पहले इस चैंपियनशिप का अनुभव है। उन्होंने 2024 में जापान में खेले गए संस्करण में कट हासिल कर टाई-37वां स्थान प्राप्त किया था। दहिया ने इस साल दिल्ली गोल्फ क्लब जूनियर्स, दिल्ली एनसीआर कप और समरवीर साही एमेच्योर जैसे बड़े खिताब जीते। साथ ही प्रो गोल्फर्स टूर ऑफ इंडिया के कोल इंडिया ओपन में शीर्ष-10 में जगह बनाकर पेशेवरों के बीच अपनी क्षमता साबित की। अंशुल मिश्रा ने 2024 में 132 वर्षीय ऐतिहासिक ऑल इंडिया एमेच्योर जीता। हाल के महीनों में उन्होंने अमेरिका में एफसीजी कैलावे टूर्नामेंट में उपविजेता रहते हुए दुबई और सिंगापुर में भी शीर्ष-10 में जगह बनाई। उन्होंने अमेरिका में जूनियर पीजीए, यूएस जूनियर एमेच्योर और कैलावे वर्ल्ड जूनियर जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट भी खेले। राघव गुलाटी ने दुबई में एफजेटी मिडिल ईस्ट और टॉमी फ्लिटवुड पाथवे इंटरनेशनल टूर्नामेंट जीतकर अपनी पहचान बनाई, जबकि रणवीर मितरू ने हांगकांग और सिंगापुर में एशिया-पैसिफिक जूनियर्स तथा अमेरिका में एजेजीए टूर्नामेंट में शीर्ष-10 हासिल किए। एशिया पैसिफिक एमेच्योर चैंपियनशिप को एमेच्योर गोल्फ का सबसे आकर्षक टूर्नामेंट माना जाता है। विजेता को 2026 मास्टर्स टूर्नामेंट का निमंत्रण और 154वें ओपन (2026) में सीधा प्रवेश मिलेगा। उपविजेताओं को द ओपन क्वालिफाइंग सीरीज में स्थान मिलेगा, जबकि शीर्ष तीन खिलाड़ियों को 131वीं एमेच्योर चैंपियनशिप में सीधा प्रवेश मिलेगा। लगभग 120 खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे, जिसे 2009 में एशिया-पैसिफिक गोल्फ कॉन्फेडरेशन, द आर एंड ए और मास्टर्स टूर्नामेंट ने मिलकर शुरू किया था।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शिनवारी ने संन्यास लिया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज उस्मान शिनवारी ने अंतरराष्ट्रीय करियर से संन्यास की घोषणा कर दी है। शिनवारी ने छह साल के अपने करियर में 34 मैच खेले हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार इस क्रिकेटर ने अंतिम बार साल 2019 में खेला था। इस तेज गेंदबाज ने साल 2013 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण के बाद से ही श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय और टेस्ट डेब्यू भी किया। इस गेंदबाज ने 17 एकदिवसीय और 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 34 और 13 विकेट लिए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन दिसंबर 2019 में श्रीलंका के खिलाफ रहा था। जो पाकिस्तान के लिए उनका आखिरी मैच भी साबित हुआ। तब शिनवारी ने अपने दूसरे एकदिवसीय मैच में शारजाह में श्रीलंका के खिलाफ 5 विकेट लिए थे। वहीं साल 2019 में हुए एकदिवसीय मैच में श्रीलंका के खिलाफ 5 विकेट लिए थे।

पाक से मुकाबले के पहले सूर्या बोले-क्रिकेट में सफलता के लिए आक्रामकता बेहद जरूरी

दुबई,09 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साफ कहा कि क्रिकेट में सफलता के लिए आक्रामकता बेहद ज़रूरी है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा, मैदान पर आक्रामकता हमेशा रहती है और इसके बिना आप यह खेल नहीं खेल सकते। मैं इस मुकाबले के लिए बहुत उत्साहित हूं।

भारत अपने अभियान की शुरुआत बुधवार को दुबई में यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि पाकिस्तान शुक्रवार को इसी मैदान पर ओमान से भिड़ेगा। सूर्यकुमार की टिप्पणी पर पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने जवाब देते हुए कहा कि हर खिलाड़ी की अपनी अलग शैली होती है और उन्हें मैदान पर खुद को खुलकर व्यक्त करने की आज़ादी मिलनी चाहिए। आगा ने कहा, किसी खिलाड़ी को कुछ कहने की ज़रूरत नहीं है। अगर कोई मैदान पर आक्रामक होना चाहता है तो उसका स्वागत है।

गौरतलब है कि एशिया कप 2022 के पिछले टी20 मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को 5 विकेट से हराया था। उस मैच में मोहम्मद नवाज़ ने 20 गेंदों पर 42 रन बनाकर और गेंदबाज़ी में एक विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता था।

भारत 19 सितंबर को अबू धाबी में ओमान के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलेगा। इसके बाद शीर्ष दो टीमें सुपर-4 चरण में पहुंचेंगी। यदि भारत ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान पर रहता है, तो उसके सभी सुपर-4 मैच दुबई में होंगे। वहीं, दूसरे स्थान पर रहने की स्थिति में एक मैच अबू धाबी और बाकी दो दुबई में खेले जाएंगे। सुपर-4 चरण 20 से 26 सितंबर तक चलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा।

जर्मनी-दक्षिण अफ्रीका मुकाबले से होगा जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप का आगाज़, मेज़बानी करेगा तमिलनाडु

चेन्नई,09 सितंबर (एजेंसियां)।

एफआईएच हॉकी जूनियर पुरुष विश्व कप तमिलनाडु 2025 का मैच शेड्यूल सोमवार को चेन्नई में आयोजित भव्य समारोह में जारी किया गया।

शेड्यूल के मुताबिक मौजूदा चैंपियन जर्मनी अपने अभियान की शुरुआत मदुरै में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले से करेगा। मेज़बान भारत चेन्नई में चिली के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा।

यह पहला मौका होगा जब 24 टीमों की भागीदारी के साथ जूनियर वर्ल्ड कप आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा।

टूर्नामेंट के पूल इस प्रकार हैं:

- **पूल ए :** जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा, आयरलैंड
- **पूल बी :** भारत, पाकिस्तान, चिली, स्विट्ज़रलैंड
- **पूल सी :** अर्जेंटीना, न्यूज़ीलैंड, जापान, चीन
- **पूल डी :** स्पेन, बेल्जियम, मिस्र, नामीबिया
- **पूल ई :** नीदरलैंड्स, मलेशिया, इंग्लैंड, ऑस्ट्रिया
- **पूल एफ :** फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया, बांग्लादेश

इस अवसर पर एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इक़राम ने कहा – पहली बार 24 टीमों के साथ जूनियर विश्व कप होना हमारे लिए ऐतिहासिक है। यह उभरते देशों को भी बड़े मंच पर मौका देगा। तमिलनाडु अपनी संस्कृति और हॉकी प्रेम से टूर्नामेंट को यादगार बनाएगा।

उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा – तमिलनाडु के लिए यह गर्व का क्षण है कि हम चेन्नई और मदुरै में विश्व कप की मेज़बानी करेंगे। यह आयोजन युवाओं को हॉकी अपनाने के लिए और प्रेरित करेगा।

हॉकी इंडिया अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, यह ऐतिहासिक संस्करण भारतीय हॉकी के लिए गर्व की बात है। अब काउंटडाउन शुरू हो चुका है।

महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, फिक्स्चर्स के ऐलान से खिलाड़ियों और दर्शकों की उत्सुकता दोगुनी हो गई है। चेन्नई और मदुरै मिलकर त्योहार जैसे माहौल में दुनिया का स्वागत करेंगे।

समारोह में एफआईएच अध्यक्ष तैय्यब इक़राम, तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन, अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. अतुल्य मिश्रा (आईएएस), स्पोर्ट्स डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ तमिलनाडु (एसडीएटी) के सीईओ/सदस्य सचिव थिरु जे. मेघनाथा रेड्डी (आईएएस), हॉकी इंडिया अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष श्री शेखर जे. मनोहरन उपस्थित रहे।

सर्राफा बाजार में शिखर से फिसला सोना चांदी ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली,09 सितंबर (एजेंसियां) ।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी ने 3 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की छलांग लगाकर मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,08,370 रुपये से लेकर 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना 99,340 रुपये से लेकर 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के ऑल टाइम हाई लेवल पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,08,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,08,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 99,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,08,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,08,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,08,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 99,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,08,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

भारत-जापान डाक नवाचार और डिजिटल सहयोग बढ़ाने पर सहमत

नई दिल्ली। भारत और जापान ने डाक क्षेत्र में नवाचार और डिजिटल सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सहयोग पर सहमति व्यक्त की है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस के दौरान जापान के आंतरिक मामलों और संचार राज्य मंत्री मसाशी अदाची के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य डाक सेवा में नई तकनीकों और डिजिटल नवाचारों को अपनाकर सेवाओं को बेहतर बनाना था। दोनों पक्षों ने भारतीय डाक और जापान डाक के बीच सहयोग की विस्तृत रूपरेखा तैयार की। इस सहयोग से डाक सेवाओं का आधुनिकीकरण और डिजिटल रूपांतरण होगा, जिससे ग्राहकों को तेजी और सुविधा मिलेगी। यह पहल दोनों देशों के डाक सेवाओं को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मददगार साबित होगी ।

प्रल्हाद जोशी बुधवार को अत्याधुनिक ईवी परीक्षण सुविधा का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय

ऊर्जा मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी 10 सितंबर को कोलकाता के अलीपुर क्षेत्रीय प्रयोगशाला में अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) परीक्षण सुविधा का उद्घाटन करेंगे। मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि सतत गतिशीलता को बढ़ावा देने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के भारत के मिशन के अनुरूप यह उद्घाटन राजधानी नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान किया जायेगा। मंत्रालय के मुताबिक उन्नत बुनियादी ढांचे से सुसज्जित यह प्रयोगशाला ईवी बैटरियों और उनके पुर्जों पर महत्वपूर्ण परीक्षण करेगी, जिनमें विद्युत सुरक्षा, एफसीसी या आईएसईडी अनुपालन, कार्यात्मक सुरक्षा, स्थायित्व, जलवायु परीक्षण (आईपी, यूवी, संक्षारण) और यांत्रिक एवं भौतिक सुरक्षा (ज्वलनशीलता, ग्लो वायर, आदि) शामिल हैं। ये सुविधा विशेष रूप से पूर्वी भारत में ईवी बैटरी निर्माताओं को विश्वसनीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त परीक्षण और प्रमाणन प्रदान करेगी, जिससे उत्पाद सुरक्षा, प्रदर्शन और नियामक अनुपालन सुनिश्चित होगा। मंत्रालय के मुताबिक इस सुविधा की स्थापना एक सशक्त ईवी इकोसिस्टम बनाने, आयात पर निर्भरता कम करने और घरेलू निर्माताओं को किफायती परीक्षण सेवाओं के साथ दृढ़ बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस विकास के साथ एनटीएच भारत के सतत परिवहन में एक प्रमुख प्रवर्तक और गुणवत्ता आश्वासन अवसंरचना में एक वैश्विक अग्रणी के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत करता है।

नई जीएसटी दरों में निर्बाध बदलाव के लिए व्यवसायों का सहयोग जरूरी: सीबीआईसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के प्रमुख संजय कुमार अग्रवाल ने व्यापार और उद्योग से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कर अधिकारियों की सक्रिय पहुंच की जरूरत पर जोर दिया है। कर अधिकारियों को लिखे एक पत्र में संजय अग्रवाल ने इस बात पर जोर दिया कि इन परिवर्तनकारी सुधारों के प्रभावी होने के साथ व्यापार और उद्योग जगत को इस बदलाव को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने में मदद करना समय की मांग है। सीबीआईसी प्रमुख ने कहा कि करदाताओं को संशोधित कर दरों और अनुपालन सरलीकरणों की स्पष्ट समझ सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय पहुंच और प्रभावी संवाद बेहद जरूरी होंगे। उन्होंने कहा कि अधिक जागरूकता से न केवल भ्रम कम होगा, बल्कि व्यवसायों, विशेषकर छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को सुधारों को सहजता से अपनाने और उनसे पूर्ण लाभ उठाने में भी मदद मिलेगी। संजय कुमार अग्रवाल ने 375 वस्तुओं पर घटी हुई जीएसटी दरों के प्रभावी होने पर व्यवसायों को सक्रिय सहयोग देने पर जोर दिया है। उन्होंने कर अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे व्यापार और उद्योग जगत को इस बदलाव के दौरान मार्गदर्शन प्रदान करें, ताकि संशोधित दरों और अनुपालन सरलीकरण की स्पष्ट समझ सुनिश्चित हो सके। जीएसटी परिषद ने पिछले हफ़्ते अपनी 56वीं बैठक में जीएसटी दरों को 5 और 18 फीसदी की दो-स्तरीय संरचना बनाने को मंजूरी दी है, जिसमें तंबाकू और संबंधित उत्पादों तथा अति-विलासिता वस्तुओं पर 40 फीसदी की विशेष दर लागू होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डीप स्टेट की साजिशों ...

कोस्टल मैनेजमेंट (एनसीएससीएम) ने मंजूरी दी है। एन-सीएससीएम की जमीनी जांच में पाया गया कि प्रोजेक्ट का इलाका सीआरजेड 1बी में है जहां बंदरगाह बनाना जायज है न कि सीआरजेड 1ए में, जहां निर्माण नहीं हो सकता। ये नियम तोड़ना नहीं, बल्कि नियमों का पालन है।

सोनिया गांधी ने जंगल कटाई की भरपाई के लिए पेड़ लगाने को पर्यावरण और इंसानियत की भयानक तबाही कहा। लेकिन वो ये नहीं बतातीं कि ये वन संरक्षण कानून के तहत जरूरी है, और इसकी सख्त निगरानी होती है। इसे पूरी तरह खारिज करना उन नियमों को नजरअंदाज करना है, जिन्हें भारत और सोनिया की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकारों ने दशकों तक माना। सोनिया गांधी यह बात छिपा लेती हैं कि भारत का 25 प्रतिशत कार्गो विदेशी बंदरगाहों से होकर जाता है। इसमें कोलंबो में चीन निर्मित टर्मिनल भी है, भारत का 40 प्रतिशत कारोबार संभालता है। वो ये भी नहीं कहतीं कि गलाथिया बे की 18-20 मीटर गहराई और पूर्व-पश्चिम शिपिंग रास्ते पर इसकी जगह भारत को सिंगापुर जैसा ट्रांसशिपमेंट हब बनाने का सौ साल में एक बार मिलने वाला मौका देती है। इससे हम बीजिंग से जुड़े बंदरगाहों पर निर्भरता खत्म कर सकते हैं। लेकिन कांग्रेस के लिए यह रणनीतिक बात जैसे है ही नहीं। पहले भी कांग्रेस सरकारों ने अंडमान-निकोबार में हवाई पट्टियां, रडार और बंदरगाहों के विस्तार को नाजुक पर्यावरण का हवाला देकर रोका। इसका नतीजा क्या निकला? ये द्वीप रणनीतिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ गए। सोनिया गांधी का लेख उसी चाल का नया हिस्सा है, जिसमें पर्यावरण का डर दिखाकर बड़े बदलाव वाले प्रोजेक्ट को रोका जाता है।

साल 2024 में नरेंद्र मोदी सरकार ने गलाथिया बे को प्रमुख बंदरगाह घोषित किया। 44,000 करोड़ रुपए का ये प्रोजेक्ट शिपिंग, बंदरगाह और जलमार्ग मंत्रालय के तहत बनेगा और इसे केंद्र से पैसा मिलेगा। इसे चार चरणों में बनाया जाएगा। पहला चरण 2028 तक पूरा होगा, जो 40 लाख टीईयू (कंटेनर) संभालेगा। 2058 तक ये बंदरगाह 1.6 करोड़ टीईयू तक संभाल सकता है। यह सिर्फ एक और बंदरगाह बनाने की बात नहीं है, बल्कि ये भारत की समुद्री कमजोरी को ठीक करने का मौका है। भारत के पूर्वी तट के ज्यादातर बंदरगाहों की गहराई 8-12 मीटर है, जो बड़े जहाजों के लिए कम है। दुनिया के बड़े बंदरगाह 12-20 मीटर गहरे हैं, जो 1.65 लाख टन से ज्यादा के जहाज संभाल सकते हैं। इसीलिए भारत का 25 प्रतिशत कार्गो कोलंबो, सिंगापुर और क्लैंग जैसे विदेशी बंदरगाहों से जाता है। इससे हर साल 1,500 करोड़ रुपए का सीधा नुकसान और अर्थव्यवस्था को 3,000-4,500 करोड़ का झटका लगता है।

गलाथिया बे की 18-20 मीटर की प्राकृतिक गहराई और पूर्व-पश्चिम समुद्री रास्ते के पास इसकी जगह इसे इस निर्भरता को खत्म करने के लिए बिल्कुल सही बनाती है। रणनीतिक तौर पर ये भारत को बांग्लादेश और म्यांमार के कार्गो के लिए सिंगापुर से मुकाबला करने की ताकत देता है, जहां अभी 70 प्रतिशत से ज्यादा कार्गो विदेशी बंदरगाहों से जाता है। सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय सुरक्षा की बात को सावधानी से छिपाया। भारत का 40 प्रतिशत से ज्यादा ट्रांसशिपमेंट कोलंबो से होता है, जहां चीन एक टर्मिनल चलाता है और उसने वहां अरबों रुपए लगाए हैं। श्रीलंका बीजिंग के कर्ज में डूबता जा रहा है और वहां चीनी जासूसी जहाज भी रुकते हैं। इससे भारत की कमजोरी साफ दिखती है। ऐसे में गलाथिया बे का विरोध करना पर्यावरण की चिंता नहीं, बल्कि रणनीतिक भूल है।

सोनिया गांधी ने कहा कि शोम्पेन और निकोबारी आदिवासियों का अस्तित्व दांव पर है और भारत की आने वाली पीढ़ियां इस बड़े पैमाने की तबाही को नहीं झेल सकतीं। लेकिन सच इसके उलट है: भारत अब विदेशी बंदरगाहों और चीन के दबदबे को बंधक बनकर नहीं रह सकता। ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर्यावरण को नष्ट करने का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को मज़बूत करने, नौकरियां पैदा करने और भारत को समुद्री ताकत बनाने का प्रोजेक्ट है। सोनिया का लेख पर्यावरण बचाने की गुहार कम, राजनीतिक चाल ज्यादा है। हर बड़े कदम को आपदा बताकर कांग्रेस नया विजन नहीं, बल्कि बदलाव का डर दिखाती है। असली आपदा होगी अगर ऐसा डर भारत के रणनीतिक भविष्य को पटरी से उतार दे।

सीपी राधाकृष्णन ...

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार, एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी और कई अन्य नेताओं ने भी मतदान किया। जेल में बंद सांसद इंजीनियर रशीद ने भी मतदान में हिस्सा लिया।संसद के हालिया मानसून सत्र के दौरान जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था, हालांकि उनका कार्यकाल दो साल बचा हुआ था। उनके इस्तीफे के कारण यह चुनाव हुआ। इस बार दोनों उम्मीदवार दक्षिण भारत से हैं। राधाकृष्णन तमिलनाडु से जबकि रेड्डी तेलंगाना से हैं।उपराष्ट्रपति पद के राजग (एनडीए) उम्मीदवार राधाकृष्णन तमिलनाडु की एक प्रमुख ओबीसी जाति गौंडर से आते हैं और आरएसएस की पृष्ठभूमि वाले हैं। राधाकृष्णन को 2023 में झारखंड का राज्यपाल बनाया गया था और फिर जुलाई 2024 में उन्हें महाराष्ट्र स्थानांतरित कर दिया गया था। अपने पूर्ववर्ती धनखड़ के विपरीत, राधाकृष्णन ने राज्यपाल के रूप में विवादास्पद राजनीतिक मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने से काफी हद तक परहेज किया है। वह 1998 में कोयंबटूर से पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए और 1999 में फिर से इस सीट से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे।

पूर्व पीएम...

चलते 20 लोगों की मौत हो गई। इसके बावजूद जब हिंसक प्रदर्शन नहीं रुके तो सरकार को अंदाजा हो गया कि हिंसा और बढ़ सकती है। देखते ही देखते नेपाल के गृह मंत्री ने स्थिति बिगड़ने के लिए पूरी तैयारी न होने की जिम्मेदारी ली और इस्तीफा दे दिया। इसके बाद सांसदों के इस्तीफे शुरू हो गए और कृषि मंत्री ने भी इस्तीफा दे दिया। आखिरकार मंगलवार दोपहर आते-आते नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भी इस्तीफा दे दिया। उनके नेपाल से चले जाने की खबरें भी सामने आईं। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

उपद्रव और अराजक प्रदर्शनों के बाद केपी शर्मा ओली द्वारा इस्तीफा देने के प्रकरण में बालेंद्र शाह उर्फ बालेन शाह का नाम चर्चा में है। ओली सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद नेपाल की युवा पीढ़ी बालेन शाह को नेता बनाने की मांग कर रही है। बालेन शाह काठमांडू के 15वें मेयर हैं। बालेन पेशे से सिविल इंजीनियर और रैपर भी रहे हैं। बालेन शाह ने साल 2022 में स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में काठमांडू के मेयर का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया था।

बहरहाल, बीते वर्षों में भारत के पड़ोस में जिन देशों में अशांति फैली है, उनमें अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, श्रीलंका और मालदीव शामिल हैं। अफगानिस्तान में अस्थिरता 2001 से ही शुरू हो गई थी, जब अमेरिका पर हुए 9/11 हमलों के बाद अमेरिका के नेतृत्व वाली नाटो सेनाओं ने ओसामा बिन लादेन की खोज के लिए हमला कर दिया था। नाटो सेनाओं ने इस दौरान न सिर्फ काबुल में बैठी तालिबान सरकार को सत्ता से बेदखल किया, बल्कि अलकायदा को तबाह करने के लिए लंबे समय तक सैन्य अभियान चलाया। इस बीच अफगानिस्तान में लोकतांत्रिक सरकारों के गठन की बात भी कही गई। हालांकि, देश में हिंसा जारी रही। 2011 में लादेन के मारे जाने के बाद धीरे-धीरे अमेरिका और अन्य देशों ने अफगानिस्तान में सेना को कम किया गया। इसके बाद 2021 तक आते-आते अमेरिका ने अपनी सेना को पूरी तरह अफगानिस्तान से वापस बुला लिया। इस फैसले के कुछ दिन बाद ही तालिबान ने एक के बाद एक अफगानिस्तान के शहरों को कब्जाते हुए राजधानी काबुल पर धावा बोल दिया और सत्ता पर कब्जा कर लिया।

पाकिस्तान में अस्थिरता की स्थिति कोई नई बात नहीं है। भारत के इस पड़ोसी मुल्क में अशांति 1947 से ही जारी है। कई बार लोकतांत्रिक सरकार के गठन की कोशिश को सेना ने नाकाम किया है। हालांकि, देश में ताजा अस्थिरता का दौर 2022 से आया, जब सेना के इशारे पर इमरान खान की सरकार को अविश्वास प्रस्ताव से गिरा दिया गया। इस तरह पाकिस्तान में एक बार फिर कोई भी सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करने में नाकाम रही। वर्तमान में शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज), बिलावल भुट्टो के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और अन्य बड़े-छोटे दलों के गठबंधन के जरिए सेना अब सरकार मे स्थिरता लाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और इमरान के कट्टर समर्थक अभी भी पाकिस्तान में सरकार के लिए मुश्किलों का सबब बने हुए हैं।म्यांमार में अस्थिरता का ताजा दौर 2021 में आया, जब सेना ने लोकतांत्रिक सरकार का तख्तापलट कर दिया। सेना का मानना था कि सरकार रोहिंग्या संकट से निपटने में सफल नहीं रही है। इसके बाद से ही म्यांमार में गृह युद्ध का दौर जारी है और सेना और कई बागी संगठन आपस में संघर्ष कर रहे हैं। इतना ही नहीं म्यांमार की कई स्थानीय जनजातियां भारत, थाईलैंड और चीन में शरण लेने को मजबूर हुई हैं। म्यांमार की सत्ता सेना के हाथ में होने के बावजूद म्यांमार में तनाव का अंत करीब नजर नहीं आ रहा है। हालांकि, सेना लगातार दावा करती रही है कि वह जल्द देश में चुनाव कराएगी।

श्रीलंका में स्थितियों का बिगड़ना 2021 के अंत में ही शुरू हो गया था। दरअसल, यहां राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे की खेती से जुड़ी नीतियों के चलते श्रीलंका के आर्थिक हालात लगातार बिगड़ते चले गए। आलम यह हुआ कि श्रीलंका कर्ज भरने में भी डिफॉल्टर हो गया। इसके चलते श्रीलंका में महंगाई तेजी से बढ़ने लगी। इन स्थितियों के बीच आम लोगों ने सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किए। यह प्रदर्शन एक समय इतने उग्र हो गए कि लोग नेताओं के घर में घुस गए। इस बीच राजपक्षे बंधुओं को देश छोड़कर भागना पड़ा। दोनों के इस्तीफे के बाद रानिल विक्रमसिंघे ने श्रीलंका की कमान संभाली। इसके बाद 2024 में श्रीलंका में चुनाव कराए गए और तबसे स्थितियां सुधारने की कोशिशें जारी हैं।बांग्लादेश में पिछले साल सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को खत्म करने की मांग के बहाने विरोध-प्रदर्शन शुरू हुआ था। इसके पीछे अमेरिकी डीप स्टेट की साजिश काम कर रही थी। बांग्लादेश में विरोध-प्रदर्शन के दौरान जमकर हिंसा हुई। शेख हसीना को हटाने की मांग करते हुए प्रदर्शनकारियों ने उनके आवास पर हमला कर दिया और शेख हसीना को देश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। उन्हें भारत में शरण मिली। शेख हसीना के जाने के बाद अमेरिकी डीप स्टेट ने अचानक मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का मुखिया बना कर पेश कर दिया। यूनुस ने कट्टर इस्लामिक आतंकी तत्वों से हाथ मिला कर पूरे बांग्लादेश को अराजकता की आग में झोंक दिया। यूनुस ने पाकिस्तान से भी हाथ मिला लिया और अब पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकी संगठन बांग्लादेश में अपना ठिकाना बना कर हिंदुओं और अल्पसंख्यकों का सफाया करने में लगे हैं।

तीन फौजी ...

सामरिक दृष्टि से इस ग्लेशियर का काफी महत्व है। 1984 से पहले इस जगह पर न तो भारत और न ही पाकिस्तान की सेना की उपस्थिति थी। 1972 के शिमला समझौते में सियाचिन इलाके को बेजान और बंजर करार दिया गया था, लेकिन इस समझौते में दोनों देशों के बीच सीमा का निर्धारण नहीं हुआ था। वर्ष 1984 में खुफिया जानकारी मिली कि पाकिस्तान सियाचिन ग्लेशियर पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद 13 अप्रैल 1984 को भारत ने अपनी सेना तैनात कर दी। यहां पर कब्जे के लिए सेना ने ऑपरेशन मेघदूत चलाया था।

सियाचिन ग्लेशियर का क्षेत्र पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके), अक्साई चिन और शक्सगाम घाटी से सटा हुआ है, जिसे पाकिस्तान ने 1963 में चीन को सौंप दिया था। यह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण इलाका है क्योंकि इससे दुश्मन की हरकतों पर नजर रखी जा सकती है। इसके साथ ही यह स्थान लेह से गिलगित आने-जाने वाले रास्तों को भी नियंत्रित करता है, जिससे इसकी सैन्य और रणनीतिक अहमियत और बढ़ जाती है।

1500 करोड़ रुपए...

उधर, बाढ़ के कारण पंजाब की स्थिति भी बहुत खराब हुई है। हालांकि बारिश कम होने से स्थिति थोड़ी सामान्य हुई है। बाढ़ से पंजाब में अब तक 51 लोग की मौत हो चुकी है। बाढ़ ग्रस्त कई गांवों में पानी का स्तर कम हो रहा है, लेकिन खतरा टला नहीं है। इन गांवों में बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। अब भी बहुत से गांव पूरी तरह से पानी में डूबे हैं। ऐसे में उन गांव में रह रहे लोगों के बीच कई तरह के संक्रमण फैलने की आशंका है।पंजाब के अमृतसर में डीसी साक्षी साहनी ने बताया कि जिला प्रशासन ने पीड़ितों के लिए साझा प्रयास योजना शुरू की है। इसके तहत प्रभावितों को मदद दी जाएगी। लोगों के पुनर्वास के लिए जिला प्रशासन काम करेगा। बाढ़ से जो लोग बेघर हो गए हैं, उन्हें योजना के अंतर्गत दानदाताओं और सामाजिक संगठनों के माध्यम से मदद पहुंचाई जाएगी। जिनके घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं और जिनके छोटे व्यापार भी बंद हो गए हैं, ऐसे ही परिवारों की सहायता के लिए इस अभियान की शुरुआत की गई है। यह योजना छह महीने तक चलेगी।

2035 तक भारत...

तकनीकी क्षमता दुनिया के सामने और मजबूत होकर उभरेगी। उन्होंने ये भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो को 2035 तक भारत का अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने और 2040 तक एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को चांद पर भेजने का लक्ष्य दिया है। इन लक्ष्यों ने भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को एक नई ऊंचाई दी है। पीएम मोदी ने कहा है कि भारत को आने वाले समय में अंतरिक्ष विज्ञान में अग्रणी देशों की पंक्ति में खड़ा होना होगा।इसरो प्रमुख ने बताया कि हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 400 से ज्यादा वैज्ञानिकों ने चौबीसों घंटे काम किया। मिशन में पृथ्वी अवलोकन और संचार उपग्रहों का उपयोग किया गया। इस दौरान सभी उपग्रह पूरी तरह सक्रिय रहे और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी जरूरतें पूरी की गईं। यह इस बात का सबूत है कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी अब रक्षा के क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभा रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बड़े पैमाने पर ड्रोन और लाइटरिंग म्यूनिशन का इस्तेमाल हुआ। इस मिशन में भारत के स्वदेशी एयर डिफेंस सिस्टम आकाश तीर की क्षमताओं का भी परीक्षण किया गया। इससे यह साबित हुआ कि भविष्य के सशस्त्र संघर्षों में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उपग्रह डेटा की भूमिका बेहद अहम होगी।

द बंगाल फाइल्स...

को जानबूझकर दबाया या अनदेखा किया गया। विकिपीडिया यह दावा कर रहा है कि फिल्म को आलोचकों से नकारात्मक समीक्षाएं मिली हैं। विकिपीडिया यह भी कह रहा है कि इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने के लिए फिल्म को खासा विरोध झेलना पड़ा है। विकिपीडिया ने अपने रिसेप्शन सेक्शन में द बंगाल फाइल्स फिल्म की नकारात्मक छवि स्थापित करने का नाकाम कोशिश की है।विकिपीडिया के अपने फीचर्ड आर्टिकल्स और गुड आर्टिकल्स में भी यही परंपरा अपनाई जाती है। द बंगाल फाइल्स को लेकर भी विकिपीडिया ने ऐसा ही किया। इसमें विकिपीडिया की संदेहास्पद पक्षधरता, एक सख्त नियंत्रित इकोसिस्टम, अनाम फंडिंग, भारत-विरोधी और हिंदू-विरोधी संगठनों का समर्थन, प्रकाशक की तरह काम करना और भारतीय कानूनों के दायरे में न आना जैसी बातें पहले ही उजागर हो चुकी हैं, लेकिन भारत सरकार विकिपीडिया के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई करने में अब तक नाकाम रही है।

बुधादित्य योग में इन राशियों को होगा सभी ओर से लाभ

आज यानी 10 सितंबर, बुधवार के दिन सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य योग बन रहा है, जो बहुत प्रभावशाली रहने वाला है। ऐसे में भगवान गणेश मेष, कन्या, धनु और कुंभ राशि को कारोबार में दोगुनी तरक्की दिलाने वाले हैं। इन्हें लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिलेंगे और आर्थिक मामलों में भी सफलता प्राप्त होगी। धन लाभ के शुभ योग बनते जाएंगे और समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी करने वालों को प्रमोशन मिलेगा और कार्यस्थल पर अधिकार बढ़ेंगे। प्रतियोगिताओं में जीत हासिल होगी और व्यापार में यात्राओं से सुखद परिणाम प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में सही निर्णय लेने से लाभ मिलेगा और कारोबार में मेहनत और प्रयास से सफलता प्राप्ति होगी। दिन खुशियों से भरा रहेगा और परिवार में भी सुखद माहौल रहेगा।

मेष : कारोबार में लाभ कमाने के मौके मिलेंगे

कार्यक्षेत्र में अगर कोई वाद-विवाद चल रहा था तो अब उसमें आपकी जीत हो सकती है। इससे आपको थोड़ा सुकून महसूस होगा। वहीं, व्यापार के मामले में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति सलाह की जरूरत पड़ सकती है, जिससे भविष्य में फायदा मिलने की संभावना है। वहीं, कारोबार में लाभ कमाने के अवसर मिलेंगे और दिन खुशियों से भरा रहेगा। लेकिन कानूनी मामलों में सावधान रहना जरूरी होगा।

वृषभ : प्रतियोगिता में मिलेगी जीत

दिन की शुरुआत में आप व्यवसाय से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकलने में ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। इसी के चलते थोड़ा तनाव भी महसूस होगा। अगर किसी प्रतियोगिता में भाग लिया है, तो वहां आपकी जीत हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। लेकिन इसके लिए आपको अधिक प्रयास और मेहनत करनी होगी। लव लाइफ के मामले में दिन सामान्य रहेगा।

मिथुन : सही निर्णय लेने से होगा लाभ

कार्यक्षेत्र में किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय पर पहुंचने से पहले आसपास के लोगों की भावनाओं का भी ख्याल रखें। ऐसा करने से आपको आत्मसंतोष होगा। साथ ही, आप सही फैसले पर पहुंच पाएंगे। नौकरी करने वाले कार्यस्थल पर टीमवर्क के जरिए किसी भी कठिन समस्या को आसानी से हर कर लेंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक माहौल शांतिपूर्ण बना रहेगा।

कर्क : कार्यस्थल पर नए मौके पहचानें

नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर खुद को साबित करने के सुनहरे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। लेकिन आपको इन मौकों को पहचानना होगा और अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करना होगा। ऐसा करने से लाभ प्राप्त हो सकता है। व्यापार के मामले में निवेशों से लाभ मिलने की संभावना है लेकिन आपको फैसले सोच-समझकर लेने होंगे। जल्दबाजी में नुकसान हो सकता है।

सिंह : कठिन समस्या होगी दूर

कार्यक्षेत्र में अगर किसी कठिन समस्या का सामना कर रहे हैं, तो अब उसका समाधान हो सकता है, जिससे सुकून महसूस होगा। वहीं, आपको किसी जानकार को कर्ज भी देना पड़ सकता है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर फैसले लेना जरूरी होगा। बड़ों से सलाह लेना आपके लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। आपको अचानक किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है।

कन्या : बिजनेस में होगा लाभ

आपको कार्यक्षेत्र में एक साथ कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ सकती हैं, जिसके लिए तैयार रहना होगा।

बिजनेस के मामले में थोड़ा जोखिम उठाने से आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। वहीं, व्यापार में किसी कामकाज के सिलसिले में यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आपको घर के अटके हुए काम पूरे करने का अवसर भी प्राप्त हो सकता है।

तुला : अनावश्यक खर्चों से बचें

अगर लंबे समय से आपको किसी का उधार देना था, अब उसे चुकाने में आपको कामयाबी मिल सकता है। आप कुछ जरूरी सामान की खरीदारी करने भी जा सकते हैं। लेकिन अपने बजट पर ध्यान देना जरूरी होगा और आर्थिक मामलों में सोच-समझकर फैसले लें। इस समय अनावश्यक चीजों को खरीदने से बचना जरूरी होगा। कार्यस्थल पर आपके आइडियाज की सराहना की जा सकती है।

वृश्चिक : कामकाज में रहेंगे बिजी

कामकाज में आप ज्यादा व्यस्त रहने वाले हैं। व्यापार के मामले में कुछ जरूरी कॉल्स और इमेल्स का जवाब देना पड़ सकता है। ऐसे में आप अन्य कार्यों पर थोड़ा कम ध्यान दे पाएंगे। नौकरी करने वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा। वहीं, आपसे कोई व्यक्ति उधार मांग सकता है। ऐसे में अपनी बचत पहले जरूर ध्यान दें। जल्दबाजी में फैसला लेने से नुकसान हो सकता है।

धनु : नौकरी में मिलेंगे नए अधिकार

नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर कुछ नए अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। आपकी किसी रचनात्मक कार्य में रुचि बढ़ेगी, जिससे तनाव कम करने में भी मदद मिलेगी। शाम के समय किसी जरूरी सामान की खरीदारी भी करने जा सकते हैं। व्यापार के मामले में कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी। लेकिन परिवार में किसी भी सदस्य से बहस करने से बचें। उनकी सलाह लेना ज्यादा बेहतर रहेगा।

मकर : प्रमोशन मिलने के योग

व्यापार में आप किसी नए प्रोजेक्ट या काम के चलते ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और अपने कार्य में व्यस्त रहेंगे। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहने वाला है और कार्यस्थल पर आपकी सैलरी बढ़ने की बात चल सकती है या प्रमोशन भी मिल सकता है। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा। लेकिन आपको अत्यधिक उत्साह में आकर कोई भी काम करने से बचना होगा।

कुंभ : धन लाभ होने के बन रहे योग

युवा वर्ग किसी नई नौकरी या काम की शुरुआत कर सकते हैं। जिसमें कुछ समय का अनुभव मिलने के बाद आपको सफलता प्राप्त हो सकती है और उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे। व्यापार के मामले में भी दिन अच्छा रहने वाला है और लाभ कमाने के अवसर मिलेंगे, जिससे तनाव कम होगा। वहीं, आर्थिक मामलों में धन लाभ होने के योग भी बन रहे हैं।

मीन : मेहनत व प्रयास से मिलेगी सफलता

कार्यस्थल पर अपने काम में बिजी रहना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। अगर विरोधी आपके खिलाफ कोई बात करते हैं, तो उन्हें इग्नोर करना ज्यादा बेहतर रहेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत और प्रयास करने से आपको भविष्य में सफलता जरूर प्राप्त होगा। सामाजिक कार्यों में भी आपकी रुचि बढ़ सकती है, जिससे मान-सम्मान में वृद्धि होगी और पारिवारिक माहौल भी खुशनुमा रहेगा।

17 को इंदिरा एकादशी व्रत

इस दिन पितरों की शांति के लिए जरूर करें ये काम

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व बताया गया है। वैसे तो हर महीने 2 एकादशी तिथि आती हैं लेकिन,पितृपक्ष में आने वाली एकादशी तिथि को इंदिरा एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस एकादशी को अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन व्रत करने से और पुण्य कार्य करने से पितरों की मुक्ति मिलती है। साथ ही उन्हें मोक्ष मिलता है। जानते हैं कब है इंदिरा एकादशी का व्रत और इस दिन क्या करना चाहिए।

पंचांग के अनुसार, एकादशी तिथि का आरंभ 16 तारीख में एकादशी तिथि का आरंभ रात में 12 बजकर 23 मिनट से होगा और 17 तारीख की रात में 11 बजकर 40 मिनट तक एकादशी तिथि रहेगी। शास्त्रों के अनुसार, एकादशी तिथि का व्रत उस दिन किया जाता है जिस दिन सुबह से समय एकादशी तिथि रहती है ऐसे में 17 तारीख को ही एकादशी का व्रत और श्राद्ध किया जाएगा। बता दें कि इस दिन गौरी योग का शुभ संयोग रहेगा चंद्रमा अपनी स्वराशि कर्क में विराजमान रहेंगे। जिससे गौरी योग बनेगा। ऐसे में व्रत और श्राद्ध कर्म करने वालों को पुण्य फल की प्राप्ति होगी।

इंदिरा एकादशी व्रत का महत्व

इंदिरा एकादशी के दिन व्रत और तर्पण करने वालों के पितरों के पापों का नाश हो जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस व्रत का पालन करने वालों को सुख समृद्धि, शांति और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है। ऐसा कहा जाता है कि इस व्रत को करने से किसी कारण से नरक में पड़े पितरों को भी मुक्ति मिल जाती है। वहीं, इस व्रत को करने से व्यक्ति को बैकुंठ धाम की प्राप्ति होती है। साथ ही इस दिन अगर आप व्रत नहीं कर रहे हैं तो भगवान विष्णु की पूजा जरूर करें और काले तिल से तर्पण जरूर करें। इतने करने से भी आपको पितरों को शांति मिलेगी। साथ ही इस दिन पितरों के नाम से दान पुण्य जरूर करना चाहिए।

विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी पर कुछ वस्तुओं का दान करने से जीवन के कष्ट हो जाएंगे दूर, बनेंगे धनवान!

संकष्टी चतुर्थी का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। यह हर महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर पड़ती है। वहीं, भाद्रपद मास की संकष्टी चतुर्थी को विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है। इस दिन व्रत, गणपति बप्पा की पूजा और दान करना बहुत फलदायी माना जाता है। ऐसा करने से जातक को भगवान गणेश की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन के दुखों से भी मुक्ति मिल सकती है। माना जाता है कि संकष्टी चतुर्थी पर कुछ विशेष चीजों का दान करने से बेहद पुण्य फल प्राप्त होता है और बाधाओं से भी मुक्ति मिल सकती है। विस्तार से जानते हैं कि संकष्टी चतुर्थी पर क्या दान करना चाहिए।

संकष्टी चतुर्थी पर अनाज करें दान

इस शुभ तिथि पर भगवान गणेश की पूजा करने के साथ-साथ किसी जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति को 7 प्रकार के अनाज दान करने चाहिए। इसके लिए आप गेहूं, चना, दाल आदि कोई भी सात अलग-अलग अनाज ले सकते हैं। संकष्टी चतुर्थी पर दान करने से जातक को पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है और घर की आर्थिक स्थिति में सुधार आने लगता है। वहीं, आपको कार्यों में आने वाली बाधाओं से छुटकारा मिल सकता है और धन लाभ के शुभ योग बनते हैं।

मोदक और मौसमी फल दान करें

संकष्टी चतुर्थी व्रत पर भगवान गणेश को मोदक का भोग लगाना बेहद फलदायी माना जाता है। वहीं, इसे बच्चों में भी बांटना चाहिए और किसी जरूरतमंद को मौसमी फल और मोदक दान करने चाहिए। संकष्टी चतुर्थी के दिन यह खास उपाय करने से जातक को जीवन की बाधाओं और समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। साथ ही, बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है और भगवान गणेश की भी विशेष कृपा बनी रहती है।

हरे या लाल रंग के वस्त्र करें दान

बुधवार के दिन हरे रंग के वस्त्र धारण करना और इस रंग के वस्त्र दान करने का खास महत्व होता है। ऐसे में आप इस संकष्टी चतुर्थी पर मंदिर में या किसी गरीब व्यक्ति को हरे या लाल रंग के वस्त्र दान कर सकते हैं। ऐसा करने से पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है और जातक को कारोबार में चल रही समस्याओं से निजात मिल सकती है। इस उपाय से व्यापार में तरक्की मिलती है और जीवन में खुशहाली आने लगती है।

पीतल या तांबे के बर्तन करें दान

संकष्टी चतुर्थी के खास अवसर पर आप पीतल या तांबे के बर्तन भी दान कर सकते हैं।

ऐसा करने से जातक को भगवान गणेश की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है और मनोकामनाएं भी पूर्ण हो सकती है। इस उपाय को करने से घर में चली रही समस्याओं से भी निजात मिल सकती है और परिवार के बीच खुशनुमा माहौल बना रहता है। साथ ही, पीतल के बर्तन दान करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और जीवन में सफलता के नए मार्ग खुलने लगते हैं।

शिक्षा से जुड़ी वस्तुएं बच्चों का करें दान

बुध ग्रह को बुद्धि, विवेक, शिक्षा आदि का कारक माना जाता है। ऐसे में बुधवार को संकष्टी चतुर्थी के दिन आप छोटे बच्चों को पढ़ाई से जुड़ी वस्तुएं जैसे- कॉपी, किताब, कलम आदि दे सकते हैं। ऐसा करने से आपको व्यापार और करियर में तरक्की प्राप्त हो सकती है। वहीं, नौकरी में आने वाली बाधाएं भी दूर होने लगती हैं और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है। इस उपाय से आर्थिक तंगी से भी जातक को छुटकारा मिल सकता है।

पितृपक्ष में खरीदारी के लिए ये दिन हैं बेहद शुभ

नहीं लगेगा दोष, पितरों का भी मिलेगा आशीर्वाद

पितृपक्ष का आरंभ 7 सितंबर से हो चुका है, जिसका हिंदू धर्म में विशेष महत्व होता है। यह पूरी अवधि पितरों को याद, पूजा-पाठ, पिंडदान आदि करने की होती है। वहीं, पितृपक्ष को लेकर ऐसा मानना भी है कि इस दौरान शॉपिंग करने से बचना चाहिए। लेकिन बता दें कि इस अवधि में कुछ विशेष दिनों पर खरीदारी करना बहुत शुभ माना जाता है और इससे पितरों का भी आशीर्वाद मिलता है। जब हम खुश होते हैं, तो हमें देखकर हमारे पूर्वज भी प्रसन्न होते हैं। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान खरीदारी करने में कोई बुराई नहीं है। इससे पितरों का आशीर्वाद मिलता है। लेकिन अगर आपके यहां पितृपक्ष के दौरान शॉपिंग न करने की पारिवारिक मान्यताएं लंबे समय से चली आ रही हैं, तो आप इस दौरान कुछ शुभ तिथियों पर खरीदारी कर सकते हैं। इससे किसी भी प्रकार का दोष नहीं लगेगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग में शॉपिंग करना रहेगा शुभ

अगर आपको नया वाहन, आभूषण, वस्त्र आदि खरीदने हैं, तो पितृपक्ष के दौरान 9, 11, 13, 15, 18 और 21 सितंबर का दिन चुन सकते हैं। इन दोनों पर सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग बनेगा। ऐसे में अगर आप खुशी के साथ कोई भी सामान खरीदते हैं, तो आपकी प्रसन्नता को देखकर पितर भी प्रसन्न होंगे। वहीं, इन तिथियों पर शॉपिंग करने से आपको किसी प्रकार का दोष नहीं लगेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग को ज्योतिषशास्त्र में एक बहुत शुभ तिथि माना गया है।

अमृत सिद्धि योग में भी कर सकते हैं खरीदारी

यह बेहद शुभ और प्रभावशाली योग होता है। ऐसे में इस दिन कोई भी शुभ काम करने से जातक को कई गुना फल की प्राप्त हो सकती है। 13, 15 और 18 सितंबर को अमृत सिद्धि योग का शुभ संयोग बनेगा। ऐसे में इन तिथियों पर भी आप खरीदारी कर सकते हैं। इस समय सामानों के रेट में गिरावट आने से आपके लिए शॉपिंग करना लाभदायक सिद्धि हो सकता है। इन तारीखों पर आप पूजा-पाठ का आयोजन भी घर में करवा सकते हैं।

रवि योग में खरीदारी करने से शुभ फल होगा प्राप्त

पितृपक्ष के दौरान आप 12 और 13 सितंबर के दिन भी नए वाहन, घर का सामान, कपड़े, आभूषण आदि खरीद सकते हैं। इन दो तिथियों पर रवि योग का शुभ संयोग बन रहा है। ऐसे में इन दिनों पर नई चीजें खरीदने से जातक को बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। इसके अलावा, 13 सितंबर को त्रिपुष्कर योग का प्रभावशाली संयोग भी बन रहा है। ऐसे में इस खास तिथि पर शुभ काम करने से आपको तीन गुना फल की प्राप्ति हो सकती है और पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। वहीं, 17 सितंबर को इंदिरा एकादशी और 19 तारीख को मासिक शिवरात्रि के साथ-साथ प्रदोष व्रत भी पड़ रहा है। ऐसे में इन तारीखों पर शॉपिंग करना अत्यंत शुभ रहने वाला है।

सुपरस्टार ममूटी जीते है राजाओं जैसी जिंदगी

दुबई तक फैली अरबों की संपत्ति, लग्जरी विला और महंगी गाड़ियों का जखीरा

साउथ सिनेमा का यह सुपरस्टार पिछले 54 साल से फिल्मी पर्दे के साथ-साथ लोगों के दिलों पर भी राज कर रहा है। लोग इसकी एक्टिंग के दीवाने हैं, तो इसके राजसी ठाठ-बाट, अरबों की संपत्ति और बिजनेस साम्राज्य को देखकर रश्क करते हैं। यह एक्टर अपने अब तक के करियर में 400 से भी अधिक फिल्में कर चुका है। करोड़ों की कई गाड़ियां और लग्जरी विला है। यही नहीं, इसने 3 नेशनल अवॉर्ड के अलावा पद्म श्री से भी सम्मानित किया जा चुका है। पता है ये एक्टर कौन है? इसने साल 1971 में एक्टिंग डेब्यू किया था, और आज तक अपना स्टारडम कायम रखा है। यह मलयालम सिनेमा का सुपरस्टार है और तेलुगू से लेकर तमिल और हिंदी फिल्मों में भी काम कर चुका है। इसका बेटा भी मलयालम सिनेमा के बड़े स्टार्स में शुमार है। ममूटी का 7 सितंबर को 74वां बर्थडे था। जानिए उनकी कमाई, फीस और बिजनेस तक सब.

ये हैं ममूटी, पर असली नाम कुछ और, पापा का था चावल और कपड़ों का बिजनेस

ये हैं एक्टर मुहम्मद कुट्टी पनिपरमबिल इस्माइल, जो ममूटी के नाम से मशहूर हैं। वह एक एक्टर ही नहीं, बल्कि डायरेक्टर और प्रोड्यूसर भी हैं। ममूटी केरल राज्य के वैकोम के पास चेम्पू गांव में एक मध्यमवर्गीय मुस्लिम परिवार में पैदा हुए थे। उनके पिता का नाम इस्माइल था, जो कपड़ों और चावल का थोक बिजनेस करते थे। वह चावल की खेती भी करते थे। वहीं मां फातिमा हाउसवाइफ थीं।

4 करोड़ के घर में रह रहे, दुबई तक फैली संपत्ति

ममूटी अभी कोच्चि में केसी जोसेफ रोड पर स्थित घर में रहते हैं, जिसकी कीमत 4 करोड़ बताई जाती है। यह एक लग्जरी विला जैसा है, जो हर तरह की सुख-सुविधाओं से लैस है। ममूटी ने बेटे दुलकर सलमान के साथ मिलकर कोच्चि में एक पॉश विला भी खरीद रखा है। इसके अलावा उन्होंने रियल एस्टेट में निवेश किया है। उनके पास चेन्नई से लेकर दुबई और बेंगलुरू में करोड़ों की प्रॉपर्टी है।

ममूटी की नेट वर्थ और फीस

ममूटी की नेट वर्थ 340 करोड़ रुपये यानी 3.40 अरब बताई जाती है। वह एक फिल्म के लिए 4 से 10 करोड़ रुपये फीस लेते हैं। उनकी 'ममूटी प्रोडक्शंस' के नाम से प्रोडक्शन हाउस भी है, जिसके बैनर तले कई फिल्में प्रोड्यूस करके करोड़ों नोट छाप चुके हैं।

पिंक टॉप में राशि खन्ना का स्टाइलिश लुक मिरर सेल्फी में दिखा खूबसूरत अंदाज

साउथ सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री राशि खन्ना सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। बुधवार को उन्होंने कुछ तस्वीरें पोस्ट की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर मिरर सेल्फी लेते हुए तस्वीरें साझा की, जिसमें वह वैनिटी वैन में बैठकर मेकअप करवाती नजर आ रही हैं। उन्होंने गुलाबी रंग का स्टाइलिश टॉप पहना हुआ है, जो उनकी खूबसूरती को और निखार रहा है। तस्वीरों में उनकी मुस्कान और आत्मविश्वास साफ झलक रहा है। इन तस्वीरों के साथ राशि ने एक मजेदार कैप्शन भी लिखा, हर अच्छी तस्वीर के पीछे होती है उलझन, ढेर सारी चाय और बिल्कुल भी सब्र नहीं।

राशि का यह वीडियो प्रशंसकों को काफी पसंद आ रहा है और वो उनके कमेंट सेक्शन में कई तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आखिरी स्लाइड वाली स्माइल मेरे मन से निकल रही है, दूसरे यूजर ने लिखा, आप बहुत प्यारी लग रही हैं, और एक और अन्य यूजर ने लिखा, हर परफेक्ट फोटो के पीछे थोड़ी झंझट और ढेर सारी कॉफी होती है! लेकिन फाइनल फोटो जब मिलती है, तो सारी मेहनत सफल लगती है।

राशि एक्टिंग के साथ-साथ फिटनेस को लेकर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इससे पहले उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह स्ट्रेचिंग और कुछ योगासन करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने इसे कैप्शन दिया, जो लोग मेरी तरह ज्यादा समय हवाई जहाज में, डेस्क पर, या ट्रैफिक में बिताते हैं, उनके लिए मेरी पसंदीदा स्ट्रेचिंग शेयर कर रही हूं। इन्हें आप घर पर भी आसानी से कर सकते हैं! जरूर ट्राई करें।

अभिनेत्री का यह वीडियो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वे 'बेस्ट मोटिवेशन' और 'राशि क्वीन' जैसे शब्दों से राशि की सराहना कर रहे हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री होने के साथ-साथ राशि एक उम्दा गायिका भी हैं। वह तेलुगू भाषा में प्लेबैक सिंगिंग भी करती हैं।अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो राशि जल्द ही निर्देशक हरीश शंकर की फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ नजर आएंगी। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है।

हरनाज संधू ने साझा किया अनुभव, कहा

'मरजाना' करना आसान नहीं था

बॉलीवुड एक्ट्रेस हरनाज संधू बहुत जल्द फिल्म बागी-4 में टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। इस फिल्म में वो अलीशा की भूमिका निभा रही हैं। इस फिल्म से अभिनेत्री हरनाज संधू का लेटेस्ट गाना 'मरजाना' हाल ही में रिलीज हुआ था। इसके बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि इसकी शूटिंग बहुत ही चुनौतीपूर्ण थी।

यह गाना करना उनके लिए बहुत मुश्किल था क्योंकि इस गाने में उन्हें अपनी आंखों से बात करनी थी। गाने में फिल्म के एक्टर टाइगर श्रॉफ अपनी प्रेमिका की कब्र पर रोते दिख रहे हैं। इसके बाद वो अलीशा (हरनाज) की यादों में खो जाते हैं।हरनाज को इस गाने में कभी लाल गाउन में या कभी सफेद गाउन में डांस करते देखा जा सकता है। इसमें वह अपने डांस और परफॉर्मेंस से सबको मंत्रमुग्ध करती दिखाई दे रही हैं। उन्होंने गाने में गहरी भावनाओं और संवेदनशीलता का तड़का लगाया है।

इस गाने पर काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए हरनाज ने कहा, 'मरजाना' की शूटिंग मेरे अब तक के सबसे भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक थी। बागी 4 के अन्य गानों के उलट यह गाना नृत्य या ग्लैमर के बारे में नहीं था, बल्कि स्थिरता, मौन और आंखों में दर्द को व्यक्त करने के बारे में था।

उन्होंने आगे कहा, इसमें सीखने और समझने के लिए बहुत कुछ था क्योंकि मैं अलीशा को एक याद के रूप में दिखा रही थी। यह अनुभव करना रोमांचक है कि जीवन के कठिन क्षणों को चित्रित करते हुए सिनेमा कितना शक्तिशाली हो सकता है। मरजाना ने मुझे अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की जगह दी, और मुझे उम्मीद है कि यह ईमानदारी दर्शकों से उसी तरह जुड़ेगी जैसे शूटिंग के दौरान मुझसे जुड़ी थी। इससे पहले 'बागी 4' के गाने 'गुजारा' में अपनी मासूमियत से उन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और 'बाली सोहनी' में अपने डांस से फैंस का दिल जीता। वो एक मल्टीटैलेंटेड एक्ट्रेस हैं, जो इस फिल्म में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाती दिखाई देंगी।साजिद नाडियाडवाला ने 'बागी 4' की कहानी लिखी है। ए. हर्ष इसके निर्देशक हैं। 'बागी 4' जबरदस्त एक्शन, धमाकेदार ड्रामा से भरी फिल्म होगी।

एक चतुर नार में कॉमेडी के रंग में नजर आएंगी दिव्या खोसला, बोलीं

यही मेरा जॉनर है

अभिनेत्री दिव्या खोसला अपनी आने वाली फिल्म 'एक चतुर नार' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 12 सितंबर को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वो पहली बार कॉमेडी में हाथ आजमाती दिखाई देंगी।

फिल्म की रिलीज से पहले दिव्या ने बातचीत में बताया कि वो हमेशा से ही कॉमेडी में हाथ आजमाना चाहती थीं। उनके अंदर कॉमेडी कूट-कूटकर भरी हुई है। दिव्या खोसला ने कहा, मुझे हमेशा से पता नहीं क्यों लगता रहा है कि कॉमेडी ही मेरी शैली है। और मैं हमेशा से इसे करना चाहती थी और ईश्वर से प्रार्थना करती थी कि मुझे एक कॉमेडी फिल्म में काम करने का मौका मिले। इसलिए जब यह मौका आया, तो मुझे लगा कि आखिरकार मुझे वह करने का मौका मिल रहा है जो मैं करना चाहती थी। शायद लोग मेरे इस पहलू को नहीं जानते, क्योंकि मैं असल जिंदगी में भी बहुत कॉमेडी करती रहती हूं। उन्होंने आगे कहा, शायद इसलिए इस फिल्म में काम करते हुए मुझे काफी मजा आया और मुझे लगता है कि जब आप इसका आनंद लेते हैं और उस दबाव को नहीं लेते, तो यह आपके लिए सबसे अच्छी बात होती है, वह सफर वाकई सुखद होता है।

'एक चतुर नार' की कहानी हिमांशु त्रिपाठी ने लिखी है। इस फिल्म को उमेश शुक्ला ने डायरेक्ट किया है। यह एक ब्लैक कॉमेडी थ्रिलर फिल्म है। इसमें दिव्या खोसला और नील नितिन मुकेश मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह 12 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

फिल्म की कहानी एक छोटे शहर में रहने वाली होनहार लड़की की है। वह बहुत ही महत्वाकांक्षी और चालाक है। इसमें उसके हाथ बड़े शख्स का प्राइवेट वीडियो आ जाता है। वो फिर उसे आगे बढ़ने की सीढ़ी की तरह इस्तेमाल करने लगती है। फिल्म में उनके सह-कलाकार नील नितिन मुकेश ने भी फिल्म में काम करने का अपना अनुभव कुछ दिनों पहले एक इंटरव्यू में साझा किया था। इसमें उन्होंने निर्देशक की अपने कलाकारों का अच्छी तरह से ख्याल रखने और उन्हें उड़ान भरने की पूरी आजादी देने के लिए सराहना की थी।

अनुष्का सेन का हेल्दी ब्रेकफास्ट शेयर किया फिटनेस का राज

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री अनुष्का सेन अभिनय के साथ-साथ फिटनेस और हेल्दी डाइट को लेकर भी काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने बुधवार को एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे हेल्दी ब्रेकफास्ट करती नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए वीडियो में अभिनेत्री एवोकाडो टोस्ट बनाते हुए दिख रही हैं, जो एक पौष्टिक और स्वादिष्ट डिश है। उन्होंने इस रेसिपी को आसान तरीके से बनाया और इसे प्रोटीन से भरपूर बताया। वीडियो के साथ अनुष्का ने कैप्शन में लिखा, यह बहुत स्वादिष्ट और प्रोटीन से भरपूर है!

एवोकाडो टोस्ट एक पौष्टिक और स्वादिष्ट नाश्ता है जो कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है।अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, यह कई जरूरी पोषक तत्वों का खजाना है। यह एलडीएल को कम करके एचडीएल को बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही, यह वजन को नियंत्रित करने में मददगार है।एवोकाडो को टोस्ट, सलाद, स्मूदी या सैंडविच में शामिल किया जा सकता है। इसे ब्रेड, नींबू का रस या सब्जियों के साथ खाने से पोषण के साथ स्वाद भी बढ़ जाता है। 23 वर्षीय अनुष्का सेन आज की पीढ़ी की सबसे पॉपुलर सेलेब्रिटीज में से एक मानी जाती हैं। अनुष्का ने भले ही अपने अभिनय की शुरुआत जी टीवी शो 'यहां मैं घर-घर खेली' से की थी, लेकिन उन्हें घर-घर में पहचान 'बालवीर' से मिली थी। इतना ही नहीं, उन्होंने 'खूब लड़ी मर्दानी-झांसी की रानी' में मणिकर्णिका का दमदार किरदार भी निभाया था, जिसके लिए उन्हें काफी तारीफ मिली थी।

अनुष्का 'खतरों के खिलाड़ी 11' में भी नजर आईं थीं, जहां उनकी बहादुरी और आत्मविश्वास की तारीफ हुई। बॉलीवुड फिल्मों 'क्रेजी कक्कड़ फैमिली' और 'एम आई नेक्स्ट' में भी उनकी मौजूदगी देखी गई। वे हाल ही में वेब सीरीज 'दिल दोस्ती डिलेमा' में अस्मारा के किरदार में दिखीं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली–भांति अध्ययन कर लें। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता–पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बिना किसी अनुभवी शख्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। अपना नज़रिया दोस्तों और रिश्तेदारों पर थोपने की कोशिश न करें। क्योंकि न सिर्फ़ यह आपके लिए कुछ ख़ास फ़ायदेमंद साबित नहीं होगा अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल–खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए, नहीं तो दुर्घटना हो सकती है इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस–पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अतः बाहरी लोगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मुश्किल घड़ी में रिश्तेदार भी काम आएंगे। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। आप और आपका महबूब आज प्यार के समुन्दर में गोते लगाएंगे और प्यार की मदहोशी को महसूस करेंगे। काम के लिए समर्पित पेशेवर लोग रुपये–पैसे और करिअर के मोर्चे पर फ़ायदे में रहेंगे। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। समय, कामकाज, पैसा, यार–दोस्त, नाते–रिश्ते सब एक ओर और आपका प्यार एक तरफ़, दोनों आपस में खोए हुए – कुछ ऐसा मिज़ाज रहेगा आपका आज। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। आपके नज़दीकी लोग निजी जीवन में परेशानियाँ खड़ी कर सकते हैं। आप अपने प्रिय की बांहों में आराम महसूस करेंगे। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में वसंत–काल की तरह है

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। आज जीवनसाथी के साथ थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ और मीठी यादों को फिर से ताज़ा करें, ताकि पुराने दिनों को फिर से वापस लाया जा सके। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। दफ़्तर में अपनी ग़लती स्वीकार करना आपके पक्ष में जाएगा। लेकिन आपको इसे सुधारने के लिए विश्लेषण की ज़रूरत है। आपकी वजह से जिसे नुक़सान हुआ हो, उससे माफ़ी मांगने की ज़रूरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर–ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। जब आपका जी–वनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। बेहतर कामकाज के चलते आपको तारीफ़ मिल सकती है। आपके घर का कोई करीबी शख्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 सितंबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया दोपहर 03:39 तक
नक्षत्र : रेवती सायं 04:03 तक
योग : वृद्धि रात्रि 08:31 तक
करण : विष्टि सायं 03:39 तक
चन्द्रराशि : मीन सायं 04:03 तक
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:22 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:24 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:17 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:13 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : तीज का श्राद्ध, पंचक समाप्त सायं 04:03 से , गण्डमूल चालू है , संकष्ट चतुर्थी व्रत चन्द्रोदय रात्रि 08:12 से , भद्रा सायं 03:39 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आमजन को आवागमन की बेहतर कनेक्टीविटी देने के लिए हम संकल्पित : भजनलाल

जयपुर, 09 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार राज्य में रेलवे सुविधाओं के विस्तार के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। प्रदेश में मजबूत रेल नेटवर्क से आमजन को आवागमन में सुगमता होगी। साथ ही, स्थानीय रोजगार और उद्योगों को भी फायदा होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में प्रस्तावित रेलवे परियोजनाओं के धरातल पर शीघ्र मूर्तरूप देने के लिए अधिकारी रेलवे के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में रतलाम–डूंगरपुर वाया बांसवाड़ा नई रेल परियोजना और केन्द्रीय भण्डारण निगम द्वारा भरतपुर मे प्रस्तावित नवीन रेल टर्मिनल की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भरतपुर में प्रस्तावित रेल टर्मिनल के निर्माण से किसानों, औद्योगिक ईकाइयों सहित सभी वर्गों को परिवहन की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी टर्मिनल के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए संयुक्त निरीक्षण करें।

शर्मा ने उत्तर–पश्चिम रेलवे के अधिकारियों से रतलाम–डूंगरपुर वाया बांसवाड़ा नई रेल परियोजना की वस्तुस्थिति को जाना। उन्होंने अधिकारियों को इस रेलवे लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण के कार्य को आपसी समन्वय से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए वित्तीय संसाधनों एवं तकनीकी आवश्यकताओं को केन्द्र के साथ समन्वय करते हुए प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। साथ ही, परियोजना की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित राज्य सरकार तथा रेलवे के संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में वीसी के माध्यम से संबंधित जिलों के कलक्टर्स भी जुडे।

राजस्थान में धर्मांतरण विरोधी बिल पास

जयपुर, 09 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को लंबी बहस और भारी हंगामे के बीच धर्मांतरण कानून बिल पास कर दिया गया। राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 बिल आने से अब जबरन धर्म परिवर्तन कराना आसान नहीं होगा। भाजपा विधायक गुरबीर बराड़ ने बिल का समर्थन करते हुए कहा कि राजस्थान में इसकी बहुत ज्यादा आवश्यकता थी। काफी समय से इसकी मांग चल रही थी। अब धर्म परिवर्तन पर लगाम लगेगी।

उन्होंने कहा, मैं भारत–पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर के पास वाले इलाके से आता हूं, जहां पर धर्मांतरण के कई केस आए। आप पूरा इतिहास उठाकर देखिए, हालात बहुत ज्यादा दयनीय हैं, लेकिन अब नए कानून से राहत भी मिलेगी और जो लोग इस काम को अंजाम दे रहे थे उन पर भी लगाम लगेगी।

राजस्थान सरकार के मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि यह बिल राजस्थान के लिए बेहद ज्यादा जरूरी था। राजस्थान भारत में पहला ऐसा राज्य बना है जिसने इतना सख्त नियम लाने का काम किया। जो लोग राजस्थान में धर्मांतरण का खेल खेल रहे थे, अब उनकी दुकानें बंद हो जाएंगी। भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि राजस्थान में इसकी सख्त आवश्यकता थी। जिहादी लोग और उनकी मानसिकता राजस्थान में हर जगह फैल गई थी। उस गंदगी को खत्म करने के लिए यह कानून लाया गया है। सख्ती से इसकी पालना होगी।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि राजस्थान देश में पहला राज्य बना है जो सख्त नियमों के साथ धर्मांतरण कानून लेकर आया है। सख्ती से इसकी पालना होगी। वहीं, विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो कांग्रेस सदन में इस बिल का विरोध कर रही थी, वह आज एक्सपोज हो गई।

शराब की दुकानों द्वारा नियमों का उल्लंघन रात 8 बजे के बाद भी खुले रहते है ठेके

जोधपुर, 09 सितंबर (एजेंसियां)। शहर में शास्त्री सर्किल, शास्त्री नगर थाने, रेलवे स्टेशन, सूरसागर और डीपीएस सर्किल के पास स्थित सरकारी शराब के ठेके रात 8 बजे के बाद भी खुले हैं, जोकि स्पष्ट रूप से आबकारी नियमों का उल्लंघन है। स्थानीय निवासियों ने इस मामले में पुलिस और आबकारी विभाग की अनदेखी पर चिंता जताई है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इन ठेकों पर देर रात तक शराब की बिक्री जारी रहने से आसपास के क्षेत्रों में शराबियों का जमावड़ा बढ़ रहा है, जिससे असुरक्षा और अशांति का माहौल बन रहा है। एक स्थानीय नागरिक ने बताया, ठेकों पर उउढत कैमरे लगे होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही। यह साफ है कि पुलिस और आबकारी विभाग की मिलीभगत से नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है।

आबकारी नियमों के अनुसार, शराब की दुकानें रात 8 बजे के बाद बंद हो जानी चाहिए। लेकिन जोधपुर में यह नियम पूरी तरह से लागू नहीं हो रहा है। स्थानीय निवासियों ने जोधपुर पुलिस और आबकारी विभाग से तुरंत कार्रवाई की मांग की है ताकि इस समस्या का समाधान किया जा सके और क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल बहाल किया जा सके।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे विरोध प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि वह इस मुद्दे को गंभीरता से ले और उचित कदम उठाए।

अंत्योदय की संकल्पना को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा शहर चलो अभियान: देबाशीष पृष्टि

जयपुर, 09 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन और मंत्री झाबर सिंह खर्रा के नेतृत्व में आमजन को सुगम जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे शहर चलो अभियान की तैयारियों को लेकर मंगलवार को स्वायत्त शासन विभाग के सभागार में प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि और शासन सचिव रवि जैन द्वारा राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली गई।

नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने सभी नगरीय विकास न्यास के सचिव को निर्देशित करते हुए कहा की शहर चलो अभियान के सफल संचालन के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण करना सुनिश्चित करें, कैम्प से पूर्व रोड, सीवरेज प्रणाली, लो लेइंग एरिया आदि का सघन निरीक्षण कर जलभराव वाली जगहों पर मड पम्प के सहारे जलनिकासी की जाए, साथ ही कैम्प के अंतर्गत किए जाने वाले मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की तैयारी तत्काल शुरू की जाए। उन्होंने कहा की समयबद्ध तरीके से कार्ययोजना बनाकर काम किया जाए, ताकि शहरी निकायों और गाँवों में बुनियादी सुविधाओं का सदृढ़ीकरण हो और सेवाओं के क्रियान्वयन को नई गति मिल सके। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने कहा की राज्य सरकार की मंशानुसार शहर चलो अभियान के माध्यम से अधिकाधिक लोग को लाभान्वित करना हमारा लक्ष्य है, इसके लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए साथ ही अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर वहाँ की समस्याओं के बारे में जानकारी ली जाए। जैन ने कैम्प स्थल पर सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के सख़्त निर्देश दिए उन्होंने कहा कि कैम्प स्थल के आसपास डस्टबिन अनिवार्य रूप से लगाए ताकि वहाँ कचरा न फैले। इसी के साथ ही उन्होंने कैम्प स्थल के पास वृक्षारोपण के भी निर्देश दिए। जैन ने कहा की अंत्योदय की संकल्पना को साकार करने में यह अभियान मील का पत्थर साबित होगा। रवि जैन ने बताया कि इस अभियान के तहत सभी नगरीय निकायों में सफाई व्यवस्था सुधार, नई स्ट्रीट लाइट, आवारा पशुओं की रोकथाम, जन्म– मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करना, सार्वजनिक स्थलों का रखरखाव, सड़कों की मरम्मत जैसे कार्य प्राथमिकता से किए जाएंगे। इसके अलावा पीएम स्वनिधि ऋण वितरण , सीएम स्वनिधि ऋण वितरण, पीएम सूर्यघर योजना के आवेदन प्राप्त करने, स्कूल व आंगनबाड़ियों की मरम्मत, अनुमोदित योजनाओं के पट्टे जारी करना, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र, अटल पेंशन योजना, विधवा/ विकलांग पेंशन आदि के आवेदन प्राप्त कर आमजन को लाभान्वित किया जाएगा।

डॉ. सतीश पूनिया और मोहन लाल बड़ौली ने राहत सामग्री के तीन ट्रकों को पंजाब के लिए किया रवाना

चंडीगढ़, 09 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने मंगलवार को पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंच कमल से राहत सामग्री के तीन ट्रकों को पंजाब के लिए रवाना किया। ट्रकों को रवाना करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए डा. सतीश पूनिया ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की नीति और नीयत अच्छी नहीं है, इसलिए लोगों ने कांग्रेस पार्टी को नकार दिया है। उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। डा. पूनिया ने कहा कि राहुल गांधी पार्ट टाइम पॉलिटिशियन हैं। राहुल गांधी कब देश में रहते हैं और कब विदेश में पता ही नहीं चलता। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, विधायक योगेंद्र राणा, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल और प्रदेश मीडिया सह प्रभारी नवीन गर्ग आदि मौजूद रहे। डा. सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा हमेशा सामाजिक संवेदनाओं के साथ काम करने वाली पार्टी है। भाजपा राजनीति को केवल चुनाव तक सीमित नहीं रखती, बल्कि मानवता के लिए विस्तृत रूप से कार्य करती है। डा. पूनिया ने कहा कि मोदी व नायब सरकार किसानों के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद पंजाब का संज्ञान लिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान खुद पंजाब में किसानों से मिले हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब, जम्मू, हिमाचल प्रदेश को 5–5 करोड़ रुपये की सहायता राशि दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा भाजपा के कार्यकर्ता सामाजिक तौर पर राहत सामग्री पंजाब और हिमाचल पहुंचा रहे हैं। डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत हमारे कार्यकर्ता जनता की सेवा के कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि राजनीति केवल नारों से नहीं सरोकारों से होती है और भाजपा केवल वोट और चुनाव की राजनीति नहीं करती, बल्कि सामाजिक सरोकार भाजपा के लिए पहले होते हैं।

भाजपा सरकार ने किया किसानों और बाढ़ प्रभावितों के साथ भद्दा मजाकः भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़, 09 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि प्रदेश की बीजेपी सरकार ने जिस तरह बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है, वह ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। प्रति एकड़ मात्र 7 से 15 हजार मुआवजे के ऐलान किसानों के साथ भद्दा मजाक है। क्योंकि किसानों की खड़ी फसल बर्बाद हो गई है। उन्हें प्रति एकड़ करीब 1 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। आने वाली फसल के होने की भी उम्मीद नजर नहीं आती। यानी किसानों को पूरे दो सीजन का घाटा हुआ है। बावजूद इसके सरकार खाद के खर्च से भी कम मुआवजे का ऐलान कर रही है। किसानों को कम से कम 50–60 प्रति एकड़ मुआवजा मिलना चाहिए। हुड्डा आज कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान के साथ पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने बताया कि बाढ़ के चलते किसानों की 14 लाख एकड़ फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं। हजारों मकान में दरारें आई हैं। दुकानें, इमारतें व अन्य प्रतिष्ठान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। लोगों को भारी आर्थिक चोट पहुंची है। इन सबकी भरपाई के लिए उचित मुआवजे की आवश्यकता है, जिसके लिए केंद्र सरकार को हरियाणा के लिए विशेष राहत पैकेज देने का ऐलान करना चाहिए।

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए सभी स्तर पर काम हो रहा है : अनिल विज

चंडीगढ़, 09 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने आज कहा कि बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए मेयर से लेकर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री तक, सभी स्तर के नेता मैदान में हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा लोगों के साथ जुड़े रहते हैं और उनके सुख–दुख में शामिल होते हैं। विज, प्रधानमंत्री के पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। मंत्री विज ने बताया कि इस बार प्राकृतिक आपदा का प्रकोप अधिक रहा है, खासकर बादल फटने की घटनाओं के कारण। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं की वजह से पहाड़ों का अतिरिक्त पानी मैदानी इलाकों में आ गया है।

उन्होंने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत पहुँचाना है, जिसमें पीने का पानी, भोजन और जल निकासी की व्यवस्था करना शामिल है। इसके साथ ही, भविष्य में ऐसी आपदाओं को रोकने के लिए दीर्घकालिक समाधानों की योजना भी तैयार की जा रही है। विज ने विपक्ष को इस आपदा के समय राजनीति न करने की सलाह दी।

जनता और पुलिस के बीच समन्वय के लिए गृह विभाग चलाएगा अभियान : सैनी

चंडीगढ़, 09 सितंबर (एजेंसियां)। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में सेवा पखवाड़ा के दौरान किए जाने वाले कार्यक्रमों को गिनाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लगभग दो दर्जन से अधिक कार्यक्रमों को उपस्थित मंत्रियों, विधायकों, जिला अध्यक्षों, जिला प्रभारियों और पदाधिकारियों के सामने रखा। इस कार्यशाला में भाजपा और सरकार द्वारा आगामी दिनों में किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों को विस्तार से रखा और उनकी रूपरेखा सभी को समझाई। मुख्यमंत्री ने जहां सरकार के स्तर पर किए जाने वाले शानदार विकास कार्यो व सेवा कार्यों के बारे में बताया वहीं भाजपा की तरफ से प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने संगठन स्तर पर किए जाने वाले कार्यक्रमों को सभी के सामने रखा।

यहां प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने आत्मनिर्भर भारत विषय पर बोलते हुए बताया कि किस तरह से मोदी और नायब सरकार की कल्याणकारी नीतियों को इस दौरान जनता के सामने रखना है। वहीं राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ ने वन नेशन, वन इलेक्शन की खूबियां भी कार्यशाला में उपस्थित नेताओं को गिनाई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार और संगठन मिलकर सेवा पखवाड़ा के दौरान जनता की सेवा करेंगे। उन्होंने कहा कि पड़ौसी राज्यों में घातक वर्षा हुई है जिसके कारण गांव गांव उजड़ गए हैं। यह बहुत भारी प्राकृतिक प्रकोप था। नायब सैनी ने कहा कि भाजपा पार्टी के संस्कारों को आगे बढ़ाते हुए कोरोना काल की तरह हम सभी को मिलकर बाढ़ से प्रभावित लोगों की सेवा करनी है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा में बाढ़ ग्रस्त इलाकों में सेवा कर रहे कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों का धन्यवाद किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा की ओर से राहत सामग्री पंजाब और हरियाणा भेजी गई है तथा अभी और भी राहत सामग्री भेजी जाएगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सेवा पखवाड़ा के दौरान हमने प्रदेश को नशा मुक्त और प्लास्टिक मुक्त बनाना है। गांवों व शहरों में स्वच्छता अभियान व पौधारोपण अभियान चलेगा। इस

पखवाड़े के दौरान गांव की फिरनियों को पक्का करने का निर्णय सरकार ने लिया है। सेवा पखवाड़ा के दौरान अभियान चलाकर हर बच्चे का स्कूल में दाखिला कराया जाएगा। बारिश से जिनके मकानों को क्षति पहुंची है उन्हें सरकार की ओर आर्थिक सहायता दी जाएगी। हमारा लक्ष्य प्रदेश के हर गरीब व्यक्ति तक पहुंचना है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि जो गांव पराली जलाने से मुक्त होंगे उन गांवों को सोलर लाईट से जगमग किया जाएगा। पखवाड़ा के अंतर्गत गांवों में सौंदर्यीकरण के कार्य भी होंगे। अमृत सरोवरों की साफ सफाई और वहां पौधे रोपित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने 75 पार्कों को नमो पार्क के नामकरण का भी निर्णय लिया है। एक पेड़ मां के नाम लगाते हुए प्रदेश में 4 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खादी को प्रोत्साहित करने के लिए 2 अक्टूबर को बड़े मेले का आयोजन होगा जो एक सप्ताह तक चलेगा। 27 सितंबर को ग्रामीण विकास सहकारिता विभाग, कॉपरेटिव विभाग बड़े कार्यक्रम करेंगे। आम जनता को लाभ मिले इसकी पूरी योजना रचना तैयार की गई है। उन्होंने 28 सितंबर को श्रम विभाग द्वारा कार्यक्रम होंगे जिनमें श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी और हर लेबर चौक पर श्रमिकों में मिठाईयों का वितरण होगा। सीएम सैनी ने कहा कि एक अक्टूबर को 7500 लोगों को 100–100 गज के प्लॉट दिए जाएंगे। दो अक्टूबर को शिक्षा विभाग युवाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करेंगे। शिक्षा विभाग हर स्कूल में 75 पौधे लगाने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि 75 विद्यालयों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित पुस्तकों का वितरण किया जाएगा। अभियान चलाकर छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सैनिक व अर्द्धसैनिक कल्याण विभाग सेना के कोर के हिसाब से पुनर्मिलन कार्यक्रम आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सैनिकों को एकत्रित करके मिलन कार्यक्रम कराना है। शहीदों के नाम पर पौधारोपण कार्यक्रम होगा और भूतपूर्व सैनिकों के परिवारों को आमंत्रित किया जाएगा।

श्री सैनी ने कहा कि हरियाणा का ग्रह विभाग प्रदेश में पुलिस और जनता के बीच संवाद कार्यक्रम करेगा ताकि जनता और पुलिस के बीच का गैप समाप्त किया जा सके। इसके अतिरिक्त गृह विभाग नशा मुक्ति और पराली ना जलाने के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए अभियान चलाएगा। उन्होंने कहा कि किसान कल्याण विभाग भी 75 गांवों को चिन्हित कर सम्मेलन करेगा जिसमें किसानों को फसलों, बीजों और पैदावार के बारे में जागरूक किया जाएगा।

बिहार चुनाव में महागठबंधन के सपनों पर 'चार ग्रहण'

लालू- तेजस्वी के लक्ष्य पर पानी फेरने को तैयार बड़े भाई और छोटी पार्टियां

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर ये तो साफ हो गया कि बिहार के 243 सीटों पर महागठबंधन और एनडीए के बीच सीधी टक्कर नहीं होने जा रही है। सत्ता की लड़ाई में अब इसे महागठबंधन का दुर्भाग्य कह लें या वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति में राजनीतिक महत्वाकांक्षा के साथ चुनावी जंग में उतर चुकी नई- नई पार्टियां। सबसे ज्यादा नुकसान महागठबंधन में शामिल दलों को करने जा रही हैं। ऐसा इसलिए कि ये छोटी पार्टियां महागठबंधन और एनडीए के बीच सीधी फाइट को बहुकोणीय बना दी हैं। अब सवाल उठता है कि ये नई पार्टियां किस खास दल या गठबंधन का नुकसान पहुंचाएंगी? बिहार में जातीय आधारित पार्टियों का एक अपना वोट बैंक हैं। ऐसी पार्टियां क्या करिश्मा करेंगी,जानते हैं?

वर्ष 2025 का चुनावी जंग कुछ नई पार्टियां के चुनावी जंग में शामिल होने का गवाह बनेगा। इनमें से कुछ जाति और कुछ धर्म आधारित पार्टियां हैं जो सीधे-सीधे महागठबंधन को नुकसान पहुंचाते फिलहाल तो दिखते हैं। इस खास वजह से चुनावी जंग में उतर चुकी कई पार्टियां पर बीजेपी का बी टीम होने का आरोप लगा रहे हैं। कुछ दल को यहां तक कहा जाने लगा है कि ये सत्ता के द्वारा स्पॉन्सर्ड पार्टियां हैं। इस आरोप के पीछे का तर्क ये है कि ये पार्टियां महागठबंधन के आधार वोट को काटती हैं। इसका फायदा सीधे सत्ताधारी दल को होता है। जानते हैं ये कौन पार्टियां हैं जो सीधे महागठबंधन के सपनों पर ग्रहण लगा सकती हैं।

जातीय आधार पर तो महागठबंधन के लिए सबसे बड़ा नुकसान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के भाई ही कर रहे हैं। राजद से निष्कासित क्या हुए कि परिस्थिति ने तेज प्रताप को अपने ही भाई तेजस्वी यादव के विरुद्ध खड़ा कर दिया। बहुत दिन तो लगा जैसे सुलह हो जाएगी पर ऐसा हुआ नहीं। ऐसे में तेज प्रताप के पास पार्टी बनाने का अलावा कोई चारा नहीं था। फिर एकला चलो की राह पर चलते हुए पहले टीम तेज प्रताप यादव बनाया और फिर एक कदम आगे बढ़ते जनशक्ति जनता दल बना कर चुनावी जंग में उतरने का ऐलान कर दिया। अब यहां से महागठबंधन की परेशानी शुरू हो गई। तेज प्रताप की पार्टी चुनाव में उतरी तो राजद के आधार वोट यानी एमवाई पर ही चोट करेगी जो सीधा नुकसान महागठबंधन के उम्मीदवार को कर जाएगी।

महागठबंधन के लिए तेज प्रताप और भी संकट खड़े कर देंगे जब जनशक्ति दल विकास वंचित इंसान पार्टी (वीवीआईपी), भोजपुरिया जन मोर्चा (बीजेएम), प्रगतिशील जनता पार्टी (पीजेपी), वाजिब अधिकार पार्टी (डब्ल्यूएपी) और संयुक्त किसान विकास पार्टी (एसकेवीपी) के साथ साथ एआईएमआईएम का भी गठबंधन हो जाएगा। बिहार विधानसभा चुनाव में सुभासपा भी अपना भाग्य आजमाने जा रही है। उत्तर प्रदेश के नामचीन ओबीसी लीडर ओमप्रकाश राजभर ने यह घोषणा कर दी है कि वे 29 विधानसभा सीटों पर लड़ेंगे। अब चुकी राजभर एक पिछड़ा नेता हैं, इसलिए जिस विधानसभा से उनके उम्मीदवार लड़ेंगे वे पिछड़ों का वोट काटेंगे, जिसका प्रतिकूल प्रभाव महागठबंधन पर पड़ेगा। अब चुकीं राजभर उत्तर प्रदेश के योगी सरकार में मंत्री हैं तो ये उन खास जगहों पर उम्मीदवार उतारेंगे जिससे एनडीए को फायदा होगा। राजनीतिक सूत्रों की मानें तो ये सारे सीट उत्तर प्रदेश की सीमाओं से सटे ही होंगे।

हालांकि एआईएमआईएम का यह पहला चुनाव नहीं है। पर इस बार एआईएमआईएम चोटिला सांप हो गया है। ऐसा इसलिए कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने ओवैसी की पार्टी का वह प्रस्ताव ठुकरा दिया जिसमें पार्टी ने साथ चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त की थी। अब एआईएमआईएम की मुस्लिमों में अच्छी पैठ है। सीमांचल में तो राजद को पस्त कर ही चुकी है अब शेष इलाकों में भी राजद को परेशान करेगी और कही एआईएमआईएम का गठबंधन जनशक्ति जनता दल से हो गया तो मुश्किल और भी बढ़ जाएगी।

जनसुराज का भी प्रभाव सीमा लगातार बढ़ ही रहा है। जिस गति से लोगों तक जनसुराज के नायक प्रशांत किशोर की बात पहुंच रही है,वह इस चुनाव में एक शक्तिशाली राजनीतिक फोर्स बनने जा रही है।

और अगर आपने वादे पर प्रशांत किशोर कायम रहे और 75 सीट मुस्लिम और 75 सीट अति पिछड़ों को दे दिया तो यह भी विशेष तौर पर राजद के लिए बहुत घातक हो सकता है। ऐसे में मुस्लिम वोट के विभाजन से खतरा महागठबंधन के उम्मीदवारों को होगा। वैसे भी प्रशांत किशोर के हमले का कोण लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव बनते रहे हैं ऐसे में प्रबुद्ध यादव का मत प्रशांत किशोर को मिला तो भी महागठबंधन की परेशानी बढ़ेगी।

तख्त श्री हरिमंदिर साहिब को बम से उड़ाने की धमकी

ई-मेल भेजने वाले ने पाकिस्तान आईएसआई के नारे लगाए

पटना (एजेंसियां)।

पटना के तख्त श्री हरिमंदिर साहिब गुरुद्वारा को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ई-मेल के जरिए बदमाशों गुरुद्वारा प्रबंधन को धमकी भेजी। इसमें लिखा था कि गुरु लंगर कक्षों में आईईडी लगे हुए हैं। जल्द ही विस्फोट होने वाला है। इस सूचना के बाद गुरुद्वारे में हड़कंप मच गया। फौरन पटना पुलिस की टीम बम निरोधक दस्ते के साथ पहुंची और जांच में जुट गई। टीम ने गुरुद्वारे के चप्पे-चप्पे को खंगाला लेकिन बम या कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला। इसके बाद पटना पुलिस टीम हाई अलर्ट पर है।

धमकी देने वाले ने मेल में खुद को वन्नियार पुंडई रामदास बताते हुए कई सनसनीखेज बातें लिखी हैं। मेल में कहा गया है कि आईईडी विस्फोट से पहले तुरंत गुरुद्वारा के सभी कर्मचारियों और श्रद्धालुओं को बाहर निकाल लिया जाए। पत्र में न सिर्फ पटना साहिब को उड़ाने की बात कही गई है बल्कि उसने पाकिस्तान और खुफिया एजेंसी आईएसआई जिंदाबाद के नारे भी लिखे। धमकी भरे मेल में कई नेताओं, संगठनों और विदेशी ताकतों से जुड़े विवादित और आपत्तिजनक जिक्र भी किया गया है। मेल में राजीव गांधी, एम करुणानिधि, एमके स्टालिन समेत कई नेताओं का जिक्र किया गयाा है।

प्रबंधन के अनुसार, धमकी मिलने के बाद गुरुद्वारा प्रबंधन ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और प्रशासन को दी। सुरक्षा एजेंसियां मेल की जांच में जुट गई हैं और साइबर सेल भी इस धमकी भरे मेल के स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस और प्रशासन ने फिलहाल गुरुद्वारा परिसर और उसके आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी है। बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वायड की मदद से पूरे इलाके की तलाशी ली जा रही है।

इससे पहले पंजाब में भी श्री हरिमंदिर साहिब को आरडीएक्स से उड़ाने की 20 बार धमकियां मिल चुकी हैं। हालांकि, इस मामले में पंजाब पुलिस ने आरोपियों का पता लगाकार जल्द उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने इस मेल कंपनी से मेल से संबंधित सारा डाटा मंगवाया है। जो एक माह तक पुलिस को उपलब्ध होगा। पुलिस ने धमकियों को लेकर हरिमंदिर साहिब के आसपास की सुरक्षा बढा दी है। हालांकि अब तक पुलिस आरोपियों को काबू नहीं कर सकी है।

नेपाल में प्रदर्शन का असर

किशनगंज सीमा पर सुरक्षा कड़ी

चौकसी बढ़ी लेकिन हालात पूरी तरह सामान्य

पूर्णिया (एजेंसियां)।

नेपाल की राजधानी काठमांडू और अन्य इलाकों में युवाओं के आंदोलन के बीच बिहार के सीमावर्ती जिलों में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। किशनगंज जिले के दिघलबैंक, कादोगांव, टेढ़ागाछ, गलगलिया, खनियाबाद, कंचनबाड़ी, फतहपुर और पेकटोला सहित नेपाल सीमा से लगे कई इलाकों में पुलिस और एसएसबी चौकसी बरत रहे हैं।

सीमा पर लगातार संयुक्त गश्त की जा रही है और यात्रियों की गहन जांच की जा रही है। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि जांच के बाद सामान्य रूप से आने-जाने की अनुमति दी जा रही है और जनजीवन पर किसी तरह का असर नहीं पड़ा है।

नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरोध में प्रदर्शन तेज हो गया है।

झाम्पा जिले के बिरता मोड़ पर प्रदर्शनकारियों ने नगर पालिका कार्यालय में तोड़फोड़ की। अब तक इस आंदोलन में 16 से 18 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

नेपाल पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। भारत-नेपाल सीमा से लगे किशनगंज जिले में हालांकि फिलहाल हालात पूरी तरह सामान्य हैं और लोगों की आवाजाही बाधित नहीं हुई है।

बिना रिश्वत लिए नाश्ता तक नहीं करते थे अंचल अधिकारी

निगरानी ने 2 लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

बेगूसराय (एजेंसियां)।

आम लोगों का कहना है कि बिहार को तीन लोगों ने बर्बाद करके रखा है। एक सीओ, दूसरा कर्मचारी और तीसरा दारोगा। जी हां, ये आम लोगों की राय है। लोगों का मानना है कि सीओ चाहे तो बिहार का आधा क्राइम रुक जाएगा। दारोगा चाहे तो क्राइम रूक जाएगा। लेकिन ये लोग चाहते नहीं हैं। सीओ का पद एक अंचल के लिए काफी बड़ा होता है। जिम्मेदारी बड़ी होती है। बिहार में सीओ के हाथ में जमीन के मामले होते हैं। लेकिन सबसे ज्यादा रिश्वतखोरी के आरोप में जमीन से जुड़े और राजस्व विभाग के अधिकारी और कर्मचारी ही गिरफ्तार होते हैं। ताजा मामला बेगूसराय से आया है, जहां एक अंचल अधिकारी के बारे में प्रसिद्ध था कि बिना रिश्वत के वो नाश्ता तक नहीं करते हैं।

बेगूसराय पहुंची पटना की निगरानी टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले के डंडारी के सीओ यानी अंचल अधिकारी और डाटा ऑपरेटर को दो लाख रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है।

निगरानी ने दो लाख रुपये भी बरामद कर लिए हैं। डंडारी प्रखंड के बांक गांव निवासी विजय कुमार चौरसिया ने निगरानी विभाग पटना में शिकायत की थी कि जमीन का तीन भाइयों में आपस में बटवारा कर अलग-अलग जमाबंदी करने के एवज में सीओ राजीव कुमार ने तीन लाख रुपए घूस की मांग की है। हालांकि, बाद में वो दो लाख रुपये लेने पर राजी हो गए थे। शिकायत के बाद निगरानी विभाग ने इस मामले का सत्यापन कराया। उसके बाद मामला सही पाए जाने के बाद अपना जाल बिछाया। निगरानी विभाग ने सोमवार की दोपहर को डंडारी में छापेमारी की। दो लाख रुपये रिश्वत लेते सीओ को गिरफ्तार कर लिया।

इस मामले में बिचौलिया बना डाटा एंट्री ऑपरेटर भी गिरफ्तार किया गया। उसका नाम कुंदन कुमार बताया जा रहा है। निगरानी की टीम आज जैसे ही डंडारी प्रखंड कार्यालय पहुंची और पीड़ित विजय के द्वारा दो लाख रुपया डाटा एंट्री ऑपरेटर कुंदन कुमार को दिया गया। इस दौरान प्रखंड सभागार में बैठक चल रही थी। बैठक के बीच डाटा एंट्री ऑपरेटर ने सीओ को पैसा दे दिया।

तभी निगरानी की टीम ने छापेमारी कर सीओ को भी गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद निगरानी विभाग की टीम ने इसकी सूचना बलिया डीएसपी सहित वरीय पदाधिकारी को दी तो तुरंत पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद बैठक खत्म होते ही सीओ राजीव कुमार और डाटा एंट्री ऑपरेटर कुंदन कुमार को निगरानी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया।

फिलहाल दोनों से बेगूसराय सर्किट हाउस में पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में निगरानी टीम को लीड कर है डीएसपी अरुणोदय पांडे ने बताया कि तीन भाइयों में जमीन बटवारा और म्यूटेशन के नाम पर 3 लाख रुपया घूस मांगा गया था और 2 लाख में तय हुआ था। जिसके बाद विजय कुमार चौरसिया के शिकायत पर प्राथमिकी 8 सितंबर को दर्ज की गई और 9 सितंबर को आज छापेमारी कर गिरफ्तारी की गई। जब डाटा एंट्री ऑपरेटर घूस लेकर सीओ को दिया तो रंगे हाथ सीओ राजीव कुमार और डाटा ऑपरेटर दोनों को 2 लाख रुपए के साथ गिरफ्तार किया गया है।

यात्रा और मंदिर दर्शन की नई रणनीति से बिहार में जान फूंक रही कांग्रेस, बदलेगा चुनावी समीकरण!

पटना (एजेंसियां)।

कांग्रेस पार्टी ने बिहार के चुनावी मैदान में एक नई रणनीति अपनाई है, जिसने पार्टी में नई जान फूंक दी है। बीजेपी की तरह ही 'जन-जन तक पहुंचने' की इस रणनीति ने कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर दी है। इस बदलाव ने न केवल कांग्रेस को मजबूती दी है, बल्कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेतृत्व के लिए भी चिंता खड़ी कर दी है। कांग्रेस अब सिर्फ राजनीतिक यात्राओं तक ही सीमित नहीं है, बल्कि मंदिरों में पूजा-अर्चना कर एक खास वर्ग को भी अपनी ओर आकर्षित कर रही है।

कांग्रेस के तमाम प्रयासों के बीच सबसे सफल वोटर अधिकार यात्रा रहा। सासाराम से पटना के वोटर अधिकार यात्रा में 16 दिन 25 जिले, 1300 किलोमीटर और 67 विधानसभा से गुजरी थी। इस दौरान कांग्रेस ने उन सीटों पर भी धमाल पहुंचाया जिन 9 सीटें पर विजय मिली और जिन 16 सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार दूसरे नंबर पर रहे।

यह कोई कांग्रेस की पहली यात्रा नहीं थी। इसके पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हलचल मचाने वाली यात्रा कांग्रेस और एनएसयूआई की टीम ने 'नौकरी दो, पलायन रोको यात्रा' के दौरान दी। पश्चिमी चंपारण के भितिहरवा गांधी आश्रम से शुरू हुई यह यात्रा कई जिलों से गुजरी जिसमें मुख्य रूप से कन्हैया कुमार और बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लाबरु दिखे। इस यात्रा से बिहार में रोजगार की कमी और युवाओं के मुद्दों से जनता से रु ब रु कराने का काम किया गया। तब कांग्रेस की इस यात्रा को जनता ने इस रूप लिया कि कांग्रेस अपने पैरों पर खड़ी होने की कोशिश कर रही है। यह संदेश कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं तक पहुंचाने में कामयाबी मिली।

भाजपा की तरह मंदिर मंदिर जा कर जिस आकर्षण की राजनीति कर हिंदू समुदाय में पैठ बैठाती है कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी ने खूब अनुसरण किया। वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी जब औरंगाबाद की यात्रा पर थे तो जिले के देव में प्रसिद्ध सूर्य मंदिर जाने का विशेष कार्यक्रम बनाया। जब औरंगाबाद पहुंचे तो देव मंदिर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के साथ गए। देव सूर्य मंदिर में राहुल गांधी ने पूजा की। दंडवत द्वार से राहुल गांधी मंदिर के अंदर गए। गर्भ गृह में पहुंचे, हाथों में फूल लेकर संकल्प किया फिर पूजा की। भगवान के आगे माथा टेका।

सीतामढ़ी में जब वोटर अधिकार यात्रा के तहत पहुंचे तो राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव के साथ पूजा अर्चना की। तब कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लाबरु ने राहुल-तेजस्वी के मां जानकी मंदिर जाने कहा- हम हर धर्म और उनके भगवान को मानते हैं। हर धर्म की अच्छी चीजें होती हैं। हम नफरत नहीं फैलाते हैं।

प्रियंका गांधी ने गंगा बोट यात्रा के दूसरे दिन सीतामढ़ी मंदिर में पूजा पाठ किया। सर झुका कर मां सीता से आशीर्वाद लिया। फिर विधिवत पूजा के बाद प्रियंका ने पुजारी से प्रसाद लिया। प्रियंका ने पुजारी से रोली लेकर खुद के माथे पर लगाया टीका। पास में पूजा कर रहे एक बच्चे के मस्तक पर भी प्रियंका ने लगाई रोली। सीतामढ़ी मंदिर में पूजा के बाद मां विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए रवाना हो गई।

औरंगाबाद के जंगलों में सर्च ऑपरेशन में मिला तबाही वाला सामान, देखकर चमक गई सुरक्षा बलों की आंखें

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

नक्सली जंगलों में गन फैक्ट्री चलाते हैं, जहां उनकी तरफ से हथियार बनाए जाते हैं। यह खुलासा औरंगाबाद पुलिस, एसएसबी और एसटीएफ के संयुक्त ऑपरेशन में पहाड़ी इलाके में जमीन के अंदर छिपाकर रखे गए असलहों और पार्ट पुर्जों की बरामदगी से हुआ है। पुलिस ने नबीनगर प्रखंड में टंडवा थाना क्षेत्र के लकड़ाही जंगल में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

औरंगाबाद में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। नक्सलियों की ओर से जमीन में छुपाकर रखे गए हथियारों के एक जखीरे को सुरक्षाबलों ने बरामद कर लिया है। एसएसबी, एसटीएफ और टंडवा थाना की पुलिस के साथ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान लखनहवा जंगल के लकड़ाही पहाड़ से 9 एम एम कार्बाइन, 11 जिंदा कारतूस, 9 एम एम पिस्टल का कारतूस, राइफल बट, स्प्रिंग समेत कई अन्य समान भी बरामद किए गए हैं। ऑपरेशन की सफलता से उत्साहित एसएसबी ने इसे नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ी उपलब्धि बताया है।

पुलिस अधीक्षक अम्बरीश राहुल ने सोमवार की शाम बताया कि खुफिया इनपुट मिली कि नबीनगर प्रखंड में टंडवा थाना क्षेत्र के लकड़ाही के जंगली इलाके में नक्सलियों की कुछ संदिग्ध गतिविधि चल रही है और नक्सलियों की ओर से किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बनाई जा रही है। इस सूचना पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), बिहार स्पेशल टास्क फोर्स और टंडवा थाना की पुलिस की संयुक्त टीम ने लकड़ाही के जंगल में स्पेशल सर्च ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान ही टीम ने जंगल के अंदर जमीन में छुपाकर रखे हथियारों और अन्य सामानों को जखीरा बरामद किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com